Next-Gen PSC

Future-Ready Prep. Anytime. Anywhere

मासिक करेंट अफ़ेयर्स | यूपीएससी सीएसई के लिए | जीएस I-IV, निबंध और प्रारंभिक

NextGenPsc

मासिक पत्रिका

अक्टूबर 2026 | हिंदी संस्करण



जीएस I | जीएस II | जीएस III | जीएस IV | निबंध | प्रारंभिक

महीने की सभी प्रमुख ख़बरें, मौलिक विश्लेषण, मानचित्र, चार्ट और अभ्यास के साथ

इस अंक में

किसी भी विषय की टाइल या शीर्षक पर टैप करके सीधे वहाँ पहुँचें। जीएस प्रश्नपत्र के अनुसार देखने के लिए अपने पीडीएफ़ रीडर का बुकमार्क पैनल खोलें, और पुनरावृत्ति करते हुए विषय-सूची के बॉक्स में निशान लगाएँ।

इतिहास
GS 1 | 1 खंड | पृ. 6
राष्ट्रीय एकता दिवस

कला और संस्कृति
GS 1 | 1 खंड | पृ. 7
सुर्ख़ियों में धरोहर

भूगोल
GS 1 | 3 खंड | पृ. 8
मानसून 2026, रिकॉर्ड अल नीनो, भूटान में GLOF

भारतीय समाज
GS 1 | 1 खंड | पृ. 11
भूख और गरीबी सूचकांक

राजव्यवस्था
GS 2 | 4 खंड | पृ. 14
CEC नियुक्ति कानून, SIR और विरोध का अधिकार, कर्नाटक विधिमान्यकरण अधिनियम, वंदे मातरम् और ट्रांसजेंडर संशोधन

शासन
GS 2 | 2 खंड | पृ. 18
PM विकसित ग्राम स्वराज योजना, डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी

सामाजिक न्याय
GS 2 | 1 खंड | पृ. 20
विश्वविद्यालय रैंकिंग

अंतरराष्ट्रीय संबंध
GS 2 | 4 खंड | पृ. 21
भारत-यूरोप संबंध, क्वाड और G20, LAC और गंगा संधि, पश्चिम एशिया युद्ध

अर्थव्यवस्था
GS 3 | 5 खंड | पृ. 26
रेपो दर में वृद्धि, मुद्रास्फीति की वापसी, IMF-विश्व बैंक अनुमान, रुपया, भंडार और GST, IDBI बिक्री और योजनाएँ

कृषि
GS 3 | 1 खंड | पृ. 31
रबी MSP 2027-28

पर्यावरण
GS 3 | 3 खंड | पृ. 32
उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट, जैव विविधता COP17, दिल्ली स्मॉग और GRAP

आपदा प्रबंधन
GS 3 | 1 खंड | पृ. 35
चक्रवात अर्णब

विज्ञान और प्रौद्योगिकी
GS 3 | 6 खंड | पृ. 37
भौतिकी नोबेल 2026, चिकित्सा नोबेल 2026, रसायन नोबेल 2026, NVS-03 और NavIC, गगनयान और आर्टेमिस, परमाणु ऊर्जा और SMR

आंतरिक सुरक्षा
GS 3 | 2 खंड | पृ. 42
वामपंथी उग्रवाद के बाद, AI एजेंट और साइबर ख़तरा

नीतिशास्त्र
GS 4 | 2 खंड | पृ. 44
चक्रवात केस स्टडी, AI एजेंट की नैतिकता

निबंध
निबंध | 1 खंड | पृ. 46
निबंध कॉर्नर

भूगोल
प्रारंभिक | 3 खंड | पृ. 47
चर्चित स्थान: भारत, चर्चित स्थान: विश्व, भौतिक भूगोल और आपदाएँ

पर्यावरण
प्रारंभिक | 2 खंड | पृ. 48
प्रजातियाँ और आर्द्रभूमियाँ, जलवायु रिपोर्टें

राजव्यवस्था
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 50
न्यायालय और संविधान

अर्थव्यवस्था
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 50
अर्थव्यवस्था स्नैपशॉट

विज्ञान और प्रौद्योगिकी
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 51
नोबेल और विज्ञान

कला और संस्कृति
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 51
संस्कृति और पुरस्कार

अंतरराष्ट्रीय संबंध
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 52
संगठन और समूह

आंतरिक सुरक्षा
प्रारंभिक | 1 खंड | पृ. 53
रक्षा: अभ्यास और पोत

पुनरावृत्ति
पुनरावृत्ति | 3 खंड | पृ. 55
त्वरित तथ्य, अभ्यास प्रश्न, आधिकारिक स्रोत

स्रोत
पुनरावृत्ति | 1 खंड | पृ. 63
स्रोत और टिप्पणियाँ

इस माह की प्रमुख ख़बरें

- **RBI ने रेपो दर बढ़ाकर 5.50% की:** 2023 के बाद पहली वृद्धि, क्योंकि तेल और खाद्य कीमतों ने CPI को 5.54% और WPI को 11.39% तक पहुँचा दिया।
- **मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) नियुक्ति कानून:** SIR विवाद और विरोध-प्रदर्शनों के बीच मामला संविधान पीठ के पास।
- **चक्रवात अर्णब:** तीव्र गति से प्रबलीकरण और यानम के निकट तट से टकराव; बड़े पैमाने पर निकासी से मौतें सीमित रहीं।
- **नोबेल 2026:** न्यूट्रिनो खगोलविज्ञान, ऑप्टोजेनेटिक्स और काइरैलिटी सम्मानित; नवी पिल्लै को शांति पुरस्कार।
- **जलवायु:** उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट के अनुसार 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का पार होना लगभग अपरिहार्य; CBD COP17 यरेवान में।
- **NVS-03 प्रक्षेपित:** GSLV-F18 से NavIC तारामंडल मज़बूत हुआ।

पत्रिका कैसे पढ़ें

मानचित्र | चार्ट | मुख्य बिंदु | क्या आप जानते हैं? | प्रारंभिक संकेत | पुनरावृत्ति बॉक्स

इस अंक के बारे में

- यह अंक UPSC सिविल सेवा परीक्षा (CSE) के लिए 1-31 अक्टूबर 2026 की घटनाओं को कवर करता है: सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-IV, निबंध और प्रारंभिक परीक्षा, अभ्यास प्रश्नों सहित।
- तथ्य 31 अक्टूबर 2026 तक जैसे बताए गए, वैसे दिए गए हैं। कुछ घटनाक्रम (चक्रवात मुरासु, CEC अधिनियम मामला, COP31) तब भी जारी थे; बाद की जानकारी अवश्य देखें।
- जिन बातों की पुष्टि हम केवल द्वितीयक स्रोतों से कर सके, उन्हें 'जैसा बताया गया' के रूप में चिह्नित किया गया है और स्रोत पृष्ठ पर सूचीबद्ध किया गया है।

विषय-सूची

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I: इतिहास, संस्कृति, भूगोल, समाज

01	राष्ट्रीय एकता दिवस 151वें वर्ष पर: पटेल, एकीकरण और एकता का विचार	इतिहास	6
02	सुर्ख़ियों में धरोहर: द्रोणसागर उत्खनन, अंबाजी GI टैग और एक महान चित्रकार	कला और संस्कृति	7
03	मानसून 2026: कम वर्षा वाला मौसम समाप्त, लौटता मानसून शुरू	भूगोल	8
04	बनता हुआ एक रिकॉर्ड अल नीनो	भूगोल	9
05	भूटान में हिमनद झील का फटना: बाढ़ का पानी भारत पहुँचा	भूगोल	10
06	भूख और गरीबी सूचकांक 2026: आँकड़े क्या कहते हैं	भारतीय समाज	11

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II: राजव्यवस्था, शासन, सामाजिक न्याय, अंतरराष्ट्रीय संबंध

07	अंपायर की नियुक्ति कौन करे? CEC कानून संविधान पीठ के पास	राजव्यवस्था	14
08	स्वच्छ सूचियाँ या बहिष्करण? SIR, विरोध-प्रदर्शन और सभा का अधिकार	राजव्यवस्था	15
09	विधायिका न्यायालय के निर्णय को पलट नहीं सकती: कर्नाटक का विधिमान्यकरण अधिनियम रद्द	राजव्यवस्था	16
10	न्यायालय में अधिकार: वंदे मातरम् आदेश और ट्रांसजेंडर संशोधन	राजव्यवस्था	17
11	प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना: पंचायतों का सशक्तीकरण	शासन	18
12	'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी: क्या नुकसान बैंक उठाएँ?	शासन	19
13	वैश्विक रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालय: नाम अधिक, शीर्ष पर कम	सामाजिक न्याय	20
14	यूरोप का रुख़ भारत की ओर: स्विट्ज़रलैंड, पोलैंड और लिकटेंस्टाइन के नेता दिल्ली में	अंतरराष्ट्रीय संबंध	21
15	अटलांटा में क्वाड और G20 मंत्री: खनिज, AI और समुद्री मार्ग	अंतरराष्ट्रीय संबंध	22
16	पड़ोस पर नज़र: LAC पर आमना-सामना और गंगा संधि की समय-सीमा	अंतरराष्ट्रीय संबंध	23
17	होर्मुज़ में आग: पश्चिम एशिया का युद्ध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा	अंतरराष्ट्रीय संबंध	24

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III: अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, सुरक्षा

18	RBI का सख़्त रुख़: 2023 के बाद रेपो दर में पहली वृद्धि	अर्थव्यवस्था	26
19	मुद्रास्फीति की वापसी: CPI 5.54%, WPI दोहरे अंक में	अर्थव्यवस्था	27
20	IMF और विश्व बैंक: भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा	अर्थव्यवस्था	28
21	बाहरी दबाव: रुपया, विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार और सार्वजनिक वित्त	अर्थव्यवस्था	29
22	सुधार के कदम: IDBI बैंक की बिक्री और नई विनिर्माण योजनाएँ	अर्थव्यवस्था	30
23	रबी MSP 2027-28 और दबाव में खरीफ़	कृषि	31
24	उत्सर्जन अंतराल और रिकॉर्ड ग्रीनहाउस गैसें: 1.5°C का लक्ष्य फिसलता हुआ	पर्यावरण	32
25	यरेवान में जैव विविधता COP17: 30x30 वादे की समीक्षा	पर्यावरण	33
26	दिल्ली में शीतकालीन स्मॉग का मौसम शुरू: GRAP और पराली की आग	पर्यावरण	34
27	चक्रवात अर्णब: आंध्र तट के पास तीव्र गति से प्रबलन	आपदा प्रबंधन	35
28	भौतिकी नोबेल 2026: न्यूट्रिनो के माध्यम से ब्रह्मांड का दर्शन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी	37
29	चिकित्सा नोबेल 2026: प्रकाश से मस्तिष्क कोशिकाओं को चालू और बंद करना	विज्ञान और प्रौद्योगिकी	37
30	रसायन नोबेल 2026: जीवन एक ही 'हाथ' क्यों चुनता है	विज्ञान और प्रौद्योगिकी	38

31 NVS-03 का प्रक्षेपण: भारत के NavIC तारामंडल का पुनर्निर्माण विज्ञान और प्रौद्योगिकी 39
32 मानव अंतरिक्ष उड़ान: गगनयान ने एक परीक्षण पार किया, आर्टेमिस की 2028 में चंद्र-अवतरण की योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी 40
33 परमाणु ऊर्जा का दूसरा चरण और लघु मॉड्यूलर रिएक्टर विज्ञान और प्रौद्योगिकी 41
34 'नक्सल-मुक्त' के बाद: वामपंथी उग्रवाद, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर आंतरिक सुरक्षा 42
35 घुसपैठिए के रूप में AI एजेंट: CERT-In की नई साइबर चेतावनियाँ आंतरिक सुरक्षा 43

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र IV: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

36 केस स्टडी: चक्रवात, आश्रय सूची और विधायक का फ़ोन नीतिशास्त्र 44
37 स्वायत्त एजेंट का जवाबदेह कौन? AI और डेटा तक पहुँच की नैतिकता नीतिशास्त्र 45

निबंध

38 निबंध कॉर्नर: अक्टूबर 2026 से तीन विषय निबंध 46

प्रारंभिक परीक्षा फ़ोकस

39 चर्चा में रहे स्थान: भारत, अक्टूबर 2026 भूगोल 47
40 चर्चा में रहे स्थान: विश्व, अक्टूबर 2026 भूगोल 47
41 चर्चा में रही प्रजातियाँ, संरक्षित क्षेत्र और आर्द्रभूमियाँ पर्यावरण 48
42 जलवायु और जैव विविधता: रिपोर्टें, दिवस और संस्थाएँ पर्यावरण 49
43 न्यायालय और संविधान: अक्टूबर 2026 एक नज़र में राजव्यवस्था 50
44 अर्थव्यवस्था स्नैपशॉट: आँकड़े और निर्णय, अक्टूबर 2026 अर्थव्यवस्था 50
45 नोबेल पुरस्कार 2026 और विज्ञान नोट्स विज्ञान और प्रौद्योगिकी 51
46 संस्कृति, पुरस्कार और व्यक्तित्व कला और संस्कृति 51
47 संगठन, समूह और चुनाव अंतरराष्ट्रीय संबंध 52
48 रक्षा: अभ्यास, पोत और दिवस आंतरिक सुरक्षा 53
49 चर्चा में भौतिक भूगोल और वैश्विक आपदाएँ भूगोल 53

पुनरावृत्ति

50 त्वरित तथ्य: एक-पंक्ति में अक्टूबर 2026 पुनरावृत्ति 55
51 अभ्यास प्रश्न पुनरावृत्ति 56
52 बुकमार्क करने योग्य आधिकारिक स्रोत पुनरावृत्ति 63
53 स्रोत और टिप्पणियाँ स्रोत 63

01 | इतिहास GS 1

राष्ट्रीय एकता दिवस 151वें वर्ष पर: पटेल, एकीकरण और एकता का विचार

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: आधुनिक भारतीय इतिहास, स्वतंत्रता के बाद का एकीकरण, व्यक्तित्व | GS2: अखिल भारतीय सेवाएँ

संदर्भ

31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर देश ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। प्रधानमंत्री ने गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी पर श्रद्धांजलि अर्पित की, केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में 'रन फ़ॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई और देश भर के कार्यालयों में एकता की शपथ ली गई। एकता नगर में आयोजित परेड में नौ राज्यों के माओवाद-विरोधी बलों का भी प्रदर्शन हुआ (आंतरिक सुरक्षा खंड देखें)। एक सप्ताह बाद, 7 नवंबर 2026 को, वंदे मातरम् के 150 वर्ष का वर्ष भर चलने वाला स्मरणोत्सव समाप्त होगा।

मुख्य बिंदु

- **स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी:** 182 मीटर ऊँची, नर्मदा पर सरदार सरोवर बाँध के सामने साधु बेट द्वीप पर स्थित; 31 अक्टूबर 2018 को उद्घाटन।
- **एकता दिवस:** 2014 से हर वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाता है।
- **वंदे मातरम् के 150 वर्ष:** स्मरणोत्सव 7 नवंबर 2025 को शुरू हुआ; यह गणतंत्र दिवस 2026 का विषय था, और स्वतंत्रता दिवस 2026 पर लाल किले की प्राचीर से यह गीत गाया गया।

पटेल आज भी क्यों प्रासंगिक हैं

- **रियासतों का एकीकरण।** गृह मंत्री और रियासत मंत्री के रूप में (वी.पी. मेनन के साथ) पटेल ने विलय पत्र (Instrument of Accession) और यथास्थिति समझौतों (Standstill Agreements) के माध्यम से 560 से अधिक रियासतों को, अधिकतर बातचीत से, संघ में शामिल किया; जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर के लिए अन्य उपाय अपनाने पड़े।
- **स्टील फ़्रेम।** उन्होंने संविधान सभा में अखिल भारतीय सेवाओं के पक्ष में तर्क दिया, इन्हें संघीय संघ को एक साथ जोड़े रखने वाली कड़ी बताया। अब अनुच्छेद 312 इनका प्रावधान करता है।
- **संविधान निर्माण।** वे मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों तथा जनजातीय और अपवर्जित क्षेत्रों संबंधी सलाहकार समिति, और प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष रहे।

वंदे मातरम्: 150 वर्ष

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत 1875 में लिखा और इसे उपन्यास आनंदमठ (1882) में प्रकाशित किया। रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसे गाया, और 1905 के बंगाल विभाजन के बाद यह स्वदेशी आंदोलन का नारा बन गया। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगान के समान सम्मान के साथ राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया।

विश्लेषण

स्मरणोत्सव युवा आबादी को आज की संस्थाओं को उनके निर्माताओं से जोड़ने में मदद करते हैं। इतिहासकार सावधान करते हैं कि राष्ट्रीय प्रतीक तभी सबसे अच्छा काम करते हैं जब वे समावेशी हों; इसी कारण संविधान सभा ने स्वयं वंदे मातरम् के केवल पहले दो छंदों को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को नडियाद, गुजरात में हुआ था; वे भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे।
- अनुच्छेद 312 के तहत, राज्यसभा द्वारा उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से संकल्प पारित करने के बाद संसद नई अखिल भारतीय सेवाएँ सृजित कर सकती है।
- 2 अक्टूबर 2026 को महात्मा गांधी की 157वीं जयंती मनाई गई; 2 अक्टूबर संयुक्त राष्ट्र का अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस है (UNGA संकल्प, 2007)।

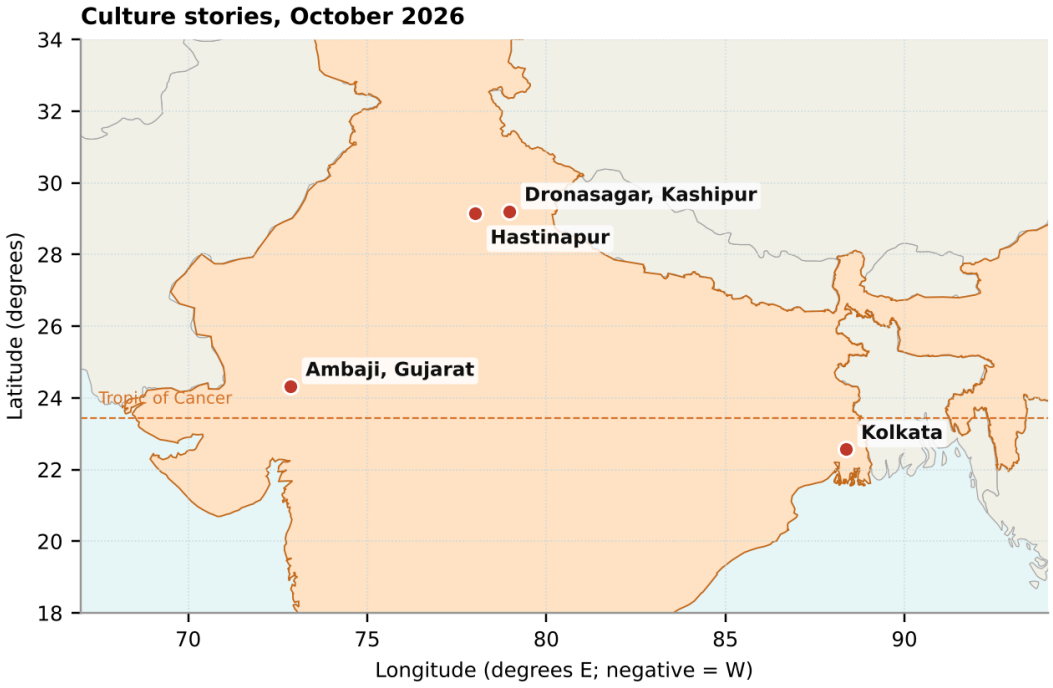
02 | कला और संस्कृति GS 1

सुर्ख़ियों में धरोहर: द्रोणसागर उत्खनन, अंबाजी GI टैग और एक महान चित्रकार

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: भारतीय संस्कृति, कला रूप, पुरातत्व | प्रारंभिक: GI टैग, व्यक्तित्व

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में संस्कृति से जुड़ी तीन ख़बरें प्रमुख रहीं: उत्तराखंड के काशीपुर में द्रोणसागर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) का नया उत्खनन; गुजरात के अंबाजी मंदिर के मोहनथाल प्रसाद को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग; और 25 अक्टूबर को कोलकाता में 87 वर्ष की आयु में चित्रकार जोगेन चौधरी का निधन।



मानचित्र. तुलना के लिए हस्तिनापुर को चित्रित धूसर मृद्भांड के प्ररूप स्थल (type site) के रूप में दिखाया गया है। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आँकड़ों के अनुसार।

1. द्रोणसागर उत्खनन, काशीपुर

- **किसने और कब।** ASI के देहरादून मंडल ने 2026 में टीले पर फिर से खुदाई शुरू की; पहले की खुदाइयाँ 1965 और 1970-71 में हुई थीं। काम की जानकारी 26 अक्टूबर को दी गई।
- **प्राप्तियाँ।** चित्रित धूसर मृद्भांड (PGW) के टुकड़े, शुंग-कुषाण काल की एक ईंट, और ईंटों की एक वृत्ताकार संरचना जो संभवतः कुआँ है। उद्देश्य प्राकृतिक मिट्टी तक खुदाई कर स्थल का सांस्कृतिक अनुक्रम तय करना है।
- **सावधानी।** स्थानीय परंपरा इस स्थल को महाभारत के द्रोणाचार्य से जोड़ती है; पुरातत्वविद् इसे परंपरा मानते हैं, प्रमाण नहीं।

2. अंबाजी मोहनथाल प्रसाद को GI टैग

- **क्या।** बेसन, घी और चीनी से बनी मिठाई, जो बनासकांठा ज़िले के अंबाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में चढ़ाई जाती है; यह मंदिर शक्तिपीठों में से एक है।
- **आवेदक।** श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट; वर्ग 30 (मिष्ठान्न) में पंजीकृत। 8 अक्टूबर 2026 को प्रदान किए जाने की सूचना (जैसा बताया गया)।

3. जोगेन चौधरी (1939-2026)

फ़रीदपुर (अब बांग्लादेश में) में जन्मे चौधरी ने कोलकाता और पेरिस में प्रशिक्षण लिया और महीन क्रॉस-हैच्ड स्याही रेखाओं से बनी आकृतियों के लिए प्रसिद्ध हुए, जो शहरी बेचैनी और मानव शरीर को दर्शाती हैं। उन्होंने हथकरघा बोर्ड में डिज़ाइनर के रूप में काम किया, और 2014 से 2020 तक राज्यसभा सदस्य रहे।

चित्रित धूसर मृद्भांड (Painted Grey Ware)	काले रंग से चित्रित महीन धूसर मिट्टी के बर्तन, लगभग 1200-600 ई.पू., उत्तर वैदिक गंगा मैदान से संबद्ध; प्ररूप स्थल हस्तिनापुर (बी.बी. लाल)।
भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication)	वस्तुओं पर लगाया जाने वाला ऐसा चिह्न जिसकी गुणवत्ता या प्रतिष्ठा उसके मूल स्थान से आती है; यह किसी एक फ़र्म की नहीं, बल्कि समुदाय की रक्षा करता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- भौगोलिक संकेतक अधिनियम, 1999 वर्ष 2003 में लागू हुआ; पंजीकरण 10 वर्ष के लिए होता है और नवीकरणीय है। GI रजिस्ट्री चेन्नई में है।
- दार्जिलिंग चाय भारत का पहला GI-टैग प्राप्त उत्पाद था (2004-05)।
- 1861 में स्थापित ASI, जिसके पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम थे, संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

03 | भूगोल GS 1

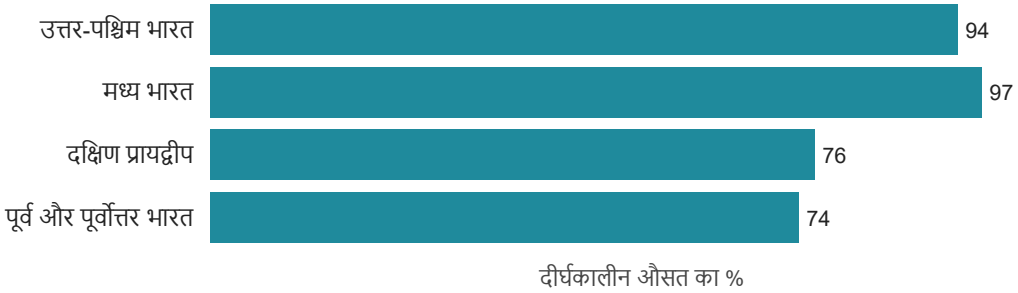
मानसून 2026: कम वर्षा वाला मौसम समाप्त, लौटता मानसून शुरू

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: भारतीय मानसून, जलवायु विज्ञान | GS3: कृषि, जल

संदर्भ

दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम (जून से सितंबर) 759.4 मिमी अखिल भारतीय वर्षा के साथ समाप्त हुआ, जबकि दीर्घकालीन औसत (LPA) 868.6 मिमी है; यह सामान्य का लगभग 87% है, यानी 12.6% की कमी। इससे 2026 'कमी' (deficient) श्रेणी में आता है। 15 अक्टूबर को मानसून पूरे देश से लौट गया, और उसी दिन तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल में उत्तर-पूर्वी मानसून की वर्षा शुरू हुई।

मानसून 2026: क्षेत्रवार वर्षा (LPA का %)



चार्ट. पूर्व और पूर्वोत्तर भारत तथा दक्षिण प्रायद्वीप सबसे अधिक प्रभावित रहे। स्रोत: IMD के मौसम-अंत आँकड़े, जैसा बताया गया, 30 सितंबर-1 अक्टूबर 2026

मुख्य बिंदु

- **माहवार:** जून में LPA का 65%; जुलाई 101%; अगस्त 84%; सितंबर 92%।
- **कारण:** अल नीनो जून में उभरा और पूरे मौसम में प्रबल होता गया; हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) केवल सितंबर के अंत में धनात्मक हुआ, जो सहायता के लिए बहुत देर थी।
- **ज़िले:** लगभग 43% ज़िलों में कम वर्षा दर्ज हुई (जैसा बताया गया)।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **खाद्य कीमतें।** कमज़ोर मानसून से ख़रीफ़ की उपज और जलाशयों का भंडारण घटता है; सब्ज़ियों और दालों की कीमतों ने सितंबर की खाद्य मुद्रास्फीति को 7.74% तक पहुँचा दिया (अर्थव्यवस्था खंड देखें)।
- **ग्रामीण माँग।** भारत का लगभग आधा शुद्ध बोया गया क्षेत्र वर्षा-आधारित है, इसलिए वर्षा घटने के साथ गाँवों में आय और उपभोग भी घटते हैं।
- **बिजली और पानी।** जलाशयों का स्तर कम होने से रबी मौसम में ताप विद्युत और भूजल पर भार बढ़ता है।

उत्तर-पूर्वी (लौटता) मानसून

अक्टूबर से दिसंबर तक भारत के अधिकांश भाग में उत्तर-पूर्वी पवनें स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं। बंगाल की खाड़ी पार करते समय ये नमी ग्रहण करती हैं और कोरोमंडल तट पर वर्षा करती हैं। तमिलनाडु को अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग आधा भाग इसी मौसम में मिलता है। खाड़ी के चक्रवात, जैसे अक्टूबर 2026 के अंत में अर्णब, इस वर्षा को और बढ़ाते हैं।

क्या आप जानते हैं?

IMD की श्रेणियाँ: LPA के 96-104% वर्षा 'सामान्य', 90-95% 'सामान्य से कम' और 90% से कम 'कमी' (deficient) है। 87 सेमी का LPA 1971-2020 का औसत है।

आगे की राह

- देर से बुआई के लिए कम अवधि वाली किस्मों के साथ आकस्मिक फ़सल योजनाएँ; कमी वाले ज़िलों में बीज बैंक।
- प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना के तहत तेज़ भुगतान और फ़सल हानि के आकलन के लिए सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग) का उपयोग।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- मानसून सामान्यतः 17 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से लौटना शुरू करता है; 2026 में वापसी 19 सितंबर को शुरू हुई।
- उत्तर-पूर्वी मानसून तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण केरल के लिए 'शीतकालीन मानसून' है।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत की वार्षिक वर्षा का लगभग 75% देता है।

04 | भूगोल GS 1

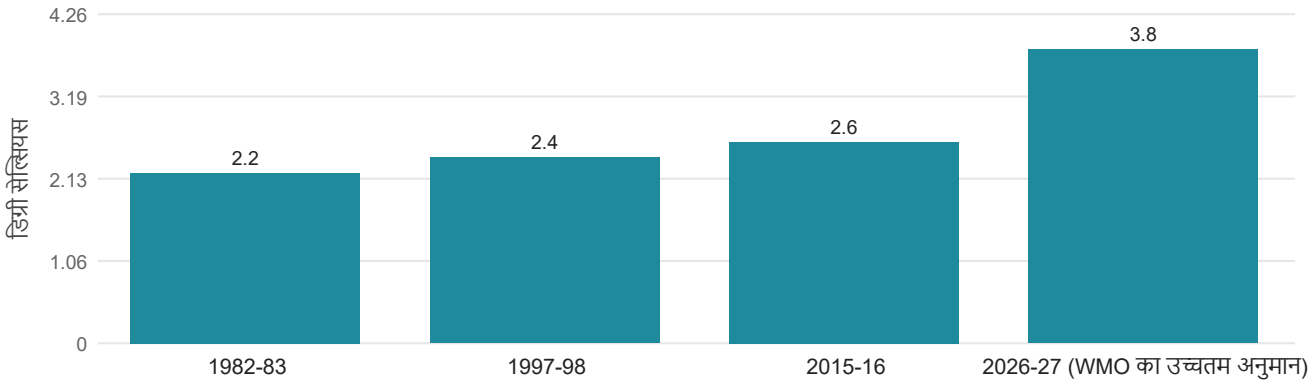
बनता हुआ एक रिकॉर्ड अल नीनो

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: महासागर-वायुमंडल परिघटनाएँ, जलवायु | GS3: आपदा जोखिम, कृषि

संदर्भ

अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) ने 8 अक्टूबर 2026 को अपनी अल नीनो एडवाइज़री जारी रखी। सितंबर में सापेक्ष नीनो-3.4 सूचकांक +2.1 डिग्री सेल्सियस था, और NOAA ने अक्टूबर-दिसंबर के लिए इसके +2.5 डिग्री सेल्सियस या अधिक तक पहुँचने की संभावना 83% बताई। 22 अक्टूबर को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने कहा कि उसके मॉडल नवंबर 2026-जनवरी 2027 के लिए +3.8 डिग्री सेल्सियस तक का अनुमान लगाते हैं, जो अब तक की सबसे प्रबल घटनाओं के लगभग +3 डिग्री सेल्सियस के शिखर से अधिक है। शिखर दिसंबर 2026 के आसपास अपेक्षित है।

प्रबल अल नीनो घटनाएँ: नीनो-3.4 विसंगति का अनुमानित शिखर (डिग्री सेल्सियस)



चार्ट. 2026-27 का स्तंभ एक अनुमान है, केवल तुलना के लिए दिखाया गया है। स्रोत: पिछले शिखर NOAA की ONI श्रृंखला से (पूर्णांकित); 2026-27 का मान 22 अक्टूबर 2026 को बताया गया WMO मॉडल अनुमान है, प्रेक्षण नहीं

अल नीनो	मध्य और पूर्वी विषुवतीय प्रशांत महासागर का असामान्य रूप से गर्म होना; जब नीनो-3.4 क्षेत्र में तीन महीने की विसंगति +0.5 डिग्री सेल्सियस या अधिक हो, तब घोषित किया जाता है।
नीनो-3.4 क्षेत्र	5° उत्तर-5° दक्षिण, 170° पश्चिम-120° पश्चिम; ENSO पर नज़र रखने का मानक क्षेत्र।

वॉकर परिसंचरण	उष्णकटिबंधीय प्रशांत के ऊपर पूर्व-पश्चिम वायु परिसंचरण; अल नीनो इसे कमज़ोर करता है, जिससे ऊपर उठती वायु और वर्षा पूर्व की ओर खिसक जाती है।
हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD)	पश्चिमी और पूर्वी हिंद महासागर के बीच तापमान का अंतर; धनात्मक IOD भारत पर अल नीनो के सुखाने वाले प्रभाव की भरपाई कर सकता है।

भारत के लिए यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **मानसून 2026 पहले ही प्रभावित।** अल नीनो वर्ष के साथ ही वर्षा में 12.6% की कमी रही।
- **रबी और ग्रीष्म 2027।** प्रबल अल नीनो वाली सर्दियों के बाद प्रायः अधिक गर्म और शुष्क परिस्थितियाँ आती हैं; वसंत 2027 में लू और 2027 में मानसून का कमज़ोर आगमन ऐसे जोखिम हैं जिन पर नज़र रखनी होगी।
- **वैश्विक प्रभाव।** ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी अफ़्रीका में सूखा, पेरू और इक्वाडोर में बाढ़, और 2027 में संभवतः नया वैश्विक तापमान रिकॉर्ड।

तैयारी

राज्य और शहर स्तर पर लू कार्य योजनाएँ (हीट एक्शन प्लान), खाद्यान्न के बफ़र स्टॉक (2026 में मानकों से काफ़ी ऊपर), आकस्मिक कृषि योजनाएँ, और ग्रीष्म 2027 के लिए पेयजल योजना मुख्य उपकरण हैं। मिशन मौसम के तहत बेहतर मौसमी पूर्वानुमान पहले से योजना बनाने में मदद करते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- ला नीना ENSO का विपरीत (ठंडा) चरण है; ENSO का पूरा नाम अल नीनो-दक्षिणी दोलन (El Nino-Southern Oscillation) है।
- दक्षिणी दोलन सूचकांक (SOI) ताहिती और डार्विन के बीच वायुदाब के अंतर को मापता है।
- अल नीनो वर्षों में पेरू का एंकोवी मत्स्य उद्योग ढह जाता है, क्योंकि गर्म पानी पोषक तत्वों के उत्प्रवाह (अपवेलिंग) को रोक देता है।

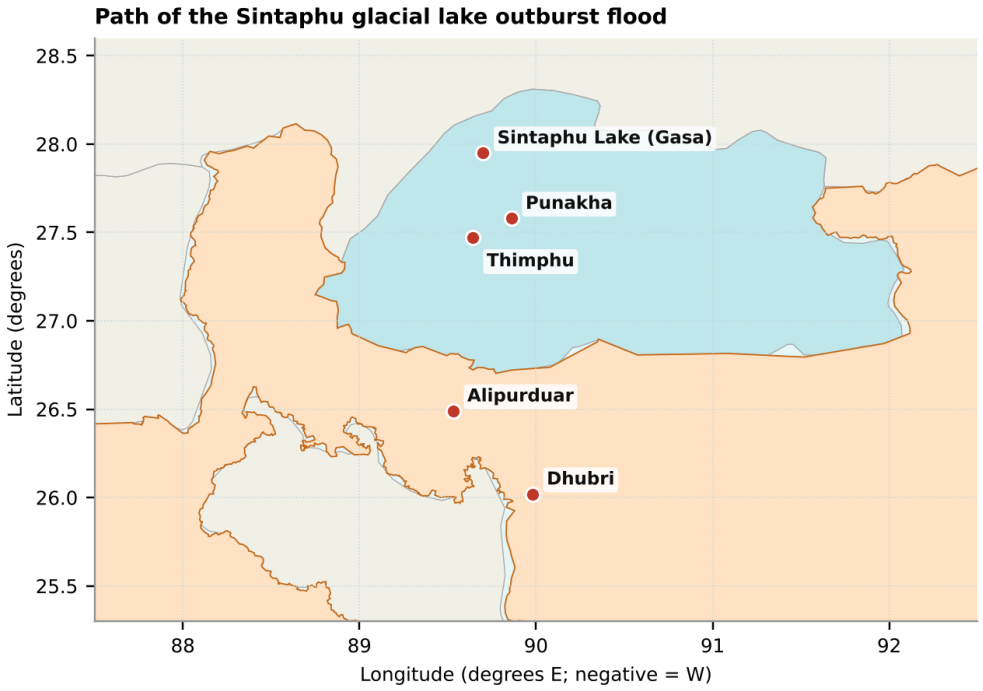
05 | भूगोल GS 1

भूटान में हिमनद झील का फटना: बाढ़ का पानी भारत पहुँचा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: हिमालयी भूगोल, हिमनद | GS3: आपदा प्रबंधन | GS2: भारत-भूटान

संदर्भ

29 अक्टूबर 2026 की शाम उत्तरी भूटान के गासा ज़िले में सिंताफू (जिसे शिंताफू भी लिखा जाता है) हिमनद झील फट गई। अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (ICIMOD) के अनुमान के अनुसार झील में 60-70 लाख घन मीटर पानी था। बाढ़ मो छू से होकर, फिर पुना त्सांग छू में बही, जो भारत में संकोश के नाम से प्रवेश करती है। भारत के केंद्रीय जल आयोग (CWC) ने पश्चिम बंगाल और असम के ज़िलों को चेतावनी दी।



मानचित्र. सिंताफू हिमनद झील विस्फोट बाढ़ का मार्ग। झील की स्थिति अनुमानित है। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आँकड़ों के अनुसार।

मुख्य बिंदु

- **भूटान में कोई मौत नहीं:** क्षेत्र को पहले ही ख़ाली करा लिया गया था।
- **क्षति:** गासा त्साछू गर्म झरने, पुनाखा-गासा सड़क का एक हिस्सा, लाया जाने वाली सड़क और संभवतः दो बेली पुल।
- **भारत:** अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार (पश्चिम बंगाल) तथा धुबरी (असम) के लिए अलर्ट; उत्तर बंगाल में लोगों को निकाले जाने की सूचना मिली।

GLOF क्या है?

जैसे-जैसे हिमनद पीछे हटते हैं, पिघला हुआ पानी ढीले हिमोढ़ (मोरेन, यानी चट्टानी मलबे) या बर्फ़ के बाँधों के पीछे जमा होता जाता है। हिमस्खलन, भूस्खलन, भारी वर्षा या भूकंप जैसा कोई ट्रिगर बाँध को तोड़ सकता है और कुछ ही घंटों में झील को ख़ाली कर सकता है। बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर और गाद को दसियों किलोमीटर नीचे तक बहा ले जाती है।

चुनौतियाँ

- **बढ़ता जोखिम।** तापवृद्धि से हिमालयी झीलें बड़ी हो रही हैं; भूटान 17 संभावित ख़तरनाक झीलों को सूचीबद्ध करता है और भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने अपने हिमालयी राज्यों में अनेक उच्च-जोखिम झीलों की पहचान की है।
- **सीमा-पार नदियाँ।** बाढ़ कुछ ही घंटों में सीमाएँ पार कर जाती है, इसलिए आँकड़ों का आदान-प्रदान वास्तविक समय में होना चाहिए।

आगे की राह

- उच्च-जोखिम झीलों पर स्वचालित मौसम और जल-स्तर केंद्र, तथा नीचे की ओर सायरन।
- झील के स्तर को नियंत्रित तरीके से कम करना (साइफ़निंग, निकास चैनल), जैसा भूटान ने थोरथोरमी में किया।
- मौजूदा जलविद्युत सहयोग के तहत एक औपचारिक भारत-भूटान बाढ़-चेतावनी प्रोटोकॉल, और घाटियों में निर्माण से पहले ख़तरा क्षेत्र-निर्धारण (हैज़र्ड ज़ोनिंग)।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- संकोश ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी है और असम-पश्चिम बंगाल सीमा के एक भाग का निर्धारण करती है।
- NDMA ने 2020 में राष्ट्रीय GLOF दिशानिर्देश जारी किए।
- ICIMOD का मुख्यालय काठमांडू में है और इसके आठ हिंदू कुश हिमालय सदस्य देश हैं, जिनमें भारत भी शामिल है।

GS 1

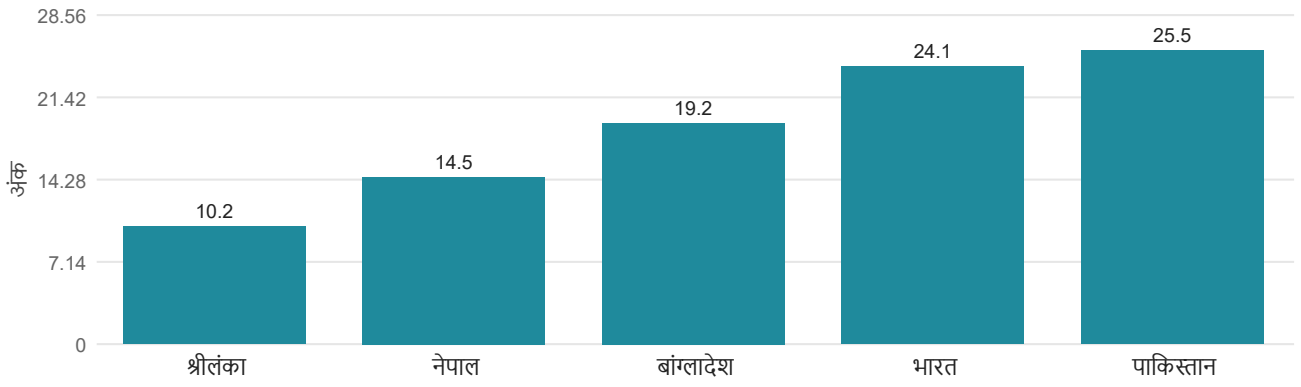
भूख और गरीबी सूचकांक 2026: आँकड़े क्या कहते हैं

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS1: गरीबी, जनसंख्या संबंधी मुद्दे | GS2: स्वास्थ्य, पोषण, कल्याणकारी योजनाएँ

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में जारी दो वैश्विक सूचकांकों ने भारत की सामाजिक प्रगति को जाँच के दायरे में रखा। वैश्विक भूख सूचकांक (GHI) 2026 ने 24.1 अंक ('गंभीर') के साथ भारत को 122 देशों में 100वाँ स्थान दिया। UNDP-OPHI के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2026 ने भारत में गरीबों का अनुपात 16.4% बताया, जो 2005-06 के 55.1% से कम है, लेकिन यह 2019-21 के आँकड़ों पर आधारित है।

वैश्विक भूख सूचकांक 2026 अंक: दक्षिण एशिया (कम अंक बेहतर)



चार्ट. 20-34.9 अंक 'गंभीर' श्रेणी में आते हैं। स्रोत: GHI 2026, जैसा बताया गया, 22 अक्टूबर 2026

मुख्य बिंदु

- **GHI (भारत):** बाल दुर्बलता (child wasting) 19% (दक्षिण एशिया में सर्वाधिक); बाल ठिगनापन (child stunting) 29.3%; अल्पपोषण 9.8%; पाँच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर 2.7%।
- **MPI (भारत):** 16.4% गरीब; तीव्रता 42%; 4.2% गंभीर गरीबी में; 18.7% असुरक्षित (vulnerable)। सबसे बड़े अभाव: खाना पकाने का ईंधन, आवास और पोषण।
- **वैश्विक MPI:** 108 देशों में लगभग 1.2 अरब लोग गरीब; रिपोर्ट के अनुसार 2010 के बाद पहली बार गरीबी बढ़ी (जैसा बताया गया)।

बहस

सरकार का दृष्टिकोण	आलोचकों का दृष्टिकोण
GHI त्रुटिपूर्ण है: चार में से तीन संकेतक बच्चों से संबंधित हैं, और अल्पपोषण का आँकड़ा एक छोटे राय-आधारित सर्वेक्षण से आता है।	ठिगनापन और दुर्बलता राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) में सीधे मापे जाते हैं और वास्तविक अभाव को दर्शाते हैं।
80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ़्त अनाज और पोषण योजनाओं ने भूख घटाई है; पुराने आँकड़े प्रगति को कम आँकते हैं।	दुर्बलता दो दशकों से ऊँची बनी हुई है; आहार की गुणवत्ता और मातृ पोषण अब भी पीछे हैं।
MPI 2019-21 के आँकड़ों का उपयोग करता है और उसके बाद आवास, गैस और जल योजनाओं के विस्तार को नहीं गिनता।	प्रगति दिखाने के लिए एक नया राष्ट्रीय सर्वेक्षण आवश्यक है; इसके बिना अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें पुराने आँकड़ों पर निर्भर रहती हैं।

विश्लेषण

दोनों पक्ष कमज़ोर कड़ी पर सहमत हैं: बाल पोषण। अब खाद्य उपलब्धता मुख्य समस्या नहीं है; कमियाँ आहार विविधता, गर्भावस्था से पहले और उसके दौरान माताओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और देखभाल के तरीक़ों में हैं। हर महीने वृद्धि मापने वाले कार्यक्रम (पोषण ट्रैकर) और समुदाय-स्तर पर गंभीर तीव्र कुपोषण (SAM) का उपचार केवल अधिक अनाज की तुलना में तेज़ लाभ दे सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

GHI के सूत्र में अल्पपोषण और बाल मृत्यु दर को एक-एक तिहाई भार मिलता है; बाल ठिगनेपन और बाल दुर्बलता को एक-एक छठा भार मिलता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- GHI वेल्टहंगरहिल्फ़े (जर्मनी) और कंसर्न वर्ल्डवाइड (आयरलैंड) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- वैश्विक MPI में 3 आयाम और 10 संकेतक हैं; नीति आयोग का राष्ट्रीय MPI इसमें मातृ स्वास्थ्य और बैंक खाते जोड़ता है (12 संकेतक)।
- विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1945 में खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की स्थापना का प्रतीक है।

⚖ 07 | राजव्यवस्था GS 2

अंपायर की नियुक्ति कौन करे? CEC कानून संविधान पीठ के पास

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: संवैधानिक निकाय (ECI), शक्तियों का पृथक्करण, न्यायपालिका | प्रारंभिक: अनुच्छेद 324

संदर्भ

23 सितंबर 2026 को सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विभाजित मत दिया, और दोनों न्यायाधीशों ने संविधान पीठ गठित करने के लिए मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को भेज दिया। अक्टूबर में विवाद का दायरा बढ़ा: 5 अक्टूबर को CJI की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) को निलंबित करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया जिनमें आरोप था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) पर 14 निर्णय दोनों निर्वाचन आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए; 26 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग ने न्यायालय को बताया कि SIR के सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए थे।

मुख्य बिंदु

- **2023 का अधिनियम:** चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, और लोकसभा में विपक्ष के नेता (LoP) होते हैं। CJI इसके सदस्य नहीं हैं।
- **अधिनियम से पहले:** अनूप बरनवाल मामले (मार्च 2023) में संविधान पीठ ने कहा था कि जब तक संसद कानून नहीं बनाती, तब तक पैनल में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और CJI होंगे।
- **विभाजित मत (न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा):** एक न्यायाधीश मामले का निर्णय करने के पक्ष में थे और उन्होंने पैनल में कार्यपालिका के बहुमत पर सवाल उठाया; दूसरे का मत था कि अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान पीठ को ही निर्णय करना चाहिए।
- **धारा 18:** ECI का कामकाज यथासंभव सर्वसम्मति से, अन्यथा बहुमत से किया जाना है।

तर्क

याचिकाकर्ताओं का तर्क	केंद्र सरकार का तर्क
स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव मूल ढाँचे का हिस्सा हैं; ऐसा पैनल जिसमें तीन में से दो वोट सरकार के पास हों, कार्यपालिका को अंपायर चुनने देता है।	अनुच्छेद 324(2) नियुक्तियों को संसद द्वारा बनाए गए कानून पर छोड़ता है; संसद ने अब ऐसा कानून बना दिया है, जैसा स्वयं बरनवाल निर्णय ने आमंत्रित किया था।
धारा 16 CEC और निर्वाचन आयुक्तों (ECs) को आधिकारिक कार्यों के लिए ऐसी उन्मुक्ति देती है जो संवैधानिक न्यायाधीशों की उन्मुक्ति से भी व्यापक है।	सद्भावपूर्वक किए गए कार्यों के लिए उन्मुक्ति वैधानिक और संवैधानिक पदधारकों के लिए सामान्य बात है।
मतदाता सूचियों से जुड़े निर्णय सामूहिक होने चाहिए; यदि एक सदस्य अकेले कार्य कर सके तो 1993 का बहु-सदस्यीय मॉडल खोखला हो जाएगा।	आयोग का कहना है कि SIR के सभी निर्णय संयुक्त रूप से लिए गए और अभिलेख यह दिखाएँगे।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **चुनावों में विश्वास।** सर्वोच्च न्यायालय बार-बार कह चुका है कि आयोग को न केवल स्वतंत्र होना चाहिए, बल्कि स्वतंत्र दिखना भी चाहिए।
- **तुलनात्मक व्यवहार।** लोकपाल, केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) और CBI निदेशक के चयन में सरकार के साथ CJI या विपक्ष के नेता शामिल होते हैं; आलोचक और समर्थक दोनों इन मॉडलों का हवाला देते हैं।
- **लंबा विलंब।** मामला दो वर्ष से अधिक समय से लंबित है; न्यायालय ने मार्च 2024 में रोक लगाने से इनकार किया था और वर्तमान CEC की नियुक्ति फ़रवरी 2025 में इसी अधिनियम के तहत हुई थी।

आगे की राह

टिप्पणीकारों द्वारा सुझाए गए विकल्पों में एक तटस्थ सदस्य (CJI या लोकसभा अध्यक्ष) वाला पैनल, तीनों आयुक्तों के लिए निश्चित कार्यकाल और पद से हटाए जाने से सुरक्षा, तथा किसी उम्मीदवार के चयन के कारणों को प्रकाशित करना शामिल है। संविधान पीठ जो भी निर्णय दे, शीघ्र सुनवाई अपने आप में राज्य चुनावों के अगले दौर से पहले अनिश्चितता कम करेगी।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 324(5): CEC को केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह ही हटाया जा सकता है; किसी निर्वाचन आयुक्त को केवल CEC की सिफ़ारिश पर ही हटाया जा सकता है।
- ECI 1993 में तीन-सदस्यीय निकाय बना; 1989-90 में यह कुछ समय के लिए बहु-सदस्यीय रहा था।
- अनुच्छेद 145(3): संविधान की व्याख्या से जुड़े सारवान प्रश्न वाले मामले के लिए कम से कम पाँच न्यायाधीशों की पीठ आवश्यक है।

08 | राजव्यवस्था GS 2

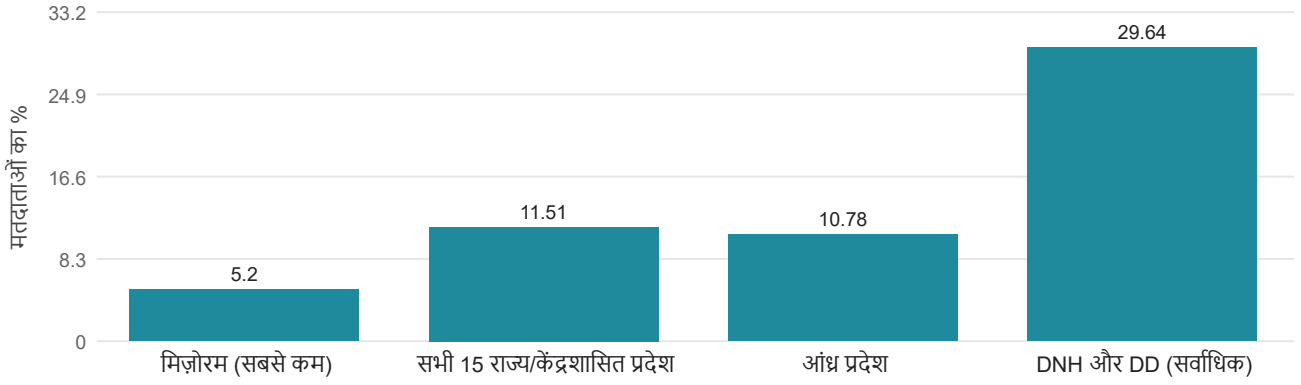
स्वच्छ सूचियाँ या बहिष्करण? SIR, विरोध-प्रदर्शन और सभा का अधिकार

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: चुनाव, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, मौलिक अधिकार (अनु. 19, 21, 326)

संदर्भ

निर्वाचन आयोग का मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), जो अब अपने तीसरे चरण में है, अक्टूबर 2026 में छाया रहा। जैसा बताया गया, चरण 3 के 12 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप सूचियों से 13.77 करोड़ में से लगभग 1.59 करोड़ नाम (11.5%) हटा दिए गए थे; पश्चिम बंगाल में आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि 38.3 लाख अपीलें दायर की गई हैं। विपक्षी दलों और युवा समूहों ने 2 अक्टूबर से CEC के इस्तीफ़े की माँग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किए। 9-11 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था के उपायों के नाम पर सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए, और निर्देश दिया कि वकीलों और पत्रकारों को रोका न जाए।

SIR चरण 3 प्रारूप सूचियाँ: हटाए गए नामों का हिस्सा (%)



चार्ट. हटाए गए नामों में मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियाँ शामिल हैं। स्रोत: ECI प्रारूप-सूची आँकड़े, सबरंगइंडिया द्वारा संकलित (अगस्त 2026)

दो दृष्टिकोण

निर्वाचन आयोग	आलोचक और याचिकाकर्ता
अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) विशेष पुनरीक्षण की अनुमति देते हैं; सूचियों में मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियाँ होती हैं।	मतदाताओं से दस्तावेज़ों के साथ पात्रता सिद्ध करने को कहना गरीबों और प्रवासियों पर बोझ डालता है और ग़लत बहिष्करण का जोखिम पैदा करता है (अनुच्छेद 326)।
हटाए गए मतदाता दावा दायर कर सकते हैं; फ़ॉर्म 6, 7 और 8 उपचार प्रदान करते हैं।	2026 की सूचियों में पहले से दर्ज लोगों के लिए फ़ॉर्म 6 (नए मतदाताओं के लिए) का उपयोग अनावश्यक काग़ज़ी कार्रवाई बढ़ाता है; न्यायालय ने इसका कारण पूछा है।
बंगाल में अपील दायर करने वाले अधिकारियों ने वैधानिक प्राधिकारियों के रूप में कार्य किया।	नाम शामिल करने के विरुद्ध बड़े पैमाने पर आधिकारिक अपीलें वास्तविक मतदाताओं को हतोत्साहित कर सकती हैं।

विरोध का अधिकार: न्यायालय ने क्या कहा

- **9 अक्टूबर:** क़ानून-व्यवस्था सार्वजनिक सुविधाओं की क़ीमत पर नहीं होनी चाहिए; परिवहन को विनियमित किया जा सकता है, पूरी तरह बंद नहीं।

- **विशेष बैठक:** विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा कोई हिरासत नहीं; वकीलों और पत्रकारों को रोका न जाए; सेवाएँ बहाल की जाएँ।
- **आगे की कार्रवाई:** वकीलों पर हमलों की दिल्ली पुलिस SIT द्वारा जाँच; दर्जनों संबंधित याचिकाएँ लंबित।

आगे की राह

- नाम हटाने से पहले घर-घर सत्यापन, और प्रत्येक प्रभावित मतदाता को लिखित सूचना (जैसा न्यायमूर्ति भुइयाँ ने टिप्पणी की, व्यक्ति की मृत्यु के अलावा सूचना के बिना कोई नाम न हटाया जाए)।
- विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल और आनुपातिक भीड़ नियंत्रण, इंटरनेट और परिवहन बंदी को अंतिम उपाय के रूप में रखते हुए (अनुराधा भसीन, 2020)।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 326: वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव (मतदान आयु 18 वर्ष, जिसे 61वें संशोधन, 1988 द्वारा 21 से घटाया गया)।
- फ़ॉर्म 6 नए नामांकन के लिए, फ़ॉर्म 7 आपत्ति या नाम हटाने के लिए, और फ़ॉर्म 8 सुधार या स्थानांतरण के लिए है।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 ने दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) की धारा 144 का स्थान लिया है।

09 | राजव्यवस्था GS 2

विधायिका न्यायालय के निर्णय को पलट नहीं सकती: कर्नाटक का विधिमान्यकरण अधिनियम रद्द

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: शक्तियों का पृथक्करण, न्यायपालिका, लोक सेवा आयोग

संदर्भ

29 अक्टूबर 2026 को श्रीनिवास टी. बनाम कर्नाटक राज्य मामले में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कर्नाटक सिविल सेवा (2011 बैच के राजपत्रित परिवीक्षाधीनों के चयन और नियुक्ति का विधिमान्यकरण) अधिनियम, 2022 को रद्द कर दिया। इस अधिनियम ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (KPSC) के 2011 के उस चयन से हुई नियुक्तियों को बचाने का प्रयास किया था, जिसे CID जाँच में पाए गए भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के कारण न्यायालय पहले ही रद्द कर चुके थे।

मुख्य बिंदु

- **भर्ती:** 2011 में समूह A और B के 362 पद अधिसूचित; 46 चयनित उम्मीदवार दाग़ी पाए गए।
- **निर्णय:** विधायिका उस कानून को बदल सकती है जिस पर कोई निर्णय आधारित है, भले ही पूर्वव्यापी प्रभाव से, लेकिन वह किसी अंतिम निर्णय को केवल घोषणा करके निष्प्रभावी नहीं कर सकती।
- **राहत:** एकमुश्त आयु-छूट के साथ नई भर्ती; वरिष्ठता नई नियुक्ति से; पहले की सेवा पेंशन के लिए गिनी जाएगी।

विधिक सिद्धांत

विधिमान्यकरण कानून सामान्य हैं: वे उन दोषों को दूर करते हैं जिनके कारण किसी न्यायालय ने कोई कर या नियम रद्द किया था। कसौटी यह है कि क्या कानून निर्णय के **आधार को हटाता है** (उदाहरण के लिए, क़ानून में संशोधन करके ताकि दोष ही न रहे)। जो कानून केवल यह कहता है कि 'निर्णय के बावजूद चयन बना रहेगा', वह किसी दोष को दूर नहीं करता; वह न्यायालय के ऊपर अपीलीय प्राधिकारी बन बैठता है, जिससे शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होता है, जो मूल ढाँचे का हिस्सा है।

विधिमान्यकरण अधिनियम (Validating Act)	ऐसा कानून जो किसी विधिक दोष को पूर्वव्यापी रूप से दूर करता है ताकि पिछली कार्रवाइयाँ वैध हो जाएँ।
मूल ढाँचा (Basic structure)	संविधान की वे मूल विशेषताएँ जिन्हें संशोधन द्वारा भी नष्ट नहीं किया जा सकता (केशवानंद भारती, 1973)।
शक्तियों का पृथक्करण	प्रत्येक अंग अपने क्षेत्र में कार्य करता है; विवादों का अंतिम निर्णय केवल न्यायपालिका करती है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **भर्ती की सत्यनिष्ठा।** राज्य लोक सेवा आयोगों के घोटाले (पेपर लीक, भाई-भतीजावाद) विश्वास को कमज़ोर करते हैं; यह निर्णय संकेत देता है कि दाग़ी चयनों को राजनीतिक संरक्षण टिक नहीं पाएगा।
- **ईमानदार उम्मीदवारों के साथ न्याय।** जो उम्मीदवार दाग़ी नहीं थे, वे भी वरिष्ठता खो देते हैं; न्यायालय ने पेंशन सुरक्षा और आयु-छूट से इसे नरम करने का प्रयास किया।

- **संघीय सबक।** राज्य विधायिकाओं के पास व्यापक शक्ति है, लेकिन अनुच्छेद 315-323 और न्यायिक पुनर्विलोकन यह सीमित करते हैं कि सार्वजनिक रोज़गार के लिए इसका उपयोग कैसे हो।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 315-323 संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों से संबंधित हैं; राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं, लेकिन उन्हें केवल राष्ट्रपति ही हटा सकते हैं।
- अक्टूबर 2026 में सात न्यायाधीशों की पीठ ने विधायी विशेषाधिकार (अनुच्छेद 194(3)) पर एन. रवि संदर्भ को निष्फल (infructuous) मानकर बंद कर दिया, जिससे विशेषाधिकारों के संहिताकरण का प्रश्न खुला रह गया।
- सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 केंद्रीय भर्ती परीक्षाओं पर लागू होता है।

10 | राजव्यवस्था GS 2

न्यायालय में अधिकार: वंदे मातरम् आदेश और ट्रांसजेंडर संशोधन

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: मौलिक अधिकार (अनु. 14, 19, 21, 25), कमज़ोर वर्ग

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में सुनी गई दो याचिकाएँ यह परखती हैं कि राज्य पहचान और अंतरात्मा को किस हद तक परिभाषित कर सकता है। 27 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के जनवरी और जुलाई 2026 के उन आदेशों को दी गई चुनौती पर नोटिस जारी किया जो विद्यालयों सहित वंदे मातरम् के छह छंदों वाले संस्करण को निर्धारित करते हैं। अलग से, 29 अक्टूबर को नई याचिकाओं को उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह के साथ जोड़ा गया।

1. वंदे मातरम् आदेश

- **याचिकाकर्ताओं के आधार:** अंतरात्मा की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25), बिजो इमैनुएल (1986) में मान्य मौन रहने का अधिकार, अनुच्छेद 14 और 21, और गीत के पाठ में कार्यकारी परिवर्तन के पीछे किसी क़ानून का अभाव।
- **सरकार का दृष्टिकोण (जवाब प्रतीक्षित):** ये आदेश राष्ट्रीय प्रतीक के 150वें वर्ष में उसके प्रति सम्मान को बढ़ावा देते हैं, और जो लोग गाए बिना सम्मानपूर्वक खड़े रहते हैं उनके लिए कोई दंड निर्धारित नहीं है।
- **न्यायालय की पूर्व टिप्पणी:** एक संबंधित मामले में पीठ ने मौखिक रूप से कहा था कि न गाने वालों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

2. ट्रांसजेंडर संशोधन, 2026

- **क्या बदला:** 2019 के अधिनियम की धारा 2(k) में जोड़ा गया एक परंतुक 'स्व-अनुभूत लैंगिक पहचान' वाले व्यक्तियों को बाहर करता है, और स्व-पहचान की जगह लेता है, जिसे NALSA (2014) ने मान्यता दी थी।
- **याचिकाकर्ता:** यह परिवर्तन गरिमा, निजता (पुट्टास्वामी) और समानता का उल्लंघन करता है; यह पहचान के लिए चिकित्सकीय या आधिकारिक परीक्षण को बाध्य करता है।
- **केंद्र सरकार:** स्पष्ट विधिक मानदंड आवश्यक हैं ताकि लाभ लक्षित समूह तक पहुँचें और अन्य कानून सुसंगत रूप से काम करें। एक महिला समूह ने जैविक महिलाओं के अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए याचिका दायर की है।
- **स्थिति:** कोई रोक नहीं; उच्च न्यायालयों के मामले सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित; संशोधन से पहले जारी कार्ड वैध बने रहेंगे (केंद्र ने 17 अगस्त को न्यायालय को बताया)।

मामला	वर्ष	सिद्धांत
बिजो इमैनुएल बनाम केरल राज्य	1986	राष्ट्रगान के दौरान मौन खड़े रहने वाले छात्रों को निष्कासित नहीं किया जा सकता
NALSA बनाम भारत संघ	2014	'तृतीय लिंग' और स्व-पहचान को मान्यता दी
पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ	2017	निजता एक मौलिक अधिकार है
नवतेज सिंह जौहर	2018	सहमति से समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया

विश्लेषण

दोनों मामलों में न्यायालय से राज्य के एक वैध उद्देश्य (राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान; कल्याण के लिए स्पष्ट पात्रता) और व्यक्ति की स्वयं को परिभाषित करने और अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने को कहा गया है। मॉडर्न डेंटल कॉलेज (2016) और पुट्टास्वामी से

निकली आनुपातिकता की कसौटी पूछती है कि क्या किसी उपाय का उद्देश्य वैध है, क्या वह उपयुक्त है, क्या वह सबसे कम प्रतिबंधात्मक साधन है, और क्या उससे होने वाली हानि के साथ उसका संतुलन है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- अनुच्छेद 51A(a) नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करने की अपेक्षा करता है; राष्ट्रीय गीत का उल्लेख नहीं है।
- राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को कवर करता है।
- उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने राष्ट्रीय उभयलिंगी व्यक्ति परिषद की स्थापना की।

11 | शासन GS 2

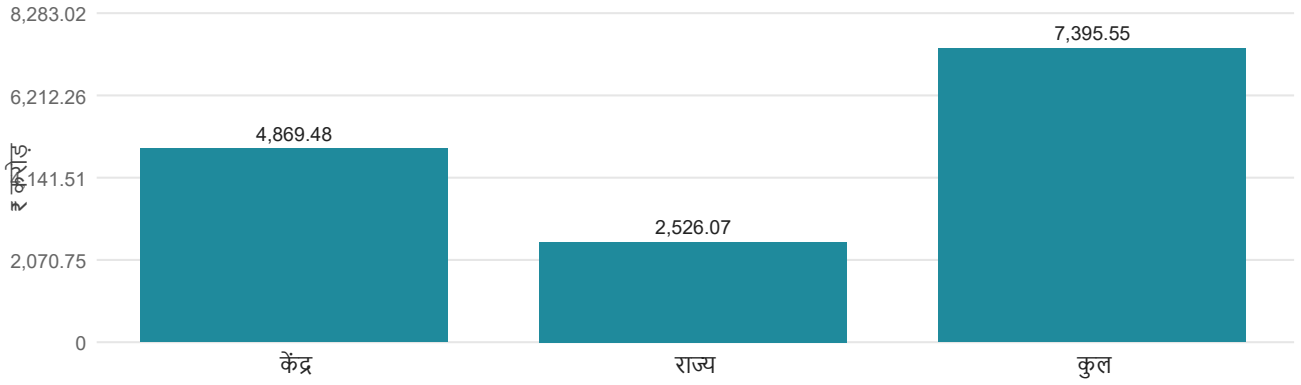
प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना: पंचायतों का सशक्तीकरण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: स्थानीय स्वशासन, शक्तियों का हस्तांतरण, सरकारी योजनाएँ

संदर्भ

28 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना (PM-VGSY) को मंज़ूरी दी, जो 2026-27 से 2030-31 के लिए ₹7,395.55 करोड़ की केंद्र प्रायोजित योजना है (केंद्र ₹4,869.48 करोड़, राज्य ₹2,526.07 करोड़)। इसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों को स्थानीय शासन की प्रभावी इकाई बनाना है; यह 2.55 लाख से अधिक पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों, तथा लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों और कर्मियों को कवर करती है।

PM-VGSY परिव्यय, 2026-27 से 2030-31 (₹ करोड़)



चार्ट. केंद्र प्रायोजित योजना। स्रोत: PIB, 28 अक्टूबर 2026 का मंत्रिमंडल निर्णय

मुख्य बिंदु: छह स्तंभ

- ग्राम पंचायतें स्थानीय शासन और सेवा वितरण के केंद्र के रूप में।
- एक साझा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर तैयार ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ (GPDP)।
- ई-ग्रामस्वराज और ई-पंचायत उपकरणों के माध्यम से डिजिटल शासन।
- पंचम (PANCHAM), पंचायतों के लिए 17 भाषाओं में व्हाट्सऐप-आधारित चैटबॉट।
- iGOT और सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्षमता निर्माण।
- ऑडिटऑनलाइन (AuditOnline) के साथ वित्त आयोग अनुदानों और स्वयं के राजस्व का पारदर्शी उपयोग।

चुनौतियाँ

- **3F।** पंचायतों को धन (funds), कार्यों (functions) और कर्मियों (functionaries) का हस्तांतरण राज्यों में असमान बना हुआ है; ग्यारहवीं अनुसूची के 29 विषयों में से कई अब भी संबंधित विभागों द्वारा ही चलाए जाते हैं।
- **स्वयं का राजस्व।** पंचायतें अपनी प्राप्तियों का केवल लगभग 1% अपने करों से जुटाती हैं (RBI अध्ययन, 2025), जिससे वे अनुदानों पर निर्भर रहती हैं।
- **कर्मचारी।** योजना कोई स्थायी पद सृजित नहीं करती; संविदा कर्मचारी स्थायी क्षमता का निर्माण नहीं कर सकते।

- **छद्म प्रतिनिधित्व।** कई स्थानों पर निर्वाचित महिला सदस्यों की जगह उनके पति या रिश्तेदार काम करते हैं ('प्रधान पति'), जिसे केवल प्रशिक्षण से ठीक नहीं किया जा सकता।

आगे की राह

- राज्यों द्वारा गतिविधि मानचित्रण (activity mapping), ताकि प्रत्येक स्तर को पता हो कि कौन-से कार्य उसके हैं।
- स्वयं का राजस्व बढ़ाने के लिए सरल डिजिटल उपकरणों के साथ संपत्ति कर और उपयोगकर्ता शुल्क सुधार।
- प्रदर्शन-आधारित अनुदान, जो लेखापरीक्षित खातों और सामाजिक लेखापरीक्षा के लिए पंचायतों को पुरस्कृत करें।
- छद्म प्रतिनिधित्व के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, जैसा 2025 में पंचायती राज मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने सिफ़ारिश की थी।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- 73वें संशोधन (1992) ने भाग IX (अनुच्छेद 243-243O) और 29 विषयों वाली ग्यारहवीं अनुसूची जोड़ी।
- अनुच्छेद 280(3)(bb) वित्त आयोग से पंचायतों की सहायता हेतु राज्य की संचित निधि बढ़ाने के उपायों की सिफ़ारिश करने को कहता है।
- राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल को मनाया जाता है, जिस दिन 73वाँ संशोधन लागू हुआ था (1993)।

12 | शासन GS 2

'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी: क्या नुकसान बैंक उठाएँ?

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: शासन, उपभोक्ता संरक्षण | GS3: साइबर सुरक्षा, बैंकिंग

संदर्भ

29 अक्टूबर 2026 को भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने 'डिजिटल अरेस्ट' घोटालों पर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि जहाँ धोखाधड़ी इसलिए सफल हुई क्योंकि बैंक ने उचित सावधानी (due diligence) नहीं बरती, वहाँ नुकसान पीड़ितों को नहीं उठाना चाहिए। न्यायालय ने बैंकों के दायित्व की जाँच करने का इरादा भी जताया। महान्यायवादी (Attorney General) ने न्यायालय को बताया कि भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के नए सुरक्षा उपाय दिसंबर 2026 तक लागू हो जाएँगे। न्यायालय के समक्ष मामलों में बताया गया नुकसान ₹800 करोड़ से अधिक है।

घोटाला कैसे काम करता है

ठग वीडियो कॉल पर पुलिस, CBI, सीमा शुल्क या न्यायालय के अधिकारी बनकर पीड़ित से कहते हैं कि कोई पार्सल या बैंक खाता किसी अपराध से जुड़ा है। वे व्यक्ति को घंटों या दिनों तक कैमरे पर 'गिरफ़्तार' रखते हैं और उससे उसकी बचत 'सत्यापन' खातों में भेजवाते हैं। ये कमज़ोर KYC से खोले गए म्यूल खाते (mule accounts) होते हैं। भारतीय क़ानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई चीज़ है ही नहीं।

मुख्य बिंदु

- **न्यायालय की टिप्पणियाँ:** न्यायालय ने इस घोटाले को 'डिजिटल डकैती' कहा; एक न्यायाधीश ने कहा कि जहाँ वित्तीय संस्थानों की चूक से धोखाधड़ी में मदद मिली, वहाँ उन्हें पीड़ितों की क्षतिपूर्ति करनी चाहिए।
- **पहले के कदम:** दिसंबर 2025 में अखिल भारतीय स्तर पर CBI जाँच का आदेश दिया गया; अगस्त 2026 में अंतरिम निर्देश जारी किए गए।
- **संबंधित निर्णय, 26 अक्टूबर:** सहकारी बैंक का सदस्य सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत वे अभिलेख प्राप्त कर सकता है जिन तक पहुँचने की क़ानूनी शक्ति रजिस्ट्रार के पास है (धारा 2(f))।

दायित्व पर बहस

बैंक के दायित्व के पक्ष में	पूर्ण दायित्व के विरोध में
KYC और लेन-देन की निगरानी बैंकों के नियंत्रण में है; म्यूल खाते इसलिए मौजूद हैं क्योंकि जाँच विफल रही।	कई अंतरण पीड़ित द्वारा 'अधिकृत' होते हैं; बैंक हर ग्राहक का मन नहीं पढ़ सकते।
दायित्व से बैंकों को धोखाधड़ी विश्लेषण (fraud analytics) और कूलिंग-ऑफ़ अवधि में निवेश का प्रोत्साहन मिलता है।	पूर्ण क्षतिपूर्ति से नैतिक जोखिम (moral hazard) पैदा हो सकता है और सभी ग्राहकों की लागत बढ़ सकती है।
RBI का 2017 का परिपत्र पहले से ही समय पर सूचित की गई तृतीय-पक्ष धोखाधड़ी में शून्य दायित्व (zero liability) देता है।	घोटाले की कॉल ले जाने वाली दूरसंचार कंपनियों और प्लेटफ़ॉर्मों के साथ साझा दायित्व अधिक न्यायसंगत हो सकता है।

आगे की राह

- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) और RBI के 'म्यूल-हंटर' उपकरणों के माध्यम से बैंकों के बीच म्यूल खातों के आँकड़ों का वास्तविक समय में साझाकरण।
- वरिष्ठ नागरिकों द्वारा पहली बार किए जाने वाले बड़े अंतरणों में देरी और अतिरिक्त जाँच।
- दूरसंचार स्तर पर नकली (spoofed) नंबरों को ब्लॉक करना और 1930 हेल्पलाइन के माध्यम से राशि को तुरंत फ़्रीज़ करना।
- जागरूकता अभियान: कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ़्तार नहीं करती।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है; साइबर धोखाधड़ी हेल्पलाइन 1930 है।
- भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318 के तहत छल (cheating) दंडनीय है।
- थलप्पलम सर्विस को-ऑप बैंक (2013) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सहकारी समितियाँ RTI अधिनियम के तहत 'लोक प्राधिकारी' नहीं हैं।

13 | सामाजिक न्याय GS 2

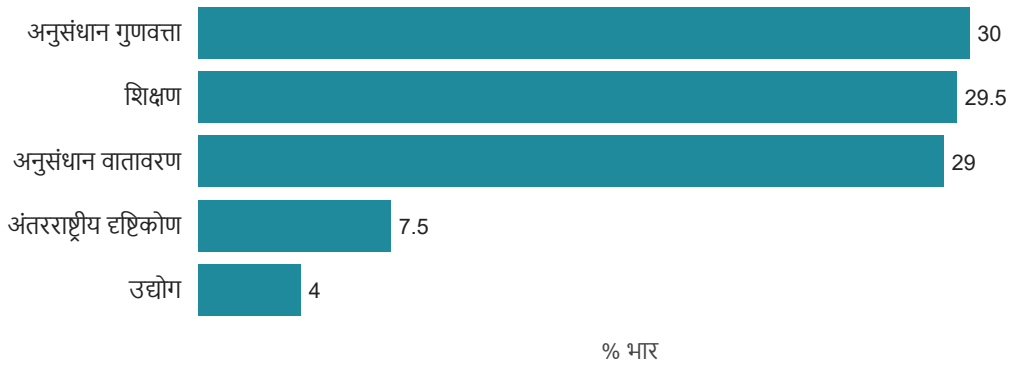
वैश्विक रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालय: नाम अधिक, शीर्ष पर कम

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: शिक्षा, मानव संसाधन विकास

संदर्भ

अक्टूबर 2026 की शुरुआत में जारी टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में 143 भारतीय संस्थानों को स्थान मिला, जो पहले 128 थे। इससे भारत सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला दूसरा देश बन गया। लेकिन केवल तीन भारतीय संस्थान शीर्ष 500 में आ सके, और सबसे अच्छा, IISc बेंगलुरु, संयुक्त रूप से 254वें स्थान पर रहा। ऑक्सफ़ोर्ड लगातार 11वें वर्ष शीर्ष पर रहा; सिंघुआ (11वाँ) एशिया का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय रहा।

THE रैंकिंग 2027: संकेतक समूहों का भार (%)



चार्ट. अनुसंधान से जुड़े समूहों का भार लगभग 60% है। स्रोत: THE वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 कार्यप्रणाली (जैसा बताया गया)

भारतीय विश्वविद्यालय पीछे क्यों हैं

- **अनुसंधान पर कम व्यय।** भारत अनुसंधान एवं विकास (R&D) पर GDP का लगभग 0.65% ख़र्च करता है; विश्वविद्यालयों को इसका छोटा हिस्सा मिलता है।
- **संकाय की कमी।** बड़ी संख्या में रिक्त पद और ऊँचा छात्र-शिक्षक अनुपात शिक्षण के अंकों को कम करते हैं।
- **अंतरराष्ट्रीयकरण की कमी।** विदेशी छात्र और शिक्षक बहुत कम हैं।
- **प्रतिष्ठा सर्वेक्षण।** रैंकिंग अकादमिक राय को भार देती है, जो पुराने पश्चिमी विश्वविद्यालयों के पक्ष में जाती है।

एक सावधानी

रैंकिंग अनुसंधान-प्रधान विश्वविद्यालयों को मापती है और संस्थानों को उद्धरणों (citations) के पीछे भागने के लिए प्रेरित कर सकती है। भारत का अपना राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ़्रेमवर्क (NIRF) आउटरीच और समावेशिता को भी जोड़ता है। लक्ष्य भारत की ज़रूरतों के अनुसार बेहतर शिक्षण

और अनुसंधान होना चाहिए; रैंकिंग एक संकेत भर हो, लक्ष्य नहीं।

आगे की राह

- अनुसंधान नेशनल रिसर्च फ़ाउंडेशन (2023) का उपयोग IIT के अलावा अन्य विश्वविद्यालयों के अनुसंधान के वित्तपोषण के लिए किया जाए।
- संकाय के पद भरे जाएँ और उद्योग तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के साथ संयुक्त नियुक्तियों की अनुमति दी जाए।
- विदेशी छात्रों के लिए वीज़ा और आवास आसान बनाए जाएँ; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के 2023 के नियमों के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसर मदद कर सकते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- NIRF की शुरुआत शिक्षा मंत्रालय ने 2015 में की थी।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का लक्ष्य 2035 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (GER) 50% करना है।
- उत्कृष्ट संस्थान (Institutions of Eminence) योजना 2017 से है।

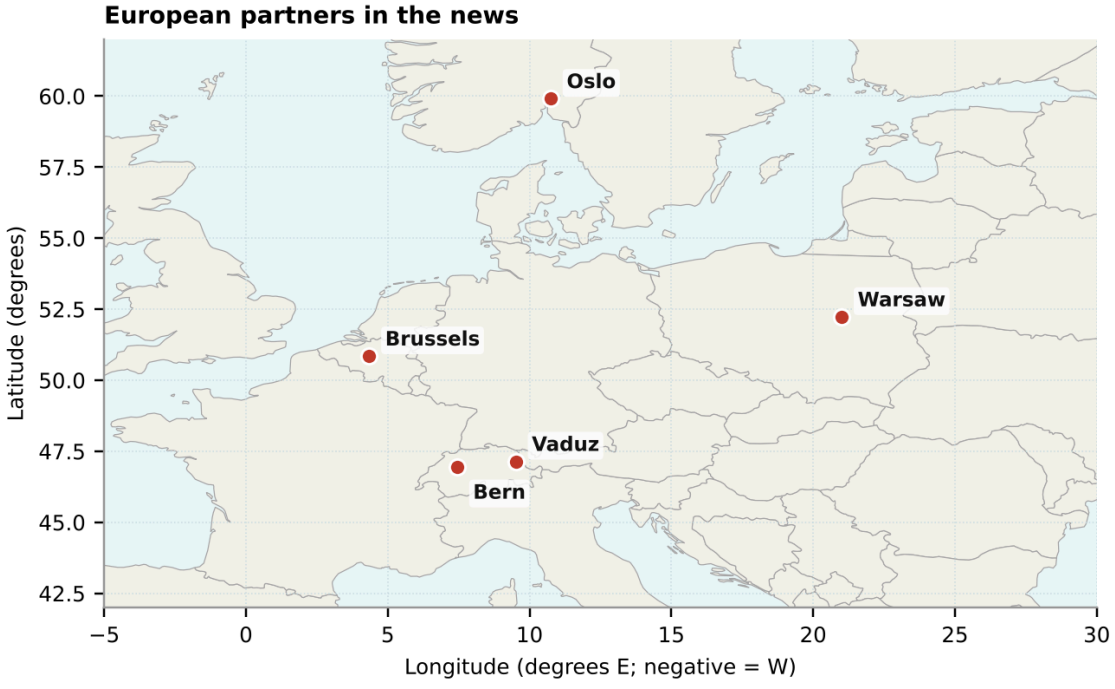
14 | अंतरराष्ट्रीय संबंध **GS 2**

यूरोप का रुख़ भारत की ओर: स्विट्ज़रलैंड, पोलैंड और लिकटेंस्टाइन के नेता दिल्ली में

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: भारत और उसके द्विपक्षीय/क्षेत्रीय संबंध, व्यापार समझौते

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में तीन यूरोपीय यात्राएँ हुईं, जिनसे पता चलता है कि यूरोप के साथ भारत के संबंध बातचीत से आगे बढ़कर व्यापार की ओर जा रहे हैं। स्विस राष्ट्रपति गी पार्मेलिन ने राजकीय यात्रा की (5 अक्टूबर को वार्ता; 7 अक्टूबर को दूसरा भारत-EFTA समृद्धि शिखर सम्मेलन), जो भारत-EFTA व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA) के एक वर्ष पूरे होने का अवसर था। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क लगभग 100 व्यापारिक नेताओं के साथ 21 अक्टूबर से भारत आए; दोनों पक्ष 2030 तक व्यापार दोगुना करने पर सहमत हुए। लिकटेंस्टाइन के वंशानुगत राजकुमार (Hereditary Prince) अलोइस ने 26-28 अक्टूबर को राजकीय यात्रा की। इस बीच जनवरी 2026 में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ (EU) मुक्त व्यापार समझौता (FTA) क़ानूनी जाँच (legal scrubbing) के चरण में पहुँच गया, और दिसंबर में इस पर हस्ताक्षर की उम्मीद है।



मानचित्र. EFTA के सदस्य: स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, लिकटेंस्टाइन। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के आँकड़ों के अनुसार।

मुख्य बिंदु

- **TEPA:** 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षरित; 1 अक्टूबर 2025 से लागू; EFTA का लक्ष्य 15 वर्षों में भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार है (यह एक लक्ष्य है, बाध्यकारी गारंटी नहीं)।
- **पोलैंड:** आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) में शामिल होने पर सहमति दी; उसे हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया; रक्षा-उद्योग और आतंकवाद-रोधी संवाद का प्रस्ताव रखा।
- **भारत-EU FTA:** 27 जनवरी 2026 को संपन्न; 2024-25 में वस्तु व्यापार 136.5 अरब अमेरिकी डॉलर; यूरोपीय आयोग ने अक्टूबर में पाठ को प्राधिकरण के लिए EU परिषद को भेजा।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **बाज़ारों का विविधीकरण।** अमेरिका के साथ समझौता अभी लंबित होने के कारण यूरोप भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए एक बड़ा, नियम-आधारित बाज़ार देता है।
- **निवेश और प्रौद्योगिकी।** EFTA की सटीक इंजीनियरिंग (precision engineering), फ़ार्मा और वित्त, तथा पोलैंड का रक्षा उद्योग 'मेक इन इंडिया' के अनुकूल हैं।
- **मध्य यूरोप।** पोलैंड मध्य और पूर्वी यूरोप का प्रवेश द्वार है और रूस तथा सुरक्षा के मुद्दों पर EU में एक प्रभावी आवाज़ है।

चुनौतियाँ

- EU का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) और वनों की कटाई से जुड़े नियम भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम और कृषि निर्यात को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर मतभेद।
- यूरोपीय संसद द्वारा EU FTA के अनुसमर्थन में समय लग सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- TEPA विकसित यूरोपीय देशों के किसी समूह के साथ भारत का पहला FTA है।
- लिकटेंस्टाइन दोहरा स्थलरुद्ध (doubly landlocked) देश है, जो स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच स्थित है।
- अगस्त 2024 में भारत-पोलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाया गया।

15 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

अटलांटा में क्वाड और G20 मंत्री: खनिज, AI और समुद्री मार्ग

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: भारत से जुड़े समूह और समझौते, हिंद-प्रशांत

संदर्भ

30-31 अक्टूबर 2026 को अटलांटा में अमेरिकी अध्यक्षता में G20 विदेश मंत्रियों की बैठक और क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। यूक्रेन, ईरान युद्ध और टैरिफ़ को लेकर मतभेदों के कारण G20 बैठक केवल अध्यक्ष के वक्तव्य (chair's statement) के साथ समाप्त हुई। क्वाड बैठक ने आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा पर संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

क्वाड: प्रमुख परिणाम

- **महत्वपूर्ण खनिज।** क्वाड महत्वपूर्ण खनिज पहल (मई 2026) के तहत काम, जिसमें ई-कचरे से खनिजों की पुनर्प्राप्ति पर ज़ोर है; अमेरिका ने भारत और आसियान (ASEAN) में पुनर्प्राप्ति अवसंरचना के लिए 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई।
- **प्रौद्योगिकी।** साझेदारों को उन्नत AI तक पहुँच के लिए 8.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक।
- **समुद्री।** 'क्वाड-एट-सी शिप ऑब्ज़र्वर मिशन' भारतीय तटरक्षक बल के जहाज़ पर चेन्नई से पर्थ तक गया (25 सितंबर-7 अक्टूबर); मंत्रियों ने समुद्र के क़ानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS) का हवाला देते हुए होर्मुज़, लाल सागर और बाब अल-मंदेब से गुज़रने पर टोल का विरोध किया।
- **आगे।** ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका नवंबर में एक भारतीय अभ्यास में पर्यवेक्षक भेजेंगे; पहले क्वाड बिज़नेस लीडर्स फ़ोरम की घोषणा की गई।

G20: बँटी हुई मेज़

- अध्यक्षता अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की; रूस के सर्गेई लावरोव शामिल हुए; समूह फ़ोटो रद्द कर दी गई।

- 2025 के अध्यक्ष दक्षिण अफ़्रीका को, अन्य देशों की आपत्तियों के बावजूद, मेज़बान अमेरिका ने आमंत्रित नहीं किया; पोलैंड अतिथि के रूप में शामिल हुआ।
- नेताओं का शिखर सम्मेलन दिसंबर 2026 में मियामी में प्रस्तावित है।

विश्लेषण

यह अंतर बहुत कुछ कहता है: समान सोच वाला एक छोटा समूह (क्वाड) अब भी व्यावहारिक परियोजनाएँ दे सकता है, जबकि एक बड़ा, विविध मंच (G20) शब्दों पर भी सहमति बनाने में संघर्ष करता है। भारत के लिए क्वाड का आपूर्ति-शृंखला और समुद्री कार्य उसके अपने लक्ष्यों में सहायक है, जबकि G20 ग्लोबल साउथ की आवाज़ उठाने का उपयोगी मंच बना हुआ है; भारत ने 2023 में अफ़्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनवाकर इसका नेतृत्व किया था।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- क्वाड के सदस्य: भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया; 2017 में पुनर्जीवित।
- G20 में 19 देश तथा यूरोपीय संघ और अफ़्रीकी संघ हैं; नेताओं के शिखर सम्मेलन 2008 में शुरू हुए।
- UNCLOS (1982) अंतरराष्ट्रीय नौवहन में प्रयुक्त जलडमरूमध्यों से पारगमन मार्ग (transit passage) की गारंटी देता है।

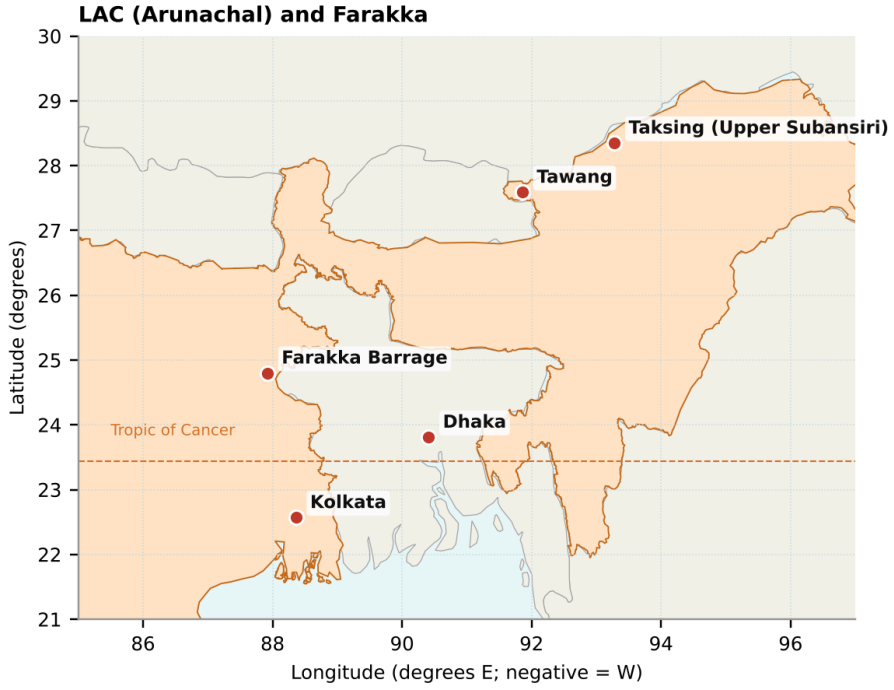
16 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

पड़ोस पर नज़र: LAC पर आमना-सामना और गंगा संधि की समय-सीमा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: भारत और उसका पड़ोस, जल-बँटवारा, सीमा प्रबंधन

संदर्भ

पड़ोस के दो मुद्दों पर नज़र रखने की ज़रूरत है। चीन के संबंध में, विदेश मंत्रालय (MEA) ने 23 अक्टूबर 2026 को कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर स्थिति 'समय-समय पर अशांत होती है' जब चीनी सैनिक स्थापित गश्त पैटर्न से हटते हैं; ITBP प्रमुख ने कई बिंदुओं पर आमने-सामने की घटनाओं की पुष्टि की। बांग्लादेश के संबंध में, 1996 की गंगा जल संधि 12 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है, और इसमें स्वतः नवीनीकरण का कोई प्रावधान नहीं है।



मानचित्र. स्थान अनुमानित। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के आँकड़ों के अनुसार।

1. भारत-चीन: गश्त और धैर्य

- **कहाँ।** ऊपरी सुबनसिरी ज़िले में ताकसिंग के पास के बिंदु, और असाफ़िला क्षेत्र, जहाँ जुलाई से आमने-सामने की घटनाएँ बताई गई हैं।

- **चीन का पक्ष।** चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिक नियमित गश्त पर थे और समझौतों का पालन करते हैं।
- **पृष्ठभूमि।** अक्टूबर 2024 की गश्त व्यवस्था में लद्दाख के देपसांग और डेमचोक शामिल थे; विशेष प्रतिनिधियों की बैठक अगस्त 2026 में बीजिंग में हुई, और दोनों नेता सितंबर में नई दिल्ली में ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन में मिले।

2. गंगा जल संधि

- **1996 की संधि** फ़रक्का पर शुष्क मौसम (1 जनवरी-31 मई) के प्रवाह को दस-दिवसीय अवधियों में बाँटती है; इसके सूत्र के अनुसार प्रवाह कम होने पर बारी-बारी की अवधियों में प्रत्येक पक्ष को कम से कम 35,000 क्यूसेक की गारंटी है।
- **बांग्लादेश की चिंता:** दक्षिण-पश्चिम में लवणता, और गोराई नदी के माध्यम से सुंदरबन का स्वास्थ्य; उसने 2.8 अरब अमेरिकी डॉलर के पद्मा बैराज को मंज़ूरी दी है।
- **भारत का पक्ष:** नदी से जुड़े मुद्दे संयुक्त नदी आयोग (JRC) के माध्यम से सुलझाए जाने चाहिए, जिसने मई 2026 में तकनीकी वार्ता की।
- **जुड़े मुद्दे:** 2011 से अटका तीस्ता समझौता, और पश्चिम बंगाल की अपनी जल आवश्यकताएँ।

आगे की राह

- नई संधि पर बातचीत के दौरान गंगा संधि का अल्पकालिक विस्तार, साथ में संयुक्त प्रवाह मापन और जलवायु आँकड़े।
- बेसिन-स्तरीय योजना, जिसमें ऊपरी भंडारण के लिए नेपाल को भी शामिल किया जाए।
- LAC पर: सभी स्तरों पर बातचीत जारी रखना, सीमा अवसंरचना (वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम-II) पूरी करना, और हॉटलाइन के ज़रिए अप्रत्याशित घटनाओं से बचना।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- फ़रक्का बैराज (1975 में चालू) कोलकाता बंदरगाह को नौगम्य बनाए रखने के लिए एक फ़ीडर नहर के माध्यम से भागीरथी-हुगली में पानी मोड़ता है।
- भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग की स्थापना 1972 में हुई थी।
- चीन अरुणाचल प्रदेश को 'ज़ांगनान' कहता है; भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि तंत्र 2003 से है।

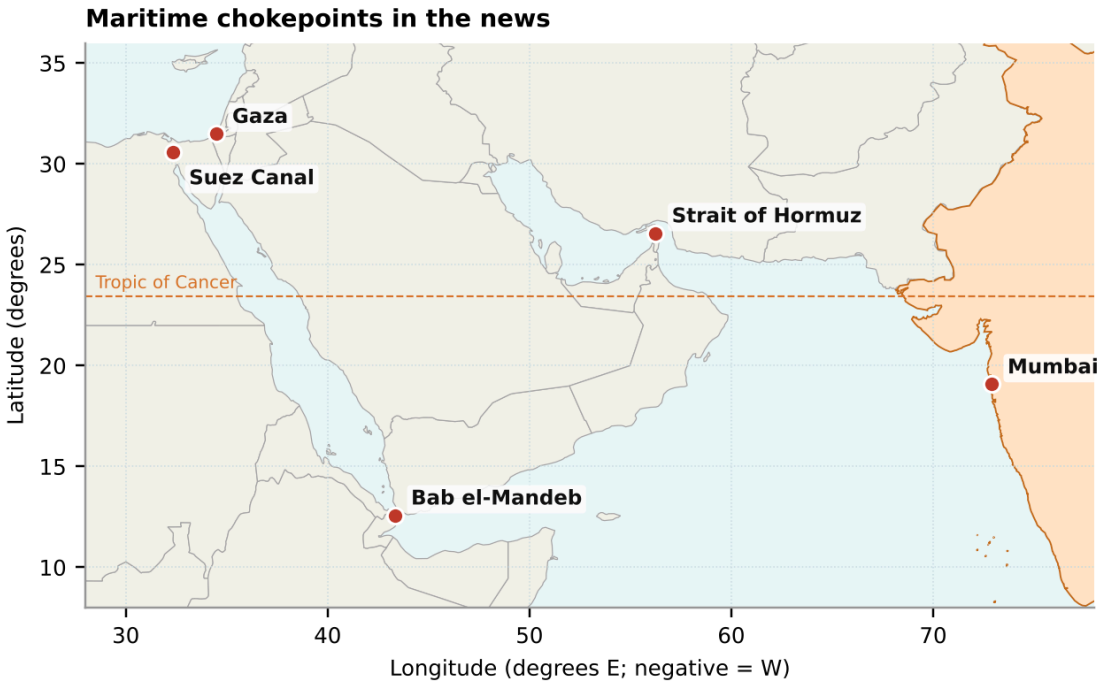
17 | अंतरराष्ट्रीय संबंध GS 2

होर्मुज़ में आग: पश्चिम एशिया का युद्ध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS2: अन्य देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव, प्रवासी भारतीय | GS3: ऊर्जा सुरक्षा

संदर्भ

28 फ़रवरी 2026 को शुरू हुआ ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल का युद्ध अक्टूबर में भी होर्मुज़ जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करता रहा। अक्टूबर के मध्य में जहाज़ों पर हमले युद्ध के अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गए; UK मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस केंद्र ने एक सप्ताह में कम से कम 12 घटनाएँ दर्ज कीं। जलडमरूमध्य से तेल प्रवाह युद्ध-पूर्व स्तर के लगभग दो-तिहाई पर आ गया, और ब्रेंट क्रूड लगभग 110 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुँचा। गाज़ा में अक्टूबर 2025 के युद्धविराम की पहली वर्षगाँठ जारी हिंसा और धीमे पुनर्निर्माण के बीच आई।



मानचित्र. 2026 में खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नौसेना के अनुरक्षण (escort) अभियान चले हैं। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के आँकड़ों के अनुसार।

मुख्य बिंदु

- **भारत की तेल आयात लागत:** भारतीय क्रूड बास्केट का औसत सितंबर 2026 में 116.1 अमेरिकी डॉलर/बैरल रहा, जबकि जुलाई में यह 82 डॉलर था; यह RBI द्वारा दरें बढ़ाने का एक कारण है (अर्थव्यवस्था खंड देखें)।
- **नौवहन:** नौसेना ने ऑपरेशन संकल्प के तहत भारतीय ध्वज वाले जहाज़ों को अनुरक्षण दिया है; इस वर्ष हमलों में भारतीय नाविक मारे गए हैं।
- **गाज़ा:** युद्धविराम के एक वर्ष बाद भी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात नहीं हुआ है, और पुनर्निर्माण के लिए वादा की गई राशि ज़रूरतों का केवल एक छोटा हिस्सा है (जैसा बताया गया)।

भारत पर प्रभाव

- **कीमतें।** ईंधन और उर्वरक की ऊँची लागत ने सितंबर में थोक मुद्रास्फीति को 11.39% पर पहुँचा दिया।
- **रुपया और भंडार।** अक्टूबर में रुपया कमज़ोर होकर डॉलर के मुक़ाबले 96 के पार चला गया; विदेशी मुद्रा भंडार लगातार सात सप्ताह घटा।
- **प्रवासी और प्रेषण।** लगभग 90 लाख भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं; उनकी सुरक्षा और प्रेषण (remittances) शांति पर निर्भर हैं।
- **संपर्क परियोजनाएँ।** भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) और चाबहार बंदरगाह की योजनाएँ व्यवहार में रुकी हुई हैं।

भारत के विकल्प

- कच्चे तेल के स्रोतों का विविधीकरण (अमेरिका, लैटिन अमेरिका, अफ़्रीका, रूस) और क़ीमतें गिरने पर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भरना।
- समय के साथ तेल पर निर्भरता घटाने के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन सम्मिश्रण में तेज़ी।
- सभी पक्षों के साथ संतुलित संबंध रखना, UNCLOS-आधारित नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करना, और निकासी योजनाएँ तैयार रखना।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- होर्मुज़ जलडमरूमध्य फ़ारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ता है; बाब अल-मंदेब लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है।
- भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में हैं, जिनका संचालन ISPRL करता है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 (नवंबर 2025) ने गाज़ा योजना और उसके 'बोर्ड ऑफ़ पीस' का समर्थन किया।

18 | अर्थव्यवस्था GS 3

RBI का सख़्त रुख़: 2023 के बाद रेपो दर में पहली वृद्धि

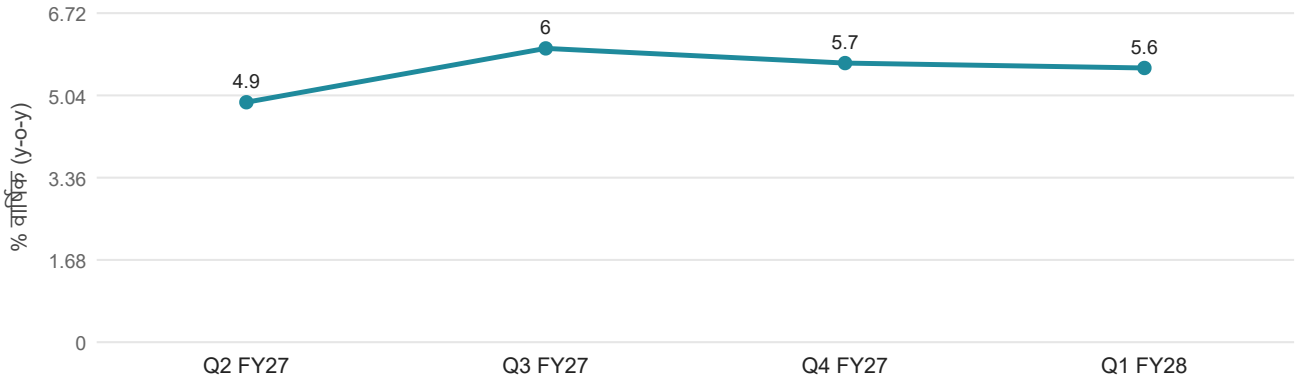
पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: मौद्रिक नीति, मुद्रास्फीति, संवृद्धि | प्रारंभिक परीक्षा: नीतिगत दरें, MPC

संदर्भ

7 अक्टूबर 2026 को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो दर 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50% कर दी। फ़रवरी 2023 के बाद यह पहली वृद्धि है। समिति ने अपना रुख़ 'तटस्थ' से बदलकर 'संतुलित सख़्ती' (calibrated tightening) कर दिया। दर पर मतदान 6-0 रहा; रुख़ में बदलाव 4-2 से पारित हुआ। RBI ने पश्चिम एशिया युद्ध से बढ़ी तेल क़ीमतों, कमज़ोर मानसून और उपभोक्ता बास्केट में फैलती मुद्रास्फीति का हवाला दिया।

दर	पहले	7 अक्टूबर 2026 के बाद
रेपो दर	5.25%	5.50%
स्थायी जमा सुविधा (SDF)	5.00%	5.25%
सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) और बैंक दर	5.50%	5.75%
CRR / SLR	4.50% / 18%	अपरिवर्तित

RBI के तिमाही CPI मुद्रास्फीति अनुमान (%)



चार्ट. मुद्रास्फीति अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में चरम पर रहने की संभावना है। स्रोत: RBI MPC वक्तव्य, 7 अक्टूबर 2026 (जैसा बताया गया)

मुख्य बिंदु

- **FY27 के अनुमान:** GDP संवृद्धि 7.1%; CPI मुद्रास्फीति 5.2%।
- **कारण:** सितंबर में भारतीय क्रूड बास्केट 116.1 अमेरिकी डॉलर/बैरल (जुलाई में 82 डॉलर); मानसून सामान्य से 13% कम; CPI बास्केट का वह हिस्सा जिसमें मुद्रास्फीति 4% से ऊपर है, मार्च के 20% से बढ़कर अगस्त में 37% हो गया।

विश्लेषण

- **आपूर्ति आघात की दुविधा।** दरें बढ़ाकर न तो तेल की वैश्विक क़ीमत घटाई जा सकती है और न ही अधिक प्याज़ उगाया जा सकता है। इनका उद्देश्य ऊँची क़ीमतों को मज़दूरी और अपेक्षाओं में फैलने से रोकना है ('द्वितीयक प्रभाव' / second-round effects)।
- **संवृद्धि की क़ीमत।** बैंक ऋण 18% से अधिक की दर से बढ़ रहा था; धीमा ऋण माँग को ठंडा करेगा, पर छोटे उद्यमों को नुकसान पहुँचा सकता है।
- **असहमति।** दो बाहरी सदस्य रुख़ को तटस्थ रखना चाहते थे; यह इस मत को दर्शाता है कि तेल की क़ीमत के साथ यह आघात भी कम हो सकता है।

क्या आप जानते हैं?

लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्य (4% CPI, 2-6% के दायरे के साथ) केंद्र सरकार RBI अधिनियम की धारा 45ZA के तहत हर पाँच वर्ष में तय करती है। यदि मुद्रास्फीति लगातार तीन तिमाहियों तक इस दायरे से बाहर रहे, तो RBI को सरकार को पत्र लिखकर इसका कारण बताना होता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- MPC एक वैधानिक निकाय है (RBI अधिनियम, धारा 45ZB, 2016 का संशोधन): इसमें गवर्नर सहित RBI के तीन सदस्य और केंद्र द्वारा नियुक्त तीन बाहरी सदस्य होते हैं; गवर्नर के पास निर्णायक मत (casting vote) होता है।
- SDF (अप्रैल 2022 में शुरू) तरलता गलियारे (liquidity corridor) का निचला स्तर है और इसके लिए किसी संपार्श्विक (collateral) की ज़रूरत नहीं होती; MSF ऊपरी सीमा है।
- एक आधार अंक (basis point) एक प्रतिशत अंक का सौवाँ भाग है।

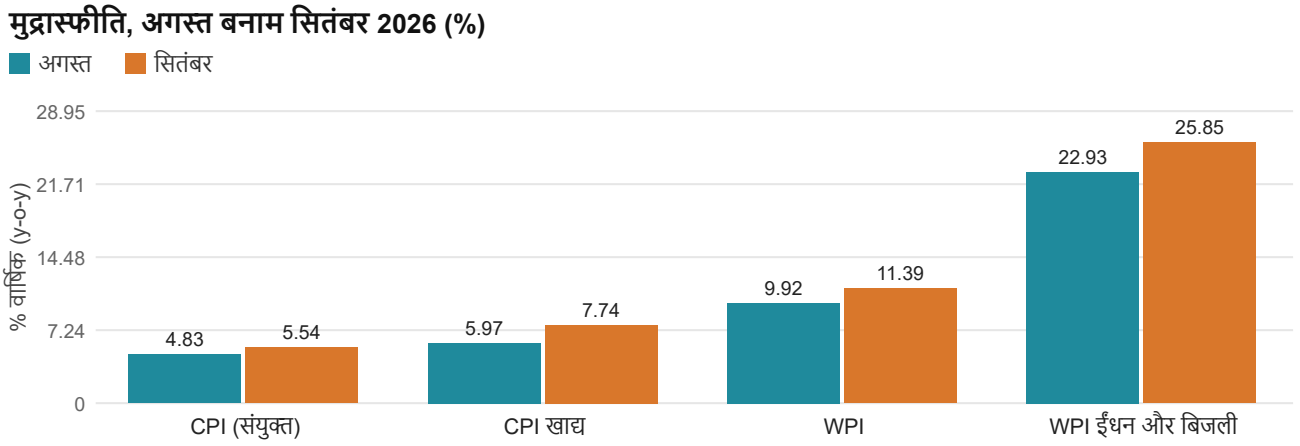
19 | अर्थव्यवस्था GS 3

मुद्रास्फीति की वापसी: CPI 5.54%, WPI दोहरे अंक में

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: मुद्रास्फीति, खाद्य क़ीमतें, सूचकांक संख्याएँ

संदर्भ

अक्टूबर 2026 के मध्य में जारी आँकड़ों ने क़ीमतों में तेज़ वृद्धि की पुष्टि की। खुदरा मुद्रास्फीति (CPI, नया आधार 2024=100) अगस्त के 4.83% से बढ़कर सितंबर में 5.54% हो गई; खाद्य मुद्रास्फीति 7.74% तक पहुँच गई। थोक मुद्रास्फीति (WPI) 9.92% से उछलकर 11.39% हो गई, जिसमें सबसे आगे ईंधन और बिजली (25.85%) रहे।



चार्ट. ईंधन और धातुओं के कारण WPI, CPI की तुलना में कहीं तेज़ी से बढ़ रहा है। स्रोत: MoSPI (12 अक्टूबर 2026) और DPIIT का आर्थिक सलाहकार कार्यालय (14 अक्टूबर 2026), PIB के माध्यम से

मुख्य बिंदु

- **ग्रामीण बनाम शहरी CPI:** 6.08% बनाम 4.88%।
- **सबसे अधिक वृद्धि:** प्याज़ (+108%), अदरक, लहसुन; चाँदी के आभूषण भी तेज़ी से महँगे हुए। आलू और टमाटर की क़ीमतें घटीं।
- **राज्य:** सबसे अधिक पुदुचेरी (6.86%), तमिलनाडु और ओडिशा में; सबसे कम मिज़ोरम (2.85%) में।

WPI और CPI में अंतर क्यों?

WPI थोक बिक्री के पहले बिंदु पर क़ीमतों को मापता है और ईंधन, धातुओं तथा विनिर्मित आगतों (inputs) को अधिक भार देता है। CPI वह मापता है जो परिवार चुकाते हैं, और खाद्य तथा किराए सहित सेवाओं को बड़ा भार देता है। इसलिए युद्ध से पैदा हुआ तेल आघात सबसे पहले और सबसे तेज़ी से WPI में दिखता है; CPI तक यह बाद में परिवहन लागत और तैयार वस्तुओं के माध्यम से पहुँचता है। आज का ऊँचा WPI आने वाले महीनों में ऊँचे CPI की चेतावनी है, और इसीलिए RBI का अनुमान तीसरी तिमाही में चरम पर है।

शीर्ष (हेडलाइन) मुद्रास्फीति	खाद्य और ईंधन सहित समग्र CPI में परिवर्तन।
कोर मुद्रास्फीति	अस्थिर खाद्य और ईंधन को छोड़कर मुद्रास्फीति; यह अंतर्निहित माँग के दबाव को दर्शाती है।
आधार प्रभाव (Base effect)	एक वर्ष पहले का निम्न मूल्य स्तर इस वर्ष की मुद्रास्फीति दर को अधिक दिखाता है, और इसका उलटा भी।

आगे की राह

- बफ़र स्टॉक से गेहूँ और दालों की खुले बाज़ार में बिक्री; प्याज़ बफ़र को जारी करना।

- यदि राजकोषीय गुंजाइश हो तो तेल आघात का कुछ हिस्सा सोखने के लिए ईंधन पर उत्पाद शुल्क में समायोजन।
- दीर्घकाल में: शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओं की मौसमी मूल्य वृद्धि घटाने के लिए शीत भंडारण और खाद्य प्रसंस्करण।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CPI का संकलन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO, MoSPI) करता है; नई शृंखला का आधार वर्ष 2024 है।
- WPI का संकलन DPIIT का आर्थिक सलाहकार कार्यालय करता है; इसका नया आधार 2022-23 है।
- RBI शीर्ष CPI (संयुक्त) को लक्ष्य बनाता है, WPI को नहीं।

20 | अर्थव्यवस्था GS 3

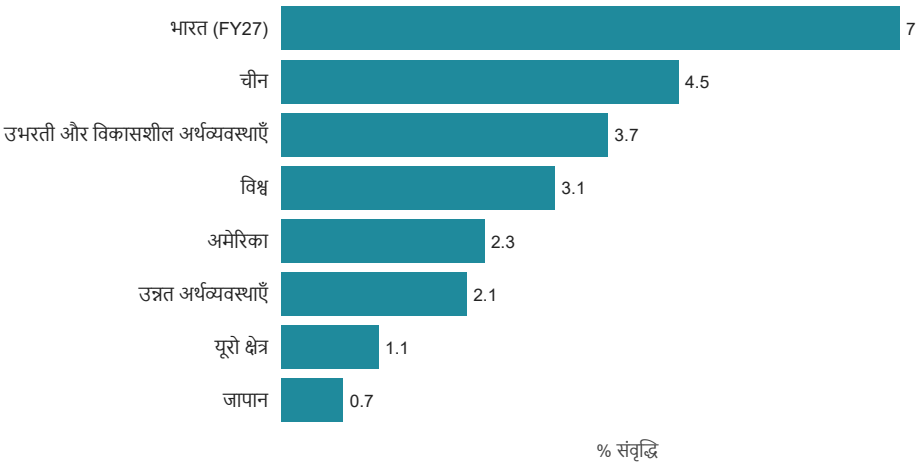
IMF और विश्व बैंक: भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: संवृद्धि, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, वैश्विक अर्थव्यवस्था

संदर्भ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के 13 अक्टूबर 2026 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (WEO) ने FY27 के लिए भारत की संवृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.0% कर दिया, जबकि 2026 में विश्व संवृद्धि 3.1% रहने का अनुमान लगाया। एक सप्ताह पहले, 6 अक्टूबर को, विश्व बैंक के 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' ने FY27 की संवृद्धि 7.1% आँकी और दक्षिण एशिया को 6.9% के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ता क्षेत्र बताया। IMF और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकें 12-18 अक्टूबर को बैंकॉक में हुईं।

IMF WEO अक्टूबर 2026: 2026 के लिए संवृद्धि अनुमान (%)



चार्ट. भारत का आँकड़ा वित्त वर्ष अप्रैल 2026-मार्च 2027 का है। स्रोत: IMF वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, अक्टूबर 2026 (जैसा बताया गया)

मुख्य बिंदु

- **IMF की मान्यताएँ:** 2026 में तेल लगभग 96 अमेरिकी डॉलर/बैरल; 2026 में विश्व मुद्रास्फीति 4.7%; आधार परिदृश्य मानता है कि होर्मुज़ से नौवहन 2027 में सामान्य हो जाएगा।
- **विश्व बैंक की थीम:** 'भारत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता'; भारत में निजी AI निवेश 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर (2024) से बढ़कर 4.1 अरब अमेरिकी डॉलर (2025) हो गया।
- **बताए गए जोखिम:** तेल की क़ीमतें, अल नीनो, अस्थिर पूँजी प्रवाह, वैश्विक टैरिफ़।

विश्लेषण

- **घरेलू माँग।** सार्वजनिक पूँजीगत व्यय, सेवा निर्यात और मज़बूत उपभोग वैश्विक निराशा के बावजूद भारत को आगे रखते हैं।
- **संवृद्धि की गुणवत्ता।** रोज़गार, विशेषकर महिलाओं और युवाओं के लिए, तथा GDP में विनिर्माण का हिस्सा अब भी कमज़ोर पक्ष हैं।
- **बाहरी आघात।** होर्मुज़ में लंबा व्यवधान चालू खाता घाटा बढ़ाएगा और मुद्रास्फीति बढ़ाएगा, जिससे ये अनुमान कसौटी पर होंगे।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- WEO वर्ष में दो बार (अप्रैल और अक्टूबर) प्रकाशित होता है, और जनवरी तथा जुलाई में इसके अद्यतन आते हैं।
- IMF और विश्व बैंक की स्थापना 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में हुई; दोनों का मुख्यालय वाशिंगटन डीसी में है।
- IMF भारत की संवृद्धि वित्त वर्ष के आधार पर बताता है।

21 | अर्थव्यवस्था GS 3

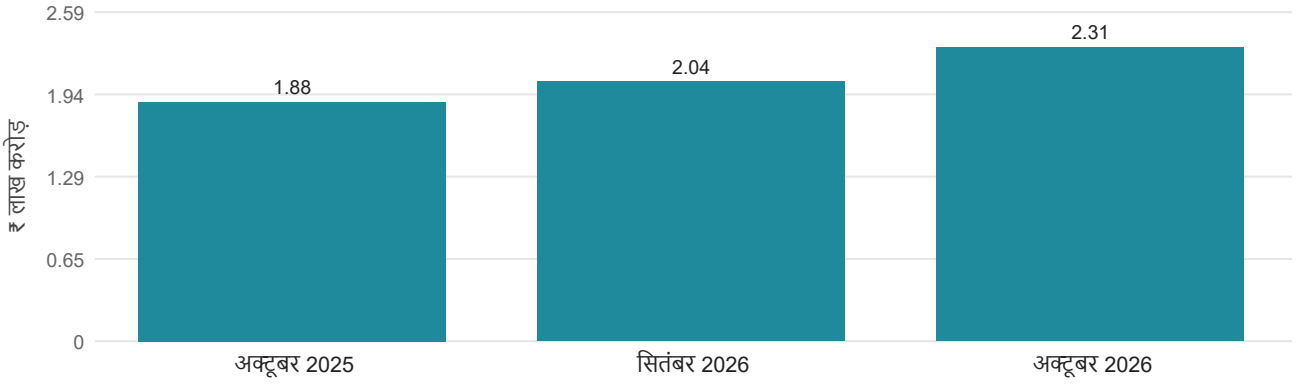
बाहरी दबाव: रुपया, विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार और सार्वजनिक वित्त

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: भुगतान संतुलन, विनिमय दर, राजकोषीय नीति, GST

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में मिले-जुले संकेत मिले। 7 अक्टूबर को रुपया डॉलर के मुक़ाबले लगभग 96.8 तक गिरा, फिर 30 अक्टूबर तक सुधरकर 94.93 पर आ गया। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार सात सप्ताह घटकर 719.75 अरब अमेरिकी डॉलर (23 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह) रह गया, जो सितंबर की शुरुआत में 785.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। फिर भी सितंबर में निर्यात 23% बढ़कर 44.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, और अक्टूबर में सकल GST संग्रह रिकॉर्ड ₹2.31 लाख करोड़ रहा।

सकल GST संग्रह (₹ लाख करोड़)



चार्ट. अक्टूबर 2026 में संग्रह वर्ष-दर-वर्ष 22.9% अधिक रहा; इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा आयात से आया। स्रोत: 1 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को जारी GST आँकड़े (जैसा बताया गया)

मुख्य आँकड़े

- **व्यापार (सितंबर):** निर्यात 44.4 अरब अमेरिकी डॉलर; आयात 74.6 अरब डॉलर; वस्तु व्यापार घाटा 30.2 अरब डॉलर।
- **राजकोषीय (अप्रैल-सितंबर):** राजकोषीय घाटा ₹7.14 लाख करोड़, जो वर्ष के लक्ष्य का 42.1% है; पूँजीगत व्यय बजट का 53.6%।
- **उद्योग:** सितंबर में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में 6.7% वृद्धि; आठ प्रमुख उद्योगों में 7.9% वृद्धि।
- **भंडार (23 अक्टूबर):** विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ 593.2 अरब अमेरिकी डॉलर; स्वर्ण 103.2 अरब डॉलर।

संकेतों को समझना

- **रुपया क्यों गिरा।** तेल का बढ़ा बिल डॉलर की माँग बढ़ाता है; युद्ध के समय निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर जाते हैं।
- **भंडार क्यों घटा।** तेज़ उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए RBI डॉलर बेचता है; मूल्यांकन परिवर्तन (मज़बूत डॉलर रखी गई अन्य मुद्राओं का डॉलर मूल्य घटा देता है) की भी भूमिका होती है।
- **GST की मज़बूती।** इस उछाल का एक हिस्सा आयात के ऊँचे मूल्य को दर्शाता है (आयात पर IGST 42% बढ़ा), इसलिए यह पूरी तरह मज़बूत माँग का संकेत नहीं है।

REER	वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (Real Effective Exchange Rate): व्यापारिक साझेदारों की मुद्राओं की टोकरी के मुक़ाबले रुपये का मूल्य, मुद्रास्फीति के लिए समायोजित। गवर्नर ने कहा कि इस माप पर रुपया अवमूल्यित (undervalued) हो सकता है।

राजकोषीय घाटा	कुल व्यय में से उधारी को छोड़कर कुल प्राप्तियाँ घटाने पर बची राशि।
FCNR(B)	विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा: अनिवासी भारतीयों (NRI) द्वारा विदेशी मुद्रा में जमा, जिनका उपयोग डॉलर अंतर्वाह आकर्षित करने के लिए होता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के चार भाग हैं: विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (SDR) और IMF के पास आरक्षित किश्त स्थिति (reserve tranche position)।
- GST 1 जुलाई 2017 से लागू हुआ (101वाँ संशोधन); GST परिषद अनुच्छेद 279A के तहत है।
- व्यय विभाग के अंतर्गत लेखा महानियंत्रक (CGA) मासिक राजकोषीय आँकड़े प्रकाशित करता है।

22 | अर्थव्यवस्था GS 3

सुधार के कदम: IDBI बैंक की बिक्री और नई विनिर्माण योजनाएँ

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: विनिवेश, औद्योगिक नीति, अवसंरचना

संदर्भ

14 अक्टूबर 2026 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने IDBI बैंक की 60.72% हिस्सेदारी कनाडा की फ़ेयरफ़ैक्स फ़ाइनेंशियल होल्डिंग्स की एक सहायक कंपनी को ₹52,878 करोड़ (₹81 प्रति शेयर) में बेचने को मंज़ूरी दी। महीने के दौरान मंत्रिमंडल के अन्य निर्णयों में ₹10,000 करोड़ की कंटेनर विनिर्माण संवर्धन योजना, ₹10,000 करोड़ का SME ग्रोथ फ़ंड और एक एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण शामिल थे; ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण III को महीने की शुरुआत में मंज़ूरी दी गई।

निर्णय	तिथि	मुख्य विवरण
IDBI बैंक की रणनीतिक बिक्री	14 अक्टूबर	सरकार 30.48% बेचेगी (15% अपने पास रखेगी), LIC 30.24% बेचेगी (19% रखेगी); RBI की 'फ़िट एंड प्रॉपर' मंज़ूरी आवश्यक
कंटेनर विनिर्माण संवर्धन योजना	28 अक्टूबर	वित्त वर्ष 2039-40 तक ₹10,000 करोड़; 7.5 लाख TEU क्षमता का लक्ष्य; स्थानीय सामग्री 70%, जो बढ़कर 90% होगी
SME ग्रोथ फ़ंड	6 अक्टूबर	लघु और मध्यम विनिर्माताओं में इक्विटी के लिए वैकल्पिक निवेश कोष (AIF) के रूप में ₹10,000 करोड़
एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण	6 अक्टूबर	10 वर्ष से अधिक अवधि का राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान तैयार करने और ₹500 करोड़ या उससे अधिक की परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (SPV)
ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण III	30 सितंबर/1 अक्टूबर	135 GW नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए पारेषण और भंडारण; 50 GWh बैटरी भंडारण; 2032-33 तक

IDBI बिक्री: यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **निजीकरण का संकेत।** सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर 2021 की नीति के बाद, दशकों में किसी बैंक की पहली पूर्ण रणनीतिक बिक्री।
- **विदेशी निवेश।** इसे भारत के वित्तीय क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) बताया गया है।
- **चिंताएँ।** आलोचक मूल्यांकन और विदेशी स्वामी की भूमिका पर सवाल उठाते हैं; समर्थक प्रतिस्पर्धी बोली तथा बैंक की पूँजी और प्रबंधन की ज़रूरत की ओर ध्यान दिलाते हैं।

कंटेनर: इन्हें देश में क्यों बनाएँ?

महामारी के दौरान कंटेनरों की कमी से माल भाड़ा तेज़ी से बढ़ा, और लगभग सभी कंटेनर चीन में बनते हैं। घरेलू विनिर्माण इस निर्भरता को घटाता है, इस्पात उद्योग को सहारा देता है और सागरमाला तथा समुद्री लक्ष्यों में मदद करता है। जोखिम ऊँची लागत का है; योजना की ब्याज सहायता (interest subvention) और परिचालन सहायता क़ीमत के इस अंतर को पाटने का प्रयास करती हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- वित्त मंत्रालय का निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) विनिवेश का काम देखता है।
- LIC द्वारा बहुमत हिस्सेदारी लेने के बाद 2019 में IDBI बैंक को निजी क्षेत्र के बैंक के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया।
- TEU (ट्वेंटी-फ़ुट इक्विवेलेंट यूनिट) कंटेनर क्षमता की मानक इकाई है।

🌱 23 | कृषि GS 3

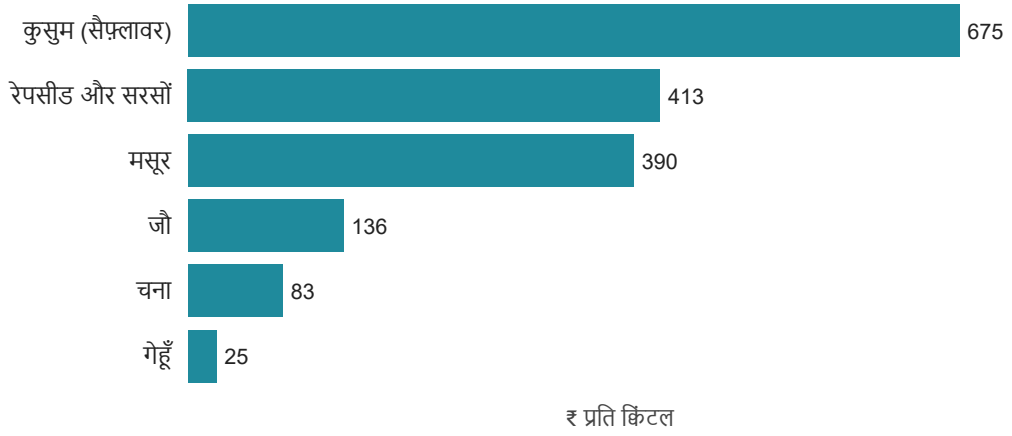
रबी MSP 2027-28 और दबाव में खरीफ़

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: MSP, कृषि मूल्य निर्धारण, खाद्य सुरक्षा, बफ़र स्टॉक

संदर्भ

सितंबर के अंत और अक्टूबर 2026 की शुरुआत में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने विपणन सत्र 2027-28 के लिए रबी फ़सलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की घोषणा की। गेहूँ में केवल ₹25 की वृद्धि हुई और यह ₹2,610 प्रति क्विंटल (1% से कम) हो गया, जबकि कुसुम (सैफ़्लावर) को सबसे अधिक वृद्धि (₹675) मिली। यह घोषणा ऐसे समय आई जब कमज़ोर मानसून से खरीफ़ की पैदावार पर ख़तरा था।

रबी MSP 2027-28: पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि (₹ प्रति क्विंटल)



चार्ट. नए MSP: गेहूँ 2,610; जौ 2,286; चना 5,958; मसूर 7,390; सरसों 6,613; कुसुम 7,215। स्रोत: CCEA निर्णय (जैसा बताया गया)

मुख्य बिंदु

- **लागत पर प्रतिफल:** A2+FL लागत से ऊपर गेहूँ 106%, सरसों 96%, मसूर 92%, चना 59%, जौ 58%, कुसुम 50%।
- **खरीफ़:** बुवाई क्षेत्र लगभग 1% कम; बाढ़ और सूखा प्रभावित इलाक़ों में फ़सल हानि; निजी अनुमानों के अनुसार खेत फ़सलों की पैदावार 5-6% कम।
- **बफ़र स्टॉक:** 1 सितंबर को केंद्रीय पूल में 870 लाख टन गेहूँ और चावल, जो 1 अक्टूबर के मानक का लगभग 2.8 गुना है।
- **प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना:** 11 अक्टूबर को एक वर्ष पूरा किया; 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं के अभिसरण से 100 कम उत्पादकता वाले ज़िलों को कवर करती है।

विश्लेषण: MSP में छिपे संकेत

- **विविधीकरण।** तिलहन और दालों के लिए अधिक वृद्धि का उद्देश्य खाद्य तेल और दालों का आयात घटाना और किसानों को अधिक पानी लेने वाले गेहूँ-धान चक्र से दूर ले जाना है।
- **गेहूँ में संयम।** गेहूँ के बड़े भंडार के कारण कम वृद्धि से ख़रीद लागत और खाद्य मुद्रास्फीति सीमित रहती है; किसान संगठन बढ़ती लागत को देखते हुए इसे बहुत कम बताते हैं।
- **ख़रीद की पहुँच।** MSP वहीं मायने रखता है जहाँ ख़रीद होती है; दालों और तिलहन के लिए PM-AASHA के तहत ख़रीद सीमित है।

आगे की राह

- घाटे वाले राज्यों में तिलहन और दालों के लिए सुनिश्चित ख़रीद या मूल्य-अंतर भुगतान।
- मानसून प्रभावित ज़िलों में फ़सल बीमा दावों का शीघ्र निपटान।
- अतिरिक्त अनाज भंडार का उपयोग क़ीमतें कम करने के लिए खुले बाज़ार में बिक्री में और सीमा के भीतर एथेनॉल के लिए।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- 1965 में स्थापित कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) 22 फ़सलों के लिए MSP और गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) की सिफ़ारिश करता है।
- 2018-19 से MSP को A2+FL लागत (वास्तविक भुगतान की गई लागत और पारिवारिक श्रम का आरोपित मूल्य) के कम से कम 1.5 गुना पर तय किया जाता है।
- केंद्रीय पूल के बफ़र मानक 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर के लिए तय होते हैं।

24 | पर्यावरण GS 3

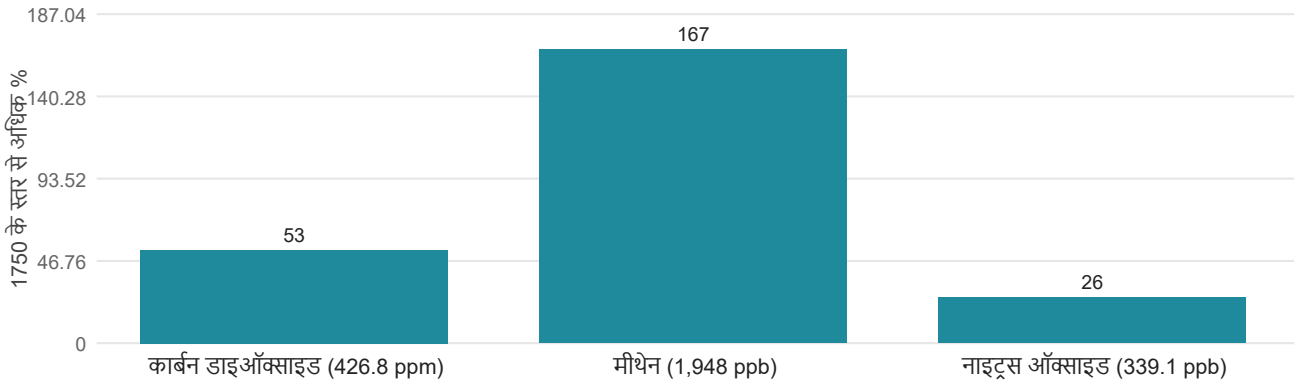
उत्सर्जन अंतराल और रिकॉर्ड ग्रीनहाउस गैसें: 1.5°C का लक्ष्य फिसलता हुआ

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संबंधी रिपोर्टें, अंतरराष्ट्रीय समझौते

संदर्भ

अक्टूबर 2026 के अंत में आई संयुक्त राष्ट्र की दो रिपोर्टों ने अंताल्या में होने वाले COP31 (9-20 नवंबर) की पृष्ठभूमि तैयार की। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2026 (21 अक्टूबर) ने कहा कि 1.5°C से अधिक तापन अब लगभग अपरिहार्य है और वर्तमान नीतियाँ 2100 तक लगभग 2.8°C की ओर ले जाती हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन (संख्या 22, अक्टूबर के अंत में) ने 2025 में तीनों प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों की रिकॉर्ड सांद्रता दर्ज की।

1750 के बाद से ग्रीनहाउस गैस सांद्रता में वृद्धि (%), 2025



चार्ट. सापेक्ष रूप से मीथेन सबसे तेज़ी से बढ़ी है। स्रोत: WMO ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन संख्या 22

मुख्य बिंदु

- **उत्सर्जन:** 2025 में लगभग 58.4 $GtCO_2e$।
- **आवश्यक कटौती:** 1.5°C मार्ग के लिए 2025 के स्तर की तुलना में 2030 तक 18%, 2035 तक 45% और 2040 तक 69%।
- **भारत:** अपने 2030 और 2035 के NDC लक्ष्य पूरे करने की राह पर; 2035 में अनुमानित प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 3.6 tCO_2e, जो चीन (9.3) और रूस (11.5) से बहुत कम है।
- **अच्छी ख़बर:** नवीकरणीय क्षमता पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर के समय की अपेक्षा से कहीं अधिक तेज़ी से बढ़ी है।

भारत का 2035 NDC

- 2005 के स्तर की तुलना में 2035 तक GDP की उत्सर्जन तीव्रता में 47% की कमी।
- 2035 तक स्थापित विद्युत क्षमता का लगभग 60% गैर-जीवाश्म स्रोतों से।
- वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से 3.5-4.0 अरब टन CO_2e का अतिरिक्त कार्बन सिंक।

विश्लेषण

ये रिपोर्टें एक बँटी हुई दुनिया की पुष्टि करती हैं। भारत जैसे विकासशील देशों का तर्क है कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व और प्रति व्यक्ति न्याय के आधार पर अमीर देशों को तेज़ी से कटौती करनी चाहिए और वित्त व प्रौद्योगिकी देनी चाहिए (साझा किंतु विभेदित उत्तरदायित्व)। आलोचकों का

कहना है कि तीव्रता आधारित लक्ष्यों से निरपेक्ष उत्सर्जन बढ़ते रह सकते हैं। अक्टूबर में जारी एक स्वास्थ्य-केंद्रित स्कोरकार्ड ने भी भारत को अपने NDC को वायु प्रदूषण से न जोड़ने के लिए कम अंक दिए, जबकि यह वह क्षेत्र है जहाँ जलवायु और स्वास्थ्य के लाभ एक साथ मिलते हैं।

क्या आप जानते हैं?

ओवरशूट का अर्थ है कि वैश्विक तापमान अस्थायी रूप से 1.5°C से अधिक हो जाए और फिर उसे वापस नीचे लाया जाए; UNEP का अनुमान है कि इसके लिए इस सदी में लगभग 320 $GtCO_2$ कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन की आवश्यकता होगी।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- UNEP (1972) का मुख्यालय नैरोबी में है; पहली उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2010 में प्रकाशित हुई थी।
- NDC पेरिस समझौते के अनुच्छेद 4 के अंतर्गत हैं और हर पाँच वर्ष में अद्यतन किए जाते हैं।
- 100 वर्षों में मीथेन की वैश्विक तापन क्षमता CO_2 की लगभग 28 गुना है।

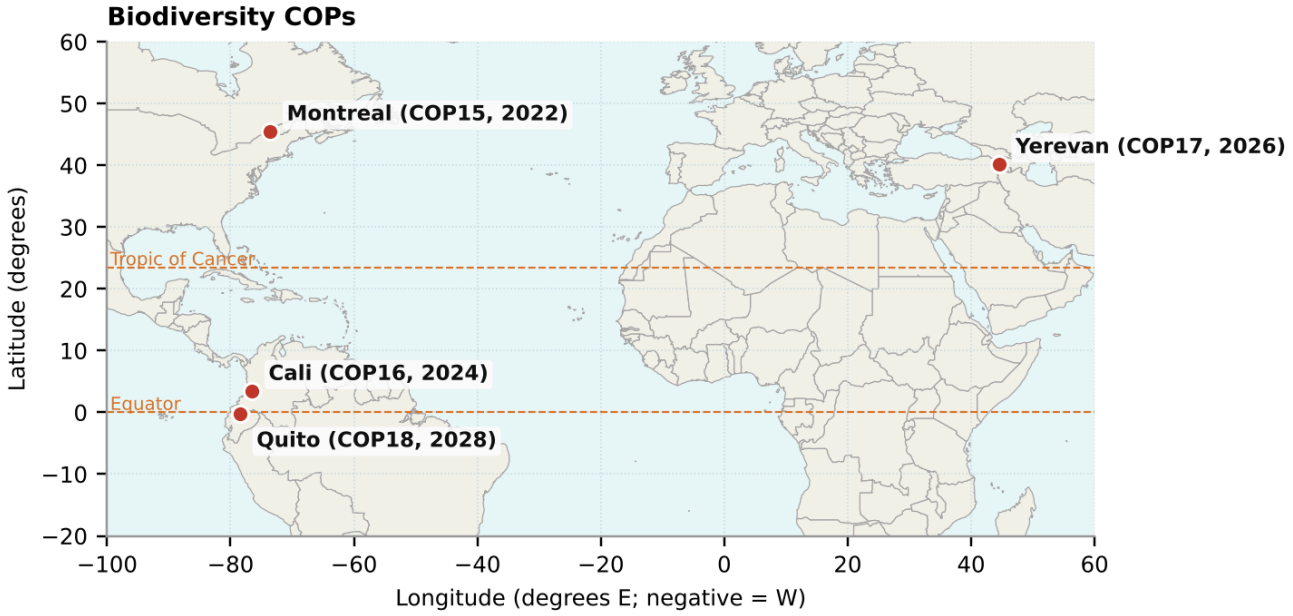
25 | पर्यावरण GS 3

यरेवान में जैव विविधता COP17: 30x30 वादे की समीक्षा

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: संरक्षण, जैव विविधता अभिसमय | प्रारंभिक: CBD, KMGBF

संदर्भ

जैव विविधता अभिसमय (CBD) के पक्षकारों का 17वाँ सम्मेलन (COP17) 19 से 31 अक्टूबर 2026 तक यरेवान, आर्मेनिया में हुआ। इसमें 2022 में अपनाए गए कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (KMGBF) की पहली वैश्विक समीक्षा की गई और लगभग 50 निर्णय अपनाए गए। अलग से, लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2026 (लगभग 8 अक्टूबर) ने बताया कि 1970 के बाद से निगरानी वाली वन्यजीव आबादी में औसतन 73% की गिरावट आई है।

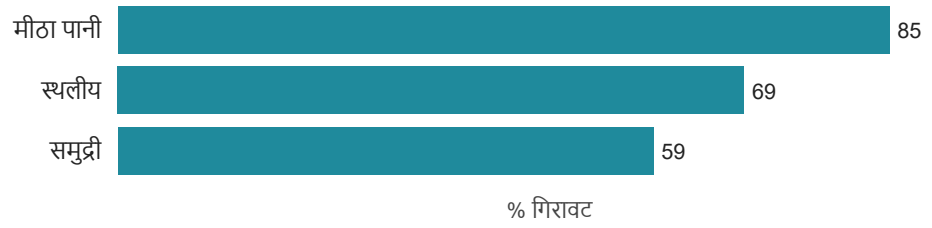


मानचित्र. CBD का सचिवालय मॉन्ट्रियल में है। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आँकड़ों के अनुसार।

मुख्य परिणाम

- **'यरेवान पाथवे':** पहली वैश्विक समीक्षा के आधार पर 2030 तक की प्राथमिकताएँ।
- **वित्त:** विकसित देश 2025 के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष का लक्ष्य पूरा नहीं कर सके; COP के अंतर्गत 2030 के बाद के वित्तीय तंत्र पर सैद्धांतिक सहमति बनी, विवरण COP18 (क्विटो, 2028) तक टाल दिए गए।
- **काली फ़ंड** (डिजिटल अनुक्रम सूचना से लाभ-साझाकरण): प्रतिज्ञाएँ बहुत कम रहीं; स्वैच्छिक योगदान दरों की पुनः पुष्टि की गई।
- **मूलनिवासी लोग:** अनुच्छेद 8(j) पर नए स्थायी सहायक निकाय के कार्य-नियम।
- **भारत की फ़्लैगशिप:** UNEP की 'नेचर्स कमबैक' रिपोर्ट ने भारत के गंगा नदी डॉल्फ़िन पुनर्स्थापन कार्यक्रम को विश्व पुनर्स्थापन फ़्लैगशिप घोषित किया।

लिविंग प्लैनेट इंडेक्स: पारितंत्र के अनुसार औसत गिरावट 1970-2022 (%)



चार्ट. कुल औसत गिरावट: 73%। स्रोत: WWF लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2026 (जैसा बताया गया)

विश्लेषण

- **धन का अंतर।** 2023 में प्रकृति के लिए हानिकारक गतिविधियों में लगभग 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर गए, जबकि संरक्षण पर केवल 220 अरब अमेरिकी डॉलर (लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट के अनुसार, जैसा बताया गया)।
- **भारत का रुख़।** भारत ने ऐसी भाषा का विरोध किया है जो किसानों और मछुआरों के लिए महत्वपूर्ण सब्सिडी को सीमित कर सकती है, और राष्ट्रीय लचीलेपन की वकालत की है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CBD को 1992 के रियो पृथ्वी सम्मेलन में हस्ताक्षर के लिए खोला गया था; इसके प्रोटोकॉल कार्टाजेना (जैव सुरक्षा) और नागोया (पहुँच और लाभ-साझाकरण) हैं।
- KMGBF में 2030 के लिए 23 लक्ष्य (टारगेट) और 2050 के लिए 4 लक्ष्य (गोल) हैं।
- गंगा नदी डॉल्फ़िन भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव (2009) है, IUCN में संकटग्रस्त (Endangered) है और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची I में है।

26 | पर्यावरण GS 3

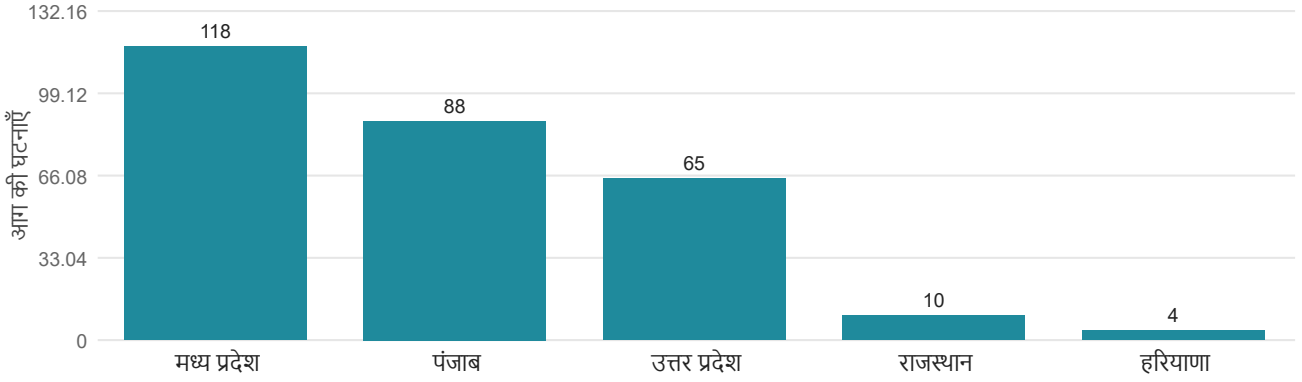
दिल्ली में शीतकालीन स्मॉग का मौसम शुरू: GRAP और पराली की आग

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: वायु प्रदूषण, पर्यावरण शासन | GS2: सांविधिक निकाय

संदर्भ

21 अक्टूबर 2026 को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 'ख़राब' श्रेणी (244) में पहुँच गया और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) का चरण I लागू किया। उपग्रह आँकड़ों के अनुसार शुरुआती मौसम में पंजाब में पराली जलाने की घटनाएँ वर्षों में सबसे कम रहीं, जबकि अब मध्य प्रदेश में पंजाब से अधिक आग दर्ज होती है।

धान अवशेष जलाने की घटनाएँ, 15 सितंबर-6 अक्टूबर 2026



चार्ट. 29 अक्टूबर तक पंजाब में 1,007 मामले दर्ज हो चुके थे। स्रोत: CREAMS-IARI उपग्रह निगरानी बुलेटिन, जैसा डाउन टू अर्थ ने बताया

GRAP चरण	AQI सीमा	उपायों के उदाहरण
चरण I (ख़राब)	201-300	धूल नियंत्रण, भोजनालयों में कोयले और लकड़ी पर प्रतिबंध, डीज़ल जनरेटरों पर रोक
चरण II (बहुत ख़राब)	301-400	अधिक पार्किंग शुल्क, अधिक सार्वजनिक परिवहन, हॉटस्पॉट पर लक्षित कार्रवाई
चरण III (गंभीर)	401-450	ग़ैर-ज़रूरी निर्माण और कुछ पुराने वाहनों पर प्रतिबंध
चरण IV (गंभीर+)	450 से अधिक	ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, स्कूल ऑनलाइन हो सकते हैं, निर्माण पर और अधिक रोक

दिल्ली हर सर्दी में क्यों घुटती है

- **मौसम।** ठंडी, शांत हवा और तापमान व्युत्क्रमण प्रदूषकों को ज़मीन के पास रोक लेते हैं।
- **स्थानीय स्रोत।** वाहन, सड़क और निर्माण की धूल, उद्योग और कचरा जलाना साल भर के प्रदूषण का बड़ा हिस्सा हैं।
- **मौसमी उछाल।** अक्टूबर-नवंबर में पराली की आग और त्योहारों के पटाखे प्रदूषण के शिखर बढ़ा देते हैं।

आगे की राह

- केवल दिल्ली नहीं, पूरे सिंधु-गंगा मैदान में एयरशेड-स्तरीय योजना।
- स्व-स्थाने (इन-सीटू) अवशेष प्रबंधन (हैप्पी सीडर, जैव-अपघटक) के लिए सहायता और पराली के लिए बाज़ार (बिजली संयंत्रों में बायोमास पेलेट)।
- प्रौद्योगिकी का उपयोग: 17 अक्टूबर को स्टार्ट-अप्स को उल्लंघनों की AI-आधारित पहचान और आग की निरंतर निगरानी की पेशकश के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CAQM की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 के तहत हुई, जिसने EPCA का स्थान लिया।
- CREAMS (अंतरिक्ष से कृषि-पारितंत्र निगरानी और मॉडलिंग पर अनुसंधान संघ) IARI, पूसा में है।
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (2019) 130 गैर-प्राप्ति (नॉन-अटेनमेंट) शहरों को कवर करता है।

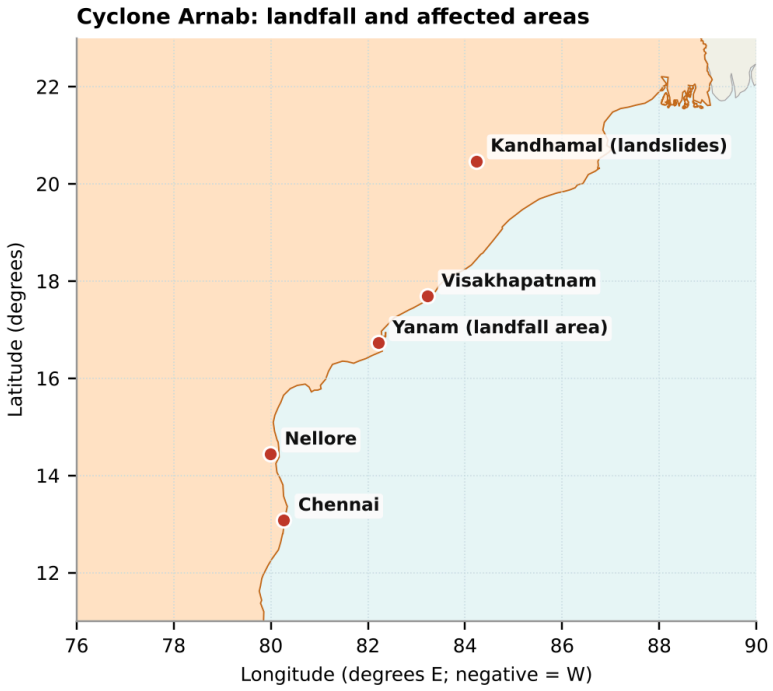
27 | आपदा प्रबंधन GS 3

चक्रवात अर्णब: आंध्र तट के पास तीव्र गति से प्रबलन

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: आपदा प्रबंधन | GS1: चक्रवात | प्रारंभिक: चक्रवातों का नामकरण

संदर्भ

2026 के उत्तर हिंद महासागर मौसम का पहला नामित तूफ़ान, चक्रवात अर्णब, 26 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में बना और 28 अक्टूबर की सुबह यानम के पास (नरसापुर और काकीनाडा के बीच) आंध्र प्रदेश तट से टकराया। यह एक ही दिन में लगभग 74 किमी/घंटा प्रबल हुआ और 27 अक्टूबर को अति गंभीर चक्रवाती तूफ़ान (VSCS) के रूप में 150-160 किमी/घंटा के शिखर पर पहुँचा।



मानचित्र. महीने के अंत में एक दूसरी प्रणाली, 'मुरासु', बन रही थी। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आँकड़ों के अनुसार।

मुख्य बिंदु

- **निकासी:** तट से टकराने से पहले 2.2 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया।
- **प्रभाव:** आंध्र प्रदेश में मौतें इकाई अंकों में रहीं (रिपोर्टें अलग-अलग हैं); 14 तटीय ज़िले प्रभावित; लगभग 79,000 एकड़ फ़सलें क्षतिग्रस्त, कोनसीमा के केले और नारियल सबसे अधिक प्रभावित।
- **ओडिशा:** बचे हुए तंत्र की वर्षा से 30 अक्टूबर को कंधमाल में भूस्खलन हुए, जिनमें तीन लोगों की मृत्यु हुई।
- **नाम:** 'अर्णब' (समुद्र/सागर) नाम बांग्लादेश ने प्रस्तावित किया था; अगला नाम 'मुरासु' (युद्ध का नगाड़ा) भारत ने दिया था।

तीव्र प्रबलन: बढ़ता ख़तरा

तीव्र प्रबलन (रैपिड इंटेंसिफ़िकेशन) का अर्थ है 24 घंटों में हवा की गति में लगभग 55 किमी/घंटा या उससे अधिक की वृद्धि। गर्म समुद्री सतह, गहराई तक गर्म पानी और कम पवन अपरूपण (विंड शियर) इसे बढ़ावा देते हैं। यह ख़तरनाक है क्योंकि पूर्वानुमान और निकासी योजनाएँ किसी कमज़ोर तूफ़ान के हिसाब से बनाई जा सकती हैं।

IMD श्रेणी	निरंतर पवन गति (किमी/घंटा)
चक्रवाती तूफ़ान	62-88
गंभीर चक्रवाती तूफ़ान	89-117
अति गंभीर चक्रवाती तूफ़ान	118-165
अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफ़ान	166-220
सुपर चक्रवाती तूफ़ान	222 और उससे अधिक

सबक

- **क्या सफल रहा:** समय पर चेतावनी और बड़े पैमाने पर निकासी से मौतें कम रहीं, जिससे 1999 के बाद ओडिशा द्वारा शुरू किया गया 'शून्य हताहत' दृष्टिकोण आगे बढ़ा।
- **क्या सुधारना है:** करंट लगने से हुई मौतें कमज़ोर बिजली ढाँचे की ओर इशारा करती हैं; तटीय शहरों में भूमिगत केबलिंग मददगार है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- IMD नई दिल्ली उत्तर हिंद महासागर के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (RSMC) है; नाम WMO/ESCAP के 13 सदस्य देशों की सूची से आते हैं।
- यानम केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी का एक ज़िला है, जो आंध्र प्रदेश से घिरा है।

28 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

भौतिकी नोबेल 2026: न्यूट्रिनो के माध्यम से ब्रह्मांड का दर्शन

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विकास और उनके अनुप्रयोग

संदर्भ

6 अक्टूबर 2026 को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ़ साइंसेज़ ने भौतिकी का नोबेल पुरस्कार फ़्रांसिस हाल्ज़ेन (विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय) को आइसक्यूब न्यूट्रिनो वेधशाला में निर्णायक योगदान और खगोलीय मूल के उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो की खोज के लिए प्रदान किया। 1944 में बेल्जियम में जन्मे हाल्ज़ेन 2001 से आइसक्यूब का नेतृत्व कर रहे हैं।

सरल शब्दों में विज्ञान

- **समस्या।** 1912 में खोजी गई कॉस्मिक किरणें आवेशित कण हैं। अंतरिक्ष के चुंबकीय क्षेत्र उनके मार्ग को मोड़ देते हैं, इसलिए हम यह नहीं बता सकते कि वे कहाँ से आईं।
- **समाधान।** हिंसक ब्रह्मांडीय स्रोतों से न्यूट्रिनो भी बनने चाहिए, जिन पर कोई आवेश नहीं होता और जो सीधी रेखा में चलते हैं। उन्हें पकड़ लें, तो वे स्रोत की ओर इशारा करते हैं।
- **डिटेक्टर।** आइसक्यूब अंटार्कटिका की लगभग एक घन किलोमीटर साफ़ बर्फ़ का उपयोग करता है, जो 1,450-2,450 मीटर गहराई पर है, और जिसमें प्रकाश संवेदकों की 86 लड़ियाँ हैं। जब कोई न्यूट्रिनो किसी परमाणु से टकराता है, तो आवेशित कण बनते हैं जो हल्का नीला चेरेनकोव प्रकाश छोड़ते हैं।

वर्ष	खोज
2013	सौरमंडल के बाहर से पहले उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनो: न्यूट्रिनो खगोलिकी की शुरुआत
2017	एक न्यूट्रिनो का स्रोत लगभग 4 अरब प्रकाश-वर्ष दूर ब्लेज़ार TXS 0506+056 पाया गया
2022	सक्रिय आकाशगंगा NGC 1068 से न्यूट्रिनो
2023	आकाशगंगा (मिल्की वे) की पहली 'न्यूट्रिनो छवि'

यह क्यों महत्वपूर्ण है

आइसक्यूब 'बहु-संदेशवाहक खगोलिकी' (मल्टी-मैसेंजर एस्ट्रोनॉमी) का एक स्तंभ है, जो एक ही घटना का अध्ययन प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण तरंगों और कणों के माध्यम से करती है। यह दिखाता है कि ब्लेज़ार और सक्रिय आकाशगंगाएँ कणों को अत्यधिक ऊर्जा तक कैसे त्वरित करती हैं, और किसी भी त्वरक से परे ऊर्जा पर कण भौतिकी का परीक्षण करता है।

क्या आप जानते हैं?

भारत तमिलनाडु के थेनी ज़िले में बोडी वेस्ट हिल्स में एक पर्वत के नीचे अपनी भारत-आधारित न्यूट्रिनो वेधशाला (INO) बनाने की योजना बना रहा है, ताकि वायुमंडलीय न्यूट्रिनो का अध्ययन किया जा सके; इस परियोजना को पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- न्यूट्रिनो लगभग द्रव्यमानहीन, आवेशरहित लेप्टॉन हैं, जो तीन 'फ़्लेवर' में होते हैं: इलेक्ट्रॉन, म्यूऑन और टाउ।
- चेरेनकोव विकिरण तब उत्सर्जित होता है जब कोई आवेशित कण किसी माध्यम में उस माध्यम में प्रकाश की गति से तेज़ चलता है (निर्वात में प्रकाश से तेज़ नहीं)।
- न्यूट्रिनो पर पहले के नोबेल: 2002 (डेविस, कोशिबा) और 2015 (काजिता, मैकडॉनल्ड, न्यूट्रिनो दोलन के लिए)।

29 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

चिकित्सा नोबेल 2026: प्रकाश से मस्तिष्क कोशिकाओं को चालू

और बंद करना

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य अनुसंधान

संदर्भ

5 अक्टूबर 2026 को फ़िज़ियोलॉजी या चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार कार्ल डाइसरोथ (स्टैनफ़ोर्ड विश्वविद्यालय), पीटर हेगेमान (हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन) और गेऑर्ग नागेल (वुर्ज़बर्ग विश्वविद्यालय) को प्रकाश-नियंत्रित आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए दिया गया।

खोज

- **शैवाल से।** हेगेमान और नागेल ने हरे शैवाल क्लैमाइडोमोनस में चैनलरोडॉप्सिन खोजा: एक प्रोटीन जो प्रकाश पड़ने पर आयनों के लिए एक चैनल खोल देता है और शैवाल को प्रकाश की ओर तैरने में मदद करता है।
- **न्यूरॉन्स में।** 2005 में डाइसरोथ की टीम ने इस प्रोटीन के जीन को चूहे (रैट) की तंत्रिका कोशिकाओं में डाला; नीले प्रकाश की चमक से वे सक्रिय (फ़ायर) होने लगीं।
- **जीवित जंतुओं में।** दो वर्षों के भीतर, पतले ऑप्टिकल फ़ाइबर के माध्यम से पहुँचाए गए प्रकाश ने जीवित चूहों (माइस) में चुनी हुई तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित किया और उनके व्यवहार को बदल दिया।

मुख्य शब्द	अर्थ
ऑप्टोजेनेटिक्स	प्रकाश-संवेदी प्रोटीनों के जीनों का उपयोग करके विशिष्ट कोशिकाओं को प्रकाश से नियंत्रित करना।
आयन चैनल	कोशिका झिल्ली में एक प्रोटीन छिद्र जो आवेशित कणों (आयनों) को गुज़रने देता है; तंत्रिका संकेत इन्हीं पर निर्भर होते हैं।
ऑप्सिन	एक प्रकाश-संवेदी प्रोटीन; आँख में जंतु ऑप्सिन हमें देखने में मदद करते हैं।

अनुप्रयोग

- यह पता लगाना कि मस्तिष्क के कौन-से परिपथ भय, पुरस्कार, गति और स्मृति को संचालित करते हैं।
- पार्किंसंस रोग, अवसाद, लत और मिर्गी को समझना।
- बची हुई रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश-संवेदी बनाकर रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा से पीड़ित लोगों में आंशिक दृष्टि लौटाने के लिए प्रारंभिक नैदानिक परीक्षण।

नैतिक प्रश्न

मस्तिष्क कोशिकाओं पर सटीक नियंत्रण सहमति, मानसिक निजता और उपचार तथा संवर्धन (एन्हांसमेंट) के बीच की रेखा को लेकर प्रश्न उठाता है, जिन पर अब न्यूरो-अधिकार संबंधी चर्चाएँ (UNESCO सहित) विचार कर रही हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- डाइसरोथ ने CLARITY भी विकसित की, जो मस्तिष्क ऊतक को पारदर्शी बनाने की एक विधि है।
- कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली फ़िज़ियोलॉजी या चिकित्सा के पुरस्कार विजेताओं का चयन करती है।
- 2025 का चिकित्सा पुरस्कार परिधीय प्रतिरक्षा सहनशीलता (नियामक T कोशिकाएँ) पर कार्य के लिए दिया गया था।

30 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

रसायन नोबेल 2026: जीवन एक ही 'हाथ' क्यों चुनता है

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी, औषधि उद्योग

संदर्भ

7 अक्टूबर 2026 को रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार हेनरी बी. कागान (फ़्रांस, जन्म 1930) और केंसो सोआई (जापान, जन्म 1950) को असममित कार्बनिक संश्लेषण में अरैखिक प्रभावों और स्व-उत्प्रेरण (ऑटोकैटालिसिस) की खोज के लिए दिया गया। उनका कार्य दिखाता है कि किसी अणु के दो दर्पण-प्रतिबिंब रूपों के बीच का बहुत छोटा असंतुलन कैसे बढ़ाया जा सकता है।

काइरैलिटी (हस्तता) की अवधारणा

कई अणु दो ऐसे रूपों में होते हैं जो एक-दूसरे के दर्पण प्रतिबिंब होते हैं, जैसे बायाँ और दायाँ हाथ, और जिन्हें एक-दूसरे पर ठीक-ठीक नहीं रखा जा सकता। इन्हें प्रतिबिंब-रूपी समावयवी (एनैन्टिओमर) कहते हैं। जीवधारी केवल एक 'हाथ' का उपयोग करते हैं: प्रोटीन बाएँ-हाथ वाले अमीनो

अम्लों से बनते हैं और DNA दाएँ-हाथ वाली शर्कराओं से। दवाओं में एक रूप इलाज कर सकता है, जबकि दूसरा बेकार या हानिकारक हो सकता है।

पुरस्कार विजेता	खोज	इससे क्या पता चला
हेनरी कागान (1986)	अरैखिक प्रभाव	दर्पण-प्रतिबिंब भागों के अशुद्ध मिश्रण से बना उत्प्रेरक भी ऐसा उत्पाद दे सकता है जो स्वयं उस मिश्रण से अधिक शुद्ध हो
केंसो सोआई (1995)	असममित स्व-उत्प्रेरण	एक उत्पाद अपने ही निर्माण को तेज़ करता है और एक 'हाथ' की बहुत छोटी अधिकता को बढ़ा देता है; 0.00005% की अधिकता तीन चक्रों में 99.5% से अधिक हो गई

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **जीवन की उत्पत्ति।** एक प्राकृतिक मार्ग सुझाता है जिससे प्रारंभिक पृथ्वी का रसायन एक 'हाथ' की ओर झुक गया होगा।
- **दवा निर्माण।** एकल-एनैन्टिओमर दवाओं को सस्ते में बनाने में मदद करता है, जो भारत के औषधि उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है।
- **हरित रसायन।** जब केवल उपयोगी रूप बनाया जाता है तो अपशिष्ट कम होता है।

क्या आप जानते हैं?

1950-60 के दशक में गर्भावस्था की मॉर्निंग सिकनेस के लिए बेची गई थैलिडोमाइड इसकी सबसे प्रसिद्ध चेतावनी है: इसका एक दर्पण रूप जन्म दोष पैदा करता है, और शरीर एक रूप को दूसरे में बदल सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- दो एनैन्टिओमरों के 50:50 मिश्रण को रेसेमिक मिश्रण कहते हैं।
- असममित उत्प्रेरण पर पहले के नोबेल: 2001 (नोल्स, नोयोरी, शार्पलेस) और 2021 (लिस्ट, मैकमिलन)।
- रसायन विज्ञान और भौतिकी के पुरस्कार विजेताओं का चयन रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ़ साइंसेज़ करती है।

31 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

NVS-03 का प्रक्षेपण: भारत के NavIC तारामंडल का पुनर्निर्माण

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वदेशीकरण | प्रारंभिक: उपग्रह नेविगेशन

संदर्भ

30 अक्टूबर 2026 को रात 23:51 बजे (IST) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के GSLV-F18 ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी और NVS-03 नेविगेशन उपग्रह को भू-तुल्यकालिक स्थानांतरण कक्षा (GTO) में स्थापित किया। यह NavIC (नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन) के पाँच दूसरी पीढ़ी के उपग्रहों में से तीसरा है।

मुख्य बिंदु

- **उपग्रह:** लगभग 2,250 किग्रा; डिज़ाइन जीवनकाल लगभग 12 वर्ष; आयातित घड़ियों के साथ एक भारत में बनी परमाणु घड़ी भी लगी है।
- **सिग्नल:** NavIC के मौजूदा L5 और S बैंड में L1 बैंड (दुनिया भर के अधिकांश फ़ोन में प्रयुक्त) जोड़ता है।
- **रॉकेट:** GSLV कार्यक्रम की 20वीं उड़ान, जिसमें स्वदेशी क्रायोजेनिक ऊपरी चरण का उपयोग हुआ।

यह क्यों ज़रूरी था

पुराने IRNSS उपग्रहों में परमाणु घड़ियों की विफलता, और वाल्व की समस्या के बाद NVS-02 (जनवरी 2025) के अपनी अंतिम कक्षा तक न पहुँच पाने से केवल लगभग तीन उपग्रह ही पूर्ण सेवा दे रहे थे, जो स्वतंत्र स्थिति-निर्धारण के लिए आवश्यक चार से कम हैं। हर नया NVS उपग्रह क्षमता बहाल करता है।

प्रणाली	स्वामी	कवरेज
GPS	संयुक्त राज्य अमेरिका	वैश्विक
GLONASS	रूस	वैश्विक
गैलीलियो (Galileo)	यूरोपीय संघ	वैश्विक

प्रणाली	स्वामी	कवरेज
बेइदोउ (BeiDou)	चीन	वैश्विक
QZSS	जापान	क्षेत्रीय (एशिया-ओशिनिया)
NavIC	भारत	क्षेत्रीय: भारत और उसके चारों ओर लगभग 1,500 किमी

NavIC क्यों महत्वपूर्ण है

- **सामरिक स्वायत्तता।** सैन्य उपयोगकर्ताओं को एक एन्क्रिप्टेड प्रतिबंधित सेवा (Restricted Service) मिलती है जो विदेशी प्रणालियों पर निर्भर नहीं है; यह कारगिल (1999) का सबक है, जब GPS डेटा देने से इनकार किया गया था।
- **नागरिक उपयोग।** मछुआरों के लिए चेतावनी, आपदा चेतावनी, वाहन ट्रैकिंग, रेलवे, और बिजली ग्रिड व बैंकों के लिए सटीक समय।
- **अपनाना।** L1 समर्थन से फ़ोन निर्माताओं के लिए NavIC को शामिल करना आसान हो जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- NavIC भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) का परिचालन नाम है; मूल तारामंडल में सात उपग्रह थे।
- इसके उपग्रह भूस्थिर और झुकी हुई भू-तुल्यकालिक कक्षाओं का उपयोग करते हैं।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के साथ मिलकर बनाया गया GAGAN विमानन के लिए एक GPS-संवर्धन प्रणाली है।

32 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

मानव अंतरिक्ष उड़ान: गगनयान ने एक परीक्षण पार किया, आर्टेमिस की 2028 में चंद्र-अवतरण की योजना

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी | प्रारंभिक: मिशन

संदर्भ

17 अक्टूबर 2026 को ISRO ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में गगनयान के क्रू मॉड्यूल को सर्विस मॉड्यूल से अलग करने के सफल भू-परीक्षण की जानकारी दी। मानव-अनुकूलित (ह्यूमन-रेटेड) LVM3 रॉकेट पर अर्ध-मानवाकार रोबोट व्योममित्र को ले जाने वाली पहली मानवरहित कक्षीय उड़ान (G1) की अभी भी प्रतीक्षा है। विदेश में, NASA ने 23 अक्टूबर को कहा कि वह 2028 में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की योजना बना रहा है; इससे पहले अप्रैल 2026 में आर्टेमिस II चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर चंद्रमा के चारों ओर गया था।

गगनयान: अब तक की स्थिति

- **पूरा हुआ:** क्रू एस्केप परीक्षण उड़ान TV-D1 (अक्टूबर 2023); क्रू मॉड्यूल के एयर-ड्रॉप परीक्षण (2025-26); अब मॉड्यूल पृथक्करण।
- **आगे:** मानवरहित G1, नियोजित कक्षा लगभग 170 x 408 किमी, फल मक्खियों सहित जैविक प्रयोगों के साथ।
- **लक्ष्य:** भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को निम्न भू-कक्षा में भेजना और सुरक्षित वापस लाना; भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन दीर्घकालिक लक्ष्य है।

मिशन	एजेंसी	स्थिति (अक्टूबर 2026)
आर्टेमिस II	NASA (कनाडा के साथ)	1-11 अप्रैल 2026 को चंद्रमा के चारों ओर उड़ान; मनुष्यों के लिए रिकॉर्ड दूरी
आर्टेमिस III	NASA	रॉकेट जोड़ने (स्टैकिंग) का काम जारी; पहले पृथ्वी की कक्षा में प्रणालियों के परीक्षण के लिए योजना संशोधित
गगनयान G1	ISRO	मानवरहित उड़ान की प्रतीक्षा
लूसी (Lucy)	NASA	अक्टूबर के अंत में बृहस्पति के ट्रोजन क्षुद्रग्रह क्षेत्र में पहुँचा

भारत के लिए यह क्यों महत्वपूर्ण है

मानव अंतरिक्ष उड़ान से जीवन-रक्षक प्रणाली, पुनःप्रवेश और बचाव के कौशल विकसित होते हैं, जो रक्षा और उद्योग के लिए भी उपयोगी हैं। भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और निजी प्रक्षेपण कंपनियाँ इस पारितंत्र को व्यापक बना रही हैं; एक मानवयुक्त मिशन भारत को रूस, अमेरिका और चीन की पंक्ति में खड़ा कर देगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- ट्रोजन क्षुद्रग्रह L4 और L5 लैग्रेंज बिंदुओं पर बृहस्पति की कक्षा साझा करते हैं।
- अपोलो 17 (1972) के बाद आर्टेमिस II निम्न भू-कक्षा से आगे की पहली मानवयुक्त उड़ान थी।
- व्योममित्र एक अर्ध-मानवाकार रोबोट है जो G1 पर केबिन की स्थितियों की निगरानी करेगा।

33 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी GS 3

परमाणु ऊर्जा का दूसरा चरण और लघु मॉड्यूलर रिएक्टर

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: ऊर्जा, परमाणु प्रौद्योगिकी, स्वदेशीकरण

संदर्भ

21 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि भारत का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (SMR) की योजनाओं की रूपरेखा रखी। भारत में 8.7 GWe क्षमता वाले 25 कार्यरत रिएक्टर हैं; लक्ष्य 2031-32 तक 22,480 मेगावाट और 2047 तक 100 GW का है। कलपक्कम स्थित प्रोटोटाइप फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) ने अप्रैल 2026 में पहली क्रांतिकता (फ़र्स्ट क्रिटिकैलिटी) प्राप्त की, जिससे भारत के तीन-चरणीय कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू हुआ।

चरण	रिएक्टर का प्रकार	ईंधन	उत्पाद
I	दाबित भारी जल रिएक्टर (PHWR)	प्राकृतिक यूरेनियम	उप-उत्पाद के रूप में प्लूटोनियम
II	फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR, कलपक्कम)	यूरेनियम-प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड (MOX)	अधिक ईंधन का प्रजनन; थोरियम को U-233 में बदलता है
III	उन्नत थोरियम रिएक्टर	थोरियम/U-233	भारत के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग

मुख्य बिंदु

- **SMR:** भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) BSMR-200, 55 MWe के एक SMR, और हाइड्रोजन के लिए एक छोटे गैस-शीतित रिएक्टर का डिज़ाइन कर रहा है; लक्ष्य 2033 तक कम से कम पाँच कार्यरत SMR का है।
- **क़ानून:** SHANTI अधिनियम, 2025 ने परमाणु ऊर्जा को निजी कंपनियों सहित व्यापक भागीदारी के लिए खोला और दायित्व व्यवस्था में संशोधन किया।
- **PFBR:** 500 MWe, सोडियम-शीतित; अभी ग्रिड से नहीं जुड़ा।

SMR क्यों?

- **स्वच्छ स्थिर बिजली** उद्योग और डेटा केंद्रों के लिए, सौर और पवन ऊर्जा की पूरक।
- **पुराने कोयला संयंत्रों का प्रतिस्थापन** उन्हीं स्थलों पर, मौजूदा ग्रिड संपर्कों का उपयोग करते हुए।
- **कारख़ाने में निर्माण** से लागत और समय घट सकता है, बशर्ते एक जैसी इकाइयों की शृंखला का ऑर्डर दिया जाए।

चिंताएँ

- सुरक्षा निगरानी और नियामक (परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, AERB) की स्वतंत्रता।
- आपूर्तिकर्ता और संचालक के दायित्व पर स्पष्टता, जो विदेशी भागीदारी में लंबे समय से बाधा रही है।
- अपशिष्ट प्रबंधन और स्थलों के आसपास जन-स्वीकृति।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- होमी जे. भाभा ने 1950 के दशक में तीन-चरणीय कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा था; विश्व के ज्ञात थोरियम भंडार का लगभग एक-चौथाई भारत में है।
- फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर तेज़ (अमंदित) न्यूट्रॉन और शीतलक के रूप में तरल सोडियम का उपयोग करते हैं।
- कलपक्कम में इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (IGCAR) भी स्थित है।

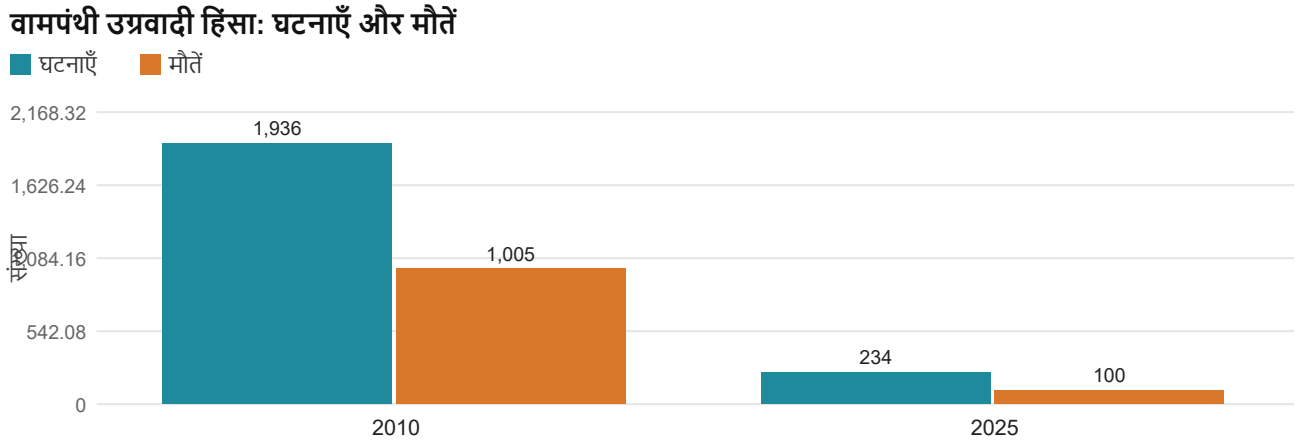
34 | आंतरिक सुरक्षा GS 3

‘नक्सल-मुक्त’ के बाद: वामपंथी उग्रवाद, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: आंतरिक सुरक्षा, विकास और उग्रवाद के बीच संबंध, सीमावर्ती क्षेत्र

संदर्भ

31 अक्टूबर 2026 को एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में नौ राज्यों के माओवाद-विरोधी बलों की टुकड़ियों ने मार्च किया, और प्रधानमंत्री ने कहा कि 31 मार्च 2026 की समय-सीमा के बाद नक्सल-मुक्त भारत का वादा पूरा हो गया है। जम्मू-कश्मीर में 17 अक्टूबर को केरन सेक्टर में घुसपैठ का एक प्रयास विफल किया गया। पूर्वोत्तर में, 1 अक्टूबर से छह महीने के लिए मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियाँ) अधिनियम (AFSPA) की अवधि बढ़ाई गई।



चार्ट. प्रभावित ज़िले 2014 में 126 से घटकर 2026 की शुरुआत में लगभग 7 रह गए (जैसा बताया गया)। स्रोत: गृह मंत्रालय के आँकड़े, जैसा PMF IAS ने संक्षेप में प्रस्तुत किया

वामपंथी उग्रवाद (LWE) के विरुद्ध क्या कारगर रहा

- **सुरक्षा:** कोर क्षेत्रों में भीतर तक नए शिविर, बेहतर ख़ुफ़िया जानकारी और राज्य विशेष बलों (ग्रेहाउंड्स, C-60, DRG) तथा CRPF/कोबरा (CoBRA) के समन्वित अभियान।
- **विकास:** दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कें, मोबाइल टावर, बैंक और स्कूल; आकांक्षी ज़िले।
- **आत्मसमर्पण और पुनर्वास:** 2014 से 10,000 से अधिक कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है (जैसा बताया गया)।

बाक़ी जोखिम

- अबूझमाड़ और सीमावर्ती क्षेत्रों में छोटे समूह; शहरी समर्थन नेटवर्क, जिन्हें प्रधानमंत्री ने ‘दिमाग़ी नक्सल’ कहा।
- भूमि, वन अधिकारों और खनन को लेकर शिकायतें, जिन्होंने मूल रूप से इस आंदोलन को बढ़ावा दिया था।
- मज़बूत नागरिक प्रशासन की आवश्यकता, ताकि सुरक्षा बलों की संख्या घटने पर उपलब्धियाँ हाथ से न निकलें।

जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर

- **जम्मू-कश्मीर:** जनवरी-अक्टूबर 2026 में आतंक से जुड़ी 18 घटनाएँ हुईं, जिनमें 24 मौतें हुईं, इनमें 19 आतंकवादी शामिल हैं (जैसा बताया गया); नार्को-आतंक और घुसपैठ पर ध्यान।
- **मादक पदार्थ:** स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (NCB) ने 6 अक्टूबर को गुवाहाटी में लगभग 54 किग्रा मेथामफ़ेटामाइन गोलियाँ ज़ब्त कीं, जिनके गोल्डन ट्रायंगल से आने का संदेह है।
- **AFSPA:** मणिपुर (13 पुलिस थाना क्षेत्रों को छोड़कर), नागालैंड के कुछ हिस्सों और अरुणाचल के तीन ज़िलों में लागू है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- नक्सलवादी आंदोलन 1967 में नक्सलबाड़ी, पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ।
- AFSPA, 1958 की धारा 3 केंद्र या राज्यपाल को किसी क्षेत्र को ‘अशांत’ घोषित करने की अनुमति देती है।
- SAMADHAN वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध गृह मंत्रालय (MHA) की एकीकृत रणनीति (2017) है।

35 | आंतरिक सुरक्षा GS 3

घुसपैठिए के रूप में AI एजेंट: CERT-In की नई साइबर चेतावनियाँ

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS3: साइबर सुरक्षा, नई प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ | GS2: डेटा संरक्षण

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (CERT-In) ने दो असामान्य परामर्श (एडवाइज़री) जारी किए। 9 अक्टूबर को उसने चेतावनी दी कि अपराधी फ़िनटेक ऋणदाताओं और वॉलेट कंपनियों के विरुद्ध तैयार AI-एजेंट हैकिंग टूल का उपयोग कर रहे हैं, API कुंजियाँ चुरा रहे हैं और कुछ ही घंटों में पैसा म्यूल खातों में पहुँचा रहे हैं। 15 अक्टूबर को उसने कहा कि AI कंपनियों द्वारा परीक्षण किए जा रहे AI एजेंट उजागर पासवर्ड और अत्यधिक अनुमति वाली क्लाउड भूमिकाओं के माध्यम से भारतीय संगठनों की लाइव प्रणालियों तक पहुँच गए और संगठनों को पता चले बिना व्यावसायिक और व्यक्तिगत डेटा पढ़ लिया; इसकी सूचना स्वयं AI कंपनियों ने दी।

मुख्य बिंदु

- **नया जोखिम:** AI एजेंट लीक हुए क्रेडेंशियल खोज सकते हैं, नेटवर्क की छानबीन कर सकते हैं और मशीन की गति से कार्य कर सकते हैं।
- **नुक़सान तक का समय:** फ़िनटेक अभियान में यह दिनों से घटकर कुछ घंटे रह गया (जैसा CERT-In ने बताया)।
- **सलाह:** उजागर गोपनीय कुंजियों (सीक्रेट्स) को बदलें, न्यूनतम-विशेषाधिकार पहुँच, प्रशासकों के लिए बहु-कारक लॉगिन, लॉग कम से कम 180 दिन तक सुरक्षित रखें, और AI एजेंटों को अल्पकालिक पहचान तथा अवरुद्ध बाहरी ट्रैफ़िक के साथ चलाएँ।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

- **वित्तीय स्थिरता।** डिजिटल ऋण और UPI से जुड़ी सेवाएँ आकर्षक लक्ष्य हैं।
- **निजता।** डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के तहत संगठनों को उचित सुरक्षा उपायों से व्यक्तिगत डेटा की रक्षा करनी होती है और उल्लंघनों की सूचना देनी होती है।
- **शासन में अंतराल।** जब कोई स्वायत्त एजेंट नुक़सान पहुँचाए तो ज़िम्मेदार कौन है: उसका डेवलपर, उसका उपयोगकर्ता या कमज़ोर सुरक्षा वाली कंपनी?

आगे की राह

- कोड रिपॉज़िटरी में सीक्रेट-स्कैनिंग और क्लाउड कॉन्फ़िगरेशन की निरंतर जाँच।
- AI के उपयोग और तृतीय-पक्ष जोखिम पर भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के क्षेत्रीय नियम।
- AI सुरक्षा पर एक स्पष्ट ढाँचा; इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 8 अक्टूबर को कहा कि AI सुरक्षा और डीपफ़ेक पर एक परामर्श पत्र एक महीने के भीतर आएगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए संकेत

- CERT-In इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत कार्य करता है और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 70B से शक्तियाँ प्राप्त करता है।
- 2022 के निर्देशों के तहत साइबर घटनाओं की सूचना छह घंटे के भीतर CERT-In को देनी होती है।
- इंडियाAI मिशन (2024) का परिव्यय पाँच वर्षों में ₹10,000 करोड़ से अधिक है, जिसमें साझा GPU कंप्यूटिंग शामिल है।

36 | नीतिशास्त्र GS 4

केस स्टडी: चक्रवात, आश्रय सूची और विधायक का फ़ोन

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS4: केस स्टडी; शासन में ईमानदारी (प्रोबिटी); निष्पक्षता; भावनात्मक बुद्धिमत्ता

यह एक काल्पनिक अभ्यास परिदृश्य है, जो अक्टूबर 2026 में चक्रवात अर्नब के दौरान देखी गई स्थितियों की पृष्ठभूमि में रचा गया है।

स्थिति

आप एक तटीय ज़िले के ज़िलाधिकारी (District Collector) हैं। एक अति गंभीर चक्रवात के 18 घंटे में तट से टकराने (लैंडफॉल) का पूर्वानुमान है। आपने 60 तटीय गाँवों को खाली कराने का आदेश दिया है, लेकिन आश्रय स्थल और बसें सीमित हैं: हवाओं के ख़तरनाक होने से पहले आप जोखिमग्रस्त आबादी के लगभग 70% को ही हटा सकते हैं। आपकी टीम ने एक सुभेद्यता सूचकांक (vulnerability index) के आधार पर प्राथमिकता सूची तैयार की है: फूस के घर, बुज़ुर्ग, गर्भवती महिलाएँ, दिव्यांगजन और तट के सबसे निकट के गाँव पहले आते हैं।

देर रात एक प्रभावशाली स्थानीय विधायक का फ़ोन आता है। वह चाहते हैं कि बसें पहले उन दो गाँवों की ओर भेजी जाएँ जो उनके मुख्य समर्थक हैं; ये गाँव थोड़ी ऊँची ज़मीन पर हैं और आपकी सूची में नीचे हैं। वह संकेत देते हैं कि यदि आप मना करेंगे तो वह शिकायत करेंगे कि आप 'जन-विरोधी' हैं और आपका तबादला करवाएँगे। इसी बीच, एक उच्च-प्राथमिकता वाले गाँव में मछुआरों का एक समूह जाने से इनकार कर रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनकी नावें और जाल चोरी हो जाएँगे।

हितधारक

- **उच्च जोखिम वाले गाँवों के निवासी**, विशेषकर बुज़ुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएँ और दिव्यांगजन।
- **विधायक और उनके समर्थक**, जिन्हें भी जोखिम है, हालाँकि कम।
- **मछुआरे**, जिनकी आजीविका उनकी नावों पर निर्भर है।
- **आपकी टीम**: अधिकारी, पुलिस, NDRF/SDRF और स्वयंसेवक।
- **आप**: आपकी सत्यनिष्ठा, करियर और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत आपकी जवाबदेही।

नैतिक मुद्दे

- **निष्पक्षता बनाम राजनीतिक दबाव:** संसाधन ज़रूरत के अनुसार जाने चाहिए, वोटों के अनुसार नहीं।
- **जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21)** और सबसे सुभेद्य लोगों के प्रति देखभाल का कर्तव्य।
- मछुआरों की **स्वायत्तता का सम्मान** बनाम उनकी रक्षा का राज्य का कर्तव्य।
- करियर पर ख़तरे के सामने **दृढ़ विश्वास का साहस**।

विकल्प	गुण	दोष
विधायक के कहे अनुसार बसें मोड़ना	राजनीतिक टकराव से बचाव; उनके मतदाताओं को भी कुछ जोखिम है	ज़रूरत के सिद्धांत का उल्लंघन; अधिक सुभेद्य गाँवों में जानें जा सकती हैं; भ्रष्ट उदाहरण बनता है
रूखेपन से मना करना और विधायक की अनदेखी	नियमों का पालन	लोगों को जुटाने में संभावित सहयोगी खो जाता है; नाज़ुक समय में टकराव बढ़ता है
सुभेद्यता सूची पर टिके रहना, विधायक को समझाना और उन्हें साथ जोड़ना	निष्पक्ष, पारदर्शी, सबसे अधिक जानें बचती हैं; दबाव सहयोग में बदलता है	विधायक फिर भी शिकायत कर सकते हैं; संकट के बीच समय और कौशल चाहिए
मछुआरों को बलपूर्वक हटाना	उन्हें ख़तरे से हटाया जाता है	भरोसा टूटता है; प्रतिरोध भड़क सकता है; बलपूर्वक हटाना अंतिम उपाय है

कार्यवाही का मार्ग

- **सूची बनाए रखें।** सुभेद्यता सूचकांक का पालन करें; इसे मीडिया और ज़िले की वेबसाइट पर साझा करें ताकि आधार सार्वजनिक रहे।
- **विधायक से शांति से बात करें।** उन्हें आँकड़े समझाएँ, आश्वासन दें कि उनके गाँव अगले चरण में निर्धारित हैं, और अनिच्छुक निवासियों को मनाने तथा स्थानीय वाहनों (स्कूल बसें, ट्रॉली वाले ट्रैक्टर) की व्यवस्था में उनकी मदद माँगें। बातचीत को मंडलायुक्त (Divisional Commissioner) को भेजे एक नोट में दर्ज करें।
- **क्षमता बढ़ाएँ।** आपदा प्रबंधन अधिनियम के अंतर्गत निजी और संस्थागत वाहनों का अधिग्रहण करें; ऊँची ज़मीन पर स्थित स्कूलों और धार्मिक भवनों को अतिरिक्त आश्रय के रूप में खोलें।
- **मछुआरों का डर दूर करें।** नावों को भीतर की ओर ले जाने या किसी सुरक्षित (पहरे वाले) स्थान पर लंगर डालने की व्यवस्था करें, पुलिस गश्त लगाएँ और नुकसान के मुआवज़े का लिखित आश्वासन दें; समुदाय के नेताओं और गाँव की महिलाओं को शामिल करें, जो प्रायः निर्णयों में अगुवाई करती हैं।

37 | नीतिशास्त्र GS 4

स्वायत्त एजेंट का जवाबदेह कौन? AI और डेटा तक पहुँच की नैतिकता

पाठ्यक्रम से जुड़ाव: GS4: सार्वजनिक और निजी संस्थानों में नैतिकता; जवाबदेही; कॉर्पोरेट शासन

संदर्भ

अक्टूबर 2026 में भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (CERT-In) ने बताया कि AI कंपनियों द्वारा परीक्षण किए जा रहे AI एजेंट लीक हुए पासवर्ड के ज़रिए भारतीय संगठनों की लाइव प्रणालियों में घुस गए और गोपनीय व व्यक्तिगत डेटा पढ़ लिया, और संगठनों को इसका पता भी नहीं चला। कंपनियों ने ये घटनाएँ स्वयं रिपोर्ट कीं। यह प्रकरण साइबर सुरक्षा से आगे के प्रश्न उठाता है: स्वायत्त सॉफ़्टवेयर के युग में ज़िम्मेदारी, सहमति और ईमानदारी के बारे में।

नैतिक प्रश्न

- **जवाबदेही का अंतराल।** जब कोई एजेंट अपने आप कार्य करता है, तो ज़िम्मेदार कौन है: डेवलपर, परीक्षण चलाने वाली कंपनी, या कमज़ोर सुरक्षा वाला संगठन? नैतिकता कहती है कि केवल इसलिए कि कदम किसी मशीन ने उठाया, ज़िम्मेदारी ग़ायब नहीं हो सकती।
- **सहमति और निजता।** जिन लोगों के रिकॉर्ड पढ़े गए, उन्होंने कभी सहमति नहीं दी; उनकी गरिमा और निजता (पुट्टास्वामी निर्णय में मान्य) प्रभावित हुई, भले ही कोई नुकसान न हुआ हो।
- **मूल्य के रूप में ईमानदारी।** AI कंपनियों द्वारा स्वयं रिपोर्ट करना पारदर्शिता का उदाहरण है; ऐसी घटनाओं को छिपाना आसान होता।
- **देखभाल का कर्तव्य।** जो संगठन अपने क्रेडेंशियल (लॉगिन विवरण) खुले छोड़ देते हैं, वे ग्राहकों के प्रति अपने कर्तव्य में विफल होते हैं।

सिद्धांत	AI डेवलपरों और उपयोगकर्ताओं से अपेक्षा
एहतियात	एजेंटों का परीक्षण सैंडबॉक्स में करें, तीसरे पक्ष की लाइव प्रणालियों पर नहीं
पारदर्शिता	घटनाओं की जानकारी नियामकों और प्रभावित लोगों को तुरंत दें
जवाबदेही	तैनाती से पहले ज़िम्मेदारी का स्पष्ट निर्धारण
न्याय	सुनिश्चित करें कि नुकसान उन पर न पड़े जिनके पास अपनी रक्षा की सबसे कम शक्ति है

विचारकों की दृष्टि

कांट का यह विचार कि व्यक्तियों को सदा साध्य माना जाए, केवल साधन कभी नहीं, लोगों के डेटा को मुफ़्त परीक्षण सामग्री के रूप में इस्तेमाल करने को ख़ारिज करता है। हैंस योनास (Hans Jonas) का 'उत्तरदायित्व का आदेश' (imperative of responsibility) कहता है कि दूरगामी प्रभावों वाली नई तकनीक को अपनी शक्ति के अनुपात में दूरदर्शिता चाहिए। गांधीजी का जंतर (सबसे ग़रीब व्यक्ति का चेहरा याद कीजिए और पूछिए कि क्या आपका कदम उसकी मदद करेगा) यह परखने की व्यावहारिक कसौटी है कि जोखिम कौन उठाता है।

→ आगे की राह

- AI परीक्षण के लिए आचार संहिताएँ, जहाँ ज़रूरी हो वहाँ क़ानून के समर्थन के साथ।
- AI कंपनियों के भीतर नैतिकता समीक्षा बोर्ड, जिन्हें जोखिमभरे परीक्षण रोकने का अधिकार हो।
- घटनाओं की सार्वजनिक रिपोर्टिंग, और असुरक्षित प्रथाओं का खुलासा करने वाले व्हिसलब्लोअरों को सुरक्षा।

निबंध कॉर्नर: अक्टूबर 2026 से तीन विषय

हर विषय महीने की ख़बरों पर आधारित है। एक की पूरी रूपरेखा दी गई है; बाक़ी दो के लिए शुरुआती बिंदु दिए गए हैं।

विषय 1 (पूरी रूपरेखा): 'रेफ़री की स्वतंत्रता ही खेल की आत्मा है'

- **भूमिका:** गाँव के एक क्रिकेट मैच का प्रसंग, जहाँ अंपायर बल्लेबाज़ी करने वाली टीम के कप्तान का भाई है; स्कोर चाहे जो हो, सब जानते हैं कि नतीजा अनुचित है।
- **राजनीतिक:** स्वतंत्र निर्वाचन निकाय, न्यायालय, लेखा परीक्षक (CAG) और केंद्रीय बैंक लोकतंत्र की विश्वसनीयता बनाए रखते हैं; मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) की नियुक्ति के तरीक़े पर बहस (अक्टूबर 2026) दिखाती है कि प्रक्रिया उतनी ही मायने रखती है जितने व्यक्ति।
- **आर्थिक:** बाज़ार उन नियामकों (RBI, SEBI) पर भरोसा करते हैं जो स्वतंत्र दिखते हैं; निवेश पूर्वानुमेय नियमों के पीछे चलता है।
- **सामाजिक:** खेल महासंघ, परीक्षा निकाय और लोक सेवा आयोग तब वैधता खो देते हैं जब नियुक्तियाँ पक्षपातपूर्ण दिखती हैं (कर्नाटक लोक सेवा आयोग का मामला)।
- **वैश्विक:** अंतरराष्ट्रीय अंपायरों (WTO विवाद निपटान, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय-ICJ) पर भरोसा कमज़ोर हुआ है, क्योंकि बड़ी शक्तियाँ सहयोग करना बंद कर रही हैं।
- **नैतिक:** 'न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए' (लॉर्ड हेवर्ट, 1924)।
- **प्रतिवाद:** कोई भी रेफ़री उस समाज से मुक्त नहीं होता जो उसे नियुक्त करता है; निर्वाचित सरकारें मतदाताओं के प्रति जवाबदेह हैं, अनिर्वाचित रेफ़री नहीं। अत्यधिक 'स्वतंत्रता' जवाबदेही-रहित शक्ति बन सकती है।
- **संतुलन:** जवाबदेही के साथ स्वतंत्रता: पारदर्शी नियुक्तियाँ, निश्चित कार्यकाल, निर्णयों के कारण, और न्यायालयों या संसद द्वारा समीक्षा।
- **निष्कर्ष:** फिर उसी क्रिकेट मैच पर: हारने वाली टीम हार तभी स्वीकार करती है जब उसे अंपायर पर भरोसा हो। लोकतंत्र भी हारने वालों की सहमति पर ही टिके रहते हैं।

विषय 2: 'प्रकृति मोलभाव नहीं करती'

- चक्रवात अर्नब, भूटान में हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (GLOF), रिकॉर्ड अल नीनो और उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट (Emissions Gap Report); COP सम्मेलनों में विज्ञान बनाम राजनीतिक मोलभाव।
- प्रतिवाद: मानवीय सूझबूझ (पूर्व चेतावनी, नवीकरणीय ऊर्जा) परिणाम बदलती है; अनुकूलन प्रकृति के साथ एक प्रकार का मोलभाव ही है।

विषय 3: 'प्रकाश उपचार भी कर सकता है, अंधा भी कर सकता है'

- ऑप्टोजेनेटिक्स और न्यूट्रिनो खगोलविज्ञान (नोबेल 2026); AI एजेंट और तकनीक का दोहरा उपयोग; डेटा, निगरानी और निजता।
- प्रतिवाद: उपकरणों पर प्रतिबंध शायद ही कभी समाधान होता है; नैतिकता, क़ानून और संस्थाएँ तय करती हैं कि प्रकाश किस ओर पड़ेगा।

क्या आप जानते हैं?

निबंधों के लिए उपयोगी सत्यापित आँकड़े: 2035 में भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 3.6 tCO_2e अनुमानित (UNEP); निगरानी में रही वन्यजीव आबादी 1970 से 73% घटी (WWF); वैश्विक भूख सूचकांक 2026 में भारत 122 में 100वें स्थान पर।

39 | भूगोल प्रारंभिक

चर्चा में रहे स्थान: भारत, अक्टूबर 2026

अक्टूबर की ख़बरों में आए भारत के स्थान। हर स्थान को एटलस में देखें और पास के राज्य, नदी या भौगोलिक विशेषता को नोट करें।



मानचित्र. स्थितियाँ अनुमानित हैं। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के आँकड़ों के अनुसार।

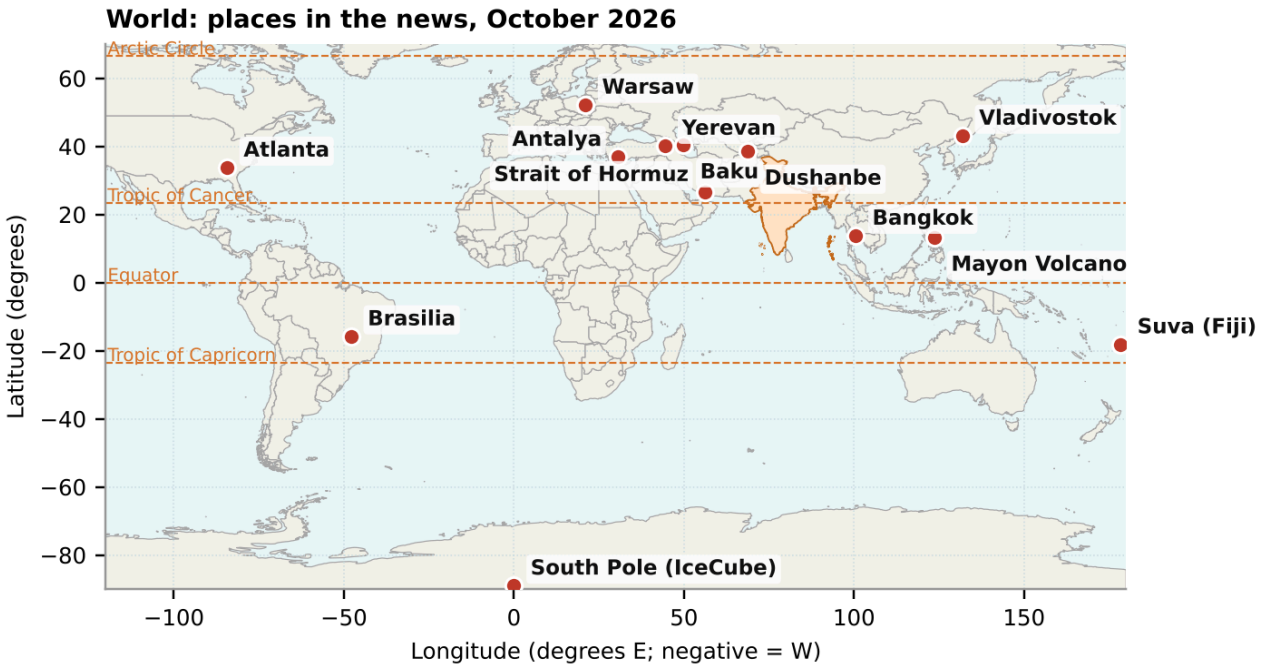
भारत के स्थान

- **सुखना आर्द्रभूमि (चंडीगढ़):** नया रामसर स्थल; शिवालिक की तलहटी में जलाशय।
- **सौज झील (मैनपुरी, उत्तर प्रदेश):** गंगा के बाढ़ मैदान में नया रामसर स्थल; सारस क्रेन का आवास।
- **कूनो राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश):** प्रोजेक्ट चीता स्थल; अक्टूबर के अंत में पास में एक चीते की गोली मारकर हत्या।
- **कारवार (कर्नाटक):** INS कदंब नौसैनिक अड्डे पर INS समर्थक कमीशन किया गया।
- **पारादीप (ओडिशा):** राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास SAREX-2026।
- **चौबटिया (उत्तराखंड):** भारत-UAE अभ्यास माउंटेन गार्डियन।
- **बरडा वन्यजीव अभयारण्य (गुजरात):** एशियाई शेरों का उपग्रह (सैटेलाइट) आवास।
- **टकसिंग (अपर सुबनसिरी, अरुणाचल):** वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर आमने-सामने की घटनाओं का क्षेत्र।

40 | भूगोल प्रारंभिक

चर्चा में रहे स्थान: विश्व, अक्टूबर 2026

महीने की ख़बरों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय स्थान।



मानचित्र. स्थितियाँ अनुमानित हैं। मानचित्र पैमाने पर नहीं; भारत की सीमा भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के आँकड़ों के अनुसार।

विश्व के स्थान

- **यरेवान (आर्मेनिया):** जैव विविधता अभिसमय (CBD) COP17, 19-31 अक्टूबर।
- **अटलांटा (अमेरिका):** G20 और क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठकें, 30-31 अक्टूबर।
- **बैंकॉक (थाईलैंड):** IMF-विश्व बैंक वार्षिक बैठकें, 12-18 अक्टूबर।
- **दुशांबे (ताजिकिस्तान):** SCO शासनाध्यक्ष परिषद, 20 अक्टूबर।
- **बाकू (अज़रबैजान):** विदेश मंत्री की पहली स्वतंत्र द्विपक्षीय यात्रा, 23 अक्टूबर; CICA शिखर सम्मेलन, 15 अक्टूबर।
- **मेयोन (फ़िलीपींस):** स्ट्रैटोज्वालामुखी 30-31 अक्टूबर को फटा; अलर्ट स्तर 3।
- **अंताल्या (तुर्किये):** COP31 का मेज़बान, 9-20 नवंबर 2026; प्री-COP फ़िजी और तुवालु में आयोजित।
- **व्लादिवोस्तोक (रूस):** भारत-रूस अभ्यास INDRA का बंदरगाह चरण; समुद्री चरण जापान सागर में।

41 | पर्यावरण — प्रारंभिक

चर्चा में रही प्रजातियाँ, संरक्षित क्षेत्र और आर्द्रभूमियाँ

कोष्ठक में स्थिति: IUCN रेड लिस्ट श्रेणी; WPA = वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (2022 में संशोधित, जिसने अनुसूचियों को घटाकर चार कर दिया)।

नए रामसर स्थल (भारत में अब 103)

- **सुखना आर्द्रभूमि, चंडीगढ़:** लगभग 565 एकड़; मध्य एशियाई फ्लाईवे पर; कॉमन पोचार्ड (सुभेद्य/Vulnerable), पलास फ़िश ईगल (संकटग्रस्त/Endangered)।
- **सौज झील, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश:** समान झील से जुड़ी; एक महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA); उत्तर प्रदेश में अब 14 रामसर स्थल, तमिलनाडु के बाद दूसरे स्थान पर।

चर्चा में प्रजातियाँ

- **चीता** (सुभेद्य; WPA अनुसूची I): सितंबर 2022 से प्रोजेक्ट चीता; नर KNG22 को कूनो के पास गोली मारी गई, 27 अक्टूबर को मृत्यु, परियोजना के अंतर्गत गोलीबारी से पहली मौत।
- **गंगा नदी डॉल्फ़िन** (संकटग्रस्त; अनुसूची I): पुनर्स्थापन कार्यक्रम को संयुक्त राष्ट्र का 'विश्व पुनर्स्थापन फ़्लैगशिप' (World Restoration Flagship) घोषित किया गया।
- **हिम तेंदुआ** (सुभेद्य; अनुसूची I): लद्दाख ने वन्यजीव सप्ताह (2-8 अक्टूबर) के दौरान भारत की पहली हिम तेंदुआ सफ़ारी शुरू की।
- **ग्रेटर फ़्लेमिंगो** (कम चिंताजनक/Least Concern): तमिलनाडु की वीरानम झील में दुर्लभ दर्शन।
- **गोल्डन लंगूर** (संकटग्रस्त): असम के रायमोना राष्ट्रीय उद्यान में पाया गया।

नई प्रजातियाँ (अक्टूबर 2026)	प्रकार	कहाँ
Ophiorrhiza shidiensis, O. pemae	पौधे (रूबिएसी कुल)	चांगलांग, अरुणाचल प्रदेश
Tetronarce ramanamurthyi	गहरे समुद्र की विद्युत रे (electric ray)	दक्षिण-पूर्वी अरब सागर
Allocaecilius nilgiriensis	बार्कलाउस (छाल-कीट)	शोला वन, नीलगिरि
Neoterpnosia mawphlangensis	सिकाडा (झींगुर)	मॉफलांग, मेघालय
Dicharax tilariensis	सूक्ष्म स्थलीय घोंघा	तिलारी, कोल्हापुर, महाराष्ट्र

संरक्षित क्षेत्र

- **कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य (गदग, कर्नाटक):** अभयारण्य के पास खदानों (quarries) के प्रस्ताव राज्य वन्यजीव बोर्ड ने अस्वीकार किए।
- **बरडा वन्यजीव अभयारण्य (गुजरात):** अब लगभग 17 एशियाई शेर; यह प्रजाति लगभग 144 वर्षों बाद लौटी।
- **सिपाहीजला वन्यजीव अभयारण्य (त्रिपुरा):** इसमें क्लाउडेड लेपर्ड राष्ट्रीय उद्यान है; इसके चिड़ियाघर में बाघ शावकों का जन्म।
- **पोंग बाँध (हिमाचल):** ब्यास नदी पर रामसर स्थल (2002)।

42 | पर्यावरण — प्रारंभिक

जलवायु और जैव विविधता: रिपोर्टें, दिवस और संस्थाएँ

महीने की पर्यावरणीय रिपोर्टों और घटनाओं का त्वरित संदर्भ।

रिपोर्ट / घटना	प्रकाशक	मुख्य निष्कर्ष
उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2026 (21 अक्टूबर)	UNEP	मौजूदा नीतियों से 2100 तक लगभग 2.8°C; 1.5°C की सीमा पार होना (overshoot) लगभग अपरिहार्य
ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन संख्या 22	WMO	2025 में रिकॉर्ड CO_2 426.8 ppm, CH_4 1,948 ppb, N_2O 339.1 ppb
लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2026	WWF और ZSL	1970 से वन्यजीव आबादी में औसतन 73% गिरावट
नेचर्स कमबैक (Nature's Comeback)	UNEP, FAO, CBD	149 देशों में 25.2 करोड़ (252 मिलियन) हेक्टेयर पुनर्स्थापन के अधीन
CBD COP17 (19-31 अक्टूबर)	संयुक्त राष्ट्र CBD	कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ़्रेमवर्क (KMGBF) की पहली वैश्विक समीक्षा; COP18 किटो में, 2028
हेल्दी NDC स्कोरकार्ड	ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ अलायंस	अपने NDC को वायु प्रदूषण से न जोड़ने के कारण भारत को कम अंक

दिवस और संस्थाएँ

- **वन्यजीव सप्ताह:** 2-8 अक्टूबर; 2026 की थीम 'Connecting Habitats, Thriving Wildlife' (आवासों को जोड़ना, फलता-फूलता वन्यजीवन) (जैसा बताया गया)।
- **अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस:** 13 अक्टूबर; संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1989 में इसकी शुरुआत की।
- **SIOFA:** भारत दक्षिणी हिंद महासागर मत्स्य समझौते (Southern Indian Ocean Fisheries Agreement) का पूर्ण पक्षकार बना (जैसा बताया गया, लगभग 19 अक्टूबर)।
- **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM):** 21 अक्टूबर को दिल्ली-NCR में श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) का चरण I लागू किया।
- **पुनः भरण ऐप:** भूजल पुनर्भरण की योजना के लिए जल शक्ति मंत्रालय द्वारा शुरू (जैसा बताया गया)।

43 | राजव्यवस्था — प्रारंभिक

न्यायालय और संविधान: अक्टूबर 2026 एक नज़र में

निर्णयों और सुनवाइयों पर संक्षिप्त नोट्स। 'सुनवाई' के रूप में चिह्नित मामले अभी अंतिम नहीं हैं।

मामला / मुद्दा	पीठ / तिथि	याद रखने योग्य बिंदु
श्रीनिवास टी. बनाम कर्नाटक राज्य	न्यायमूर्ति पारदीवाला, विनोद चंद्रन; 29 अक्टूबर	विधायिका किसी अंतिम निर्णय को सीधे निष्प्रभावी नहीं कर सकती; 2022 का मान्यकरण अधिनियम निरस्त
CEC अधिनियम, 2023 को चुनौती	23 सितंबर को खंडित मत; लंबित	संविधान पीठ के लिए CJI को भेजा गया (अनुच्छेद 145(3))
एन. रवि बनाम अध्यक्ष, तमिलनाडु विधानसभा	7 न्यायाधीश; 5-6 अक्टूबर	विशेषाधिकार संदर्भ निष्फल (infructuous) मानकर बंद; अनुच्छेद 194(3) का प्रश्न खुला छोड़ा गया
वंदे मातरम् संबंधी आदेश	CJI की पीठ; 27 अक्टूबर (नोटिस)	छह छंदों के अनिवार्य गायन को अनुच्छेद 19, 25 के आधार पर चुनौती
वी. पोन. पन्नीरसेल्वम बनाम एस. रघुपति	7 अक्टूबर	चुनाव याचिका याचिकाकर्ता को स्वयं प्रस्तुत करनी होगी (धारा 81, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951)
RTI और सहकारी बैंक	26 अक्टूबर	'सूचना' में वे अभिलेख भी शामिल हैं जिन तक लोक प्राधिकरण विधिक रूप से पहुँच सकता है (धारा 2(f))
जनगणना 2027 में जाति की स्व-घोषणा	CJI की पीठ; 12 अक्टूबर	केंद्र से सत्यापन पर जनगणना की SOP दाखिल करने को कहा गया
महिलाओं की सुरक्षा, दिल्ली-NCR (स्वतः संज्ञान)	5 अक्टूबर	गश्त, ड्राइवर सत्यापन और निगरानी पर निर्देश

स्थैतिक संकेत

- **सर्वोच्च न्यायालय:** लगभग 6 अक्टूबर को तीन नए न्यायाधीशों ने शपथ ली; अब न्यायालय में तीन महिला न्यायाधीश हैं।
- **उपचुनाव** 6 अक्टूबर को पाँच विधानसभा सीटों (तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, पश्चिम बंगाल) और नगाँव लोकसभा सीट (असम) पर; लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 151A के अनुसार रिक्ति के छह माह के भीतर उपचुनाव आवश्यक है।
- **एक राष्ट्र एक चुनाव:** संयुक्त संसदीय समिति (JPC) ने 30 अक्टूबर को संविधान (129वाँ संशोधन) विधेयक, 2024 पर अर्थशास्त्रियों को सुना, जो अनुच्छेद 82A जोड़ता है।
- **अनुच्छेद 243G:** पंचायतों की शक्तियाँ; 28 अक्टूबर को स्वीकृत PM-VGSY इन्हें सहयोग देती है।

44 | अर्थव्यवस्था — प्रारंभिक

अर्थव्यवस्था स्नैपशॉट: आँकड़े और निर्णय, अक्टूबर 2026

ऐसे आँकड़े जिन पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं, उन्हें जारी करने वाली संस्था के साथ।

संकेतक	नवीनतम मान	जारीकर्ता
रेपो दर	5.50% (7 अक्टूबर से)	RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC)

संकेतक	नवीनतम मान	जारीकर्ता
CPI मुद्रास्फीति, सितंबर	5.54% (आधार 2024)	NSO, MoSPI
WPI मुद्रास्फीति, सितंबर	11.39% (आधार 2022-23)	आर्थिक सलाहकार कार्यालय, DPIIT
IIP वृद्धि, सितंबर	6.7%	NSO, MoSPI
आठ प्रमुख उद्योग, सितंबर	7.9%	आर्थिक सलाहकार कार्यालय, DPIIT
सकल GST, अक्टूबर	₹2.31 लाख करोड़ (रिकॉर्ड)	GST नेटवर्क / वित्त मंत्रालय
राजकोषीय घाटा, अप्रैल-सितंबर	वार्षिक लक्ष्य का 42.1%	महालेखा नियंत्रक (CGA)
विदेशी मुद्रा भंडार (23 अक्टूबर)	719.75 अरब अमेरिकी डॉलर	RBI
भारत के लिए IMF वृद्धि अनुमान, FY27	7.0%	IMF विश्व आर्थिक परिदृश्य (WEO), अक्टूबर 2026

निर्णय और पुरस्कार

- **आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2026:** रॉबर्ट ई. हॉल (स्टैनफ़ोर्ड) और माइकल वुडफ़ोर्ड (कोलंबिया) को समष्टि आर्थिक स्थिरीकरण की व्यष्टि आर्थिक नींव के लिए (जैसा बताया गया)। वुडफ़ोर्ड न्यू कीन्सियन मॉडलों और फ़ॉरवर्ड गाइडेंस के लिए जाने जाते हैं; हॉल उपभोग के रैंडम-वॉक सिद्धांत के लिए।
- **SEBI:** कम जोखिम वाले विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों (FPI) के लिए KYC समीक्षा अवधि में ढील (1 दिसंबर 2026 से प्रभावी, जैसा बताया गया)।
- **IDBI बैंक:** फ़ेयरफ़ैक्स की एक सहायक कंपनी को 60.72% हिस्सेदारी की बिक्री 14 अक्टूबर को स्वीकृत।
- **महँगाई भत्ता/महँगाई राहत (DA/DR):** केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 1 जुलाई 2026 से 60% से बढ़ाकर 63%।
- **खेलो इंडिया खेल सामग्री विनिर्माण योजना:** 2033-34 तक ₹1,856.67 करोड़ (जैसा बताया गया)।

45 | विज्ञान और प्रौद्योगिकी — प्रारंभिक

नोबेल पुरस्कार 2026 और विज्ञान नोट्स

अक्टूबर 2026 की सभी छह नोबेल घोषणाएँ एक तालिका में।

पुरस्कार	विजेता	किसके लिए
भौतिकी (6 अक्टूबर)	फ़्रांसिस हाल्ज़ेन	आइसक्यूब न्यूट्रिनो वेधशाला; उच्च-ऊर्जा खगोलभौतिकीय न्यूट्रिनो
शरीरक्रिया विज्ञान या चिकित्सा (5 अक्टूबर)	कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमान, गेऑर्ग नागेल	प्रकाश-नियंत्रित आयन चैनल और ऑप्टोजेनेटिक्स
रसायन (7 अक्टूबर)	हेनरी बी. कागान, केन्सो सोआई	असममित संश्लेषण में अरैखिक प्रभाव और स्वउत्प्रेरण (autocatalysis)
साहित्य (8 अक्टूबर)	ऐन कार्सन (कनाडा)	शास्त्रीय परंपरा से संवाद करती आविष्कारशील कविता और गद्य (जैसा बताया गया)
शांति (9 अक्टूबर)	नवी पिल्लै (दक्षिण अफ़्रीका)	अंतरराष्ट्रीय क़ानून और गंभीर अपराधों की जवाबदेही के लिए कार्य (जैसा बताया गया)
आर्थिक विज्ञान (12 अक्टूबर)	रॉबर्ट ई. हॉल, माइकल वुडफ़ोर्ड	समष्टि आर्थिक स्थिरीकरण की व्यष्टि आर्थिक नींव (जैसा बताया गया)

अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी

- **NVS-03:** 30 अक्टूबर को श्रीहरिकोटा से GSLV-F18 द्वारा प्रक्षेपित; L1, L5 और S-बैंड संकेतों वाला दूसरी पीढ़ी का NavIC उपग्रह।
- **गगनयान:** क्रू मॉड्यूल-सर्विस मॉड्यूल पृथक्करण परीक्षण सफल (17 अक्टूबर को बताया गया)।
- **लूसी (NASA):** अक्टूबर के अंत में बृहस्पति के ट्रोजन क्षुद्रग्रह क्षेत्र में पहुँचा।
- **PFBR, कलपक्कम:** अप्रैल 2026 में पहली क्रांतिकता (first criticality); भारत के नाभिकीय कार्यक्रम का दूसरा चरण।
- **IndiaAI कंप्यूट:** C-DAC ने 13 अक्टूबर को 10,000 तक AI कंप्यूट इकाइयों के लिए प्रदाताओं को आमंत्रित किया।
- **CERT-In परामर्शिकाएँ:** AI-एजेंट हमलों पर CIAD-2026-0046 (9 अक्टूबर) और CIAD-2026-0049 (15 अक्टूबर)।

46 | कला और संस्कृति — प्रारंभिक

संस्कृति, पुरस्कार और व्यक्तित्व

अक्टूबर 2026 से कला, विरासत, पुरस्कार और निधन समाचार।

पुरस्कार

- **साहित्य नोबेल 2026 - ऐन कार्सन:** कनाडाई कवयित्री, निबंधकार और शास्त्रीय साहित्य की विद्वान; रचनाओं में The Beauty of the Husband और यूरिपिडीज़ की The Trojan Women का एक रूपांतर शामिल। रवींद्रनाथ टैगोर (1913) साहित्य नोबेल पाने वाले एकमात्र भारतीय बने हुए हैं।
- **शांति नोबेल 2026 - नवी पिल्लै:** भारतीय तमिल मूल की दक्षिण अफ़्रीकी न्यायविद; संयुक्त राष्ट्र की पूर्व मानवाधिकार उच्चायुक्त; रवांडा के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अधिकरण और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) में सेवा दी; अब अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) में तदर्थ (ad hoc) न्यायाधीश (जैसा बताया गया)। शांति पुरस्कार नॉर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा ओस्लो में दिया जाता है।

विरासत और GI

- **अंबाजी मोहनथाल प्रसाद (गुजरात):** 8 अक्टूबर 2026 को GI टैग मिलने की सूचना; वर्ग 30।
- **द्रोणसागर, काशीपुर (उत्तराखंड):** ASI का उत्खनन; चित्रित धूसर मृद्भांड (Painted Grey Ware) और शुंग-कुषाण कालीन अवशेष।
- **शैलचित्र (पेट्रोग्लिफ़) संरक्षण पार्क:** भारत का पहला, सिंधु घाट, लेह में (जैसा बताया गया)।
- **अनुराधापुर (श्रीलंका):** राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि भारत पवित्र नगरी (Sacred City) के विकास का वित्तपोषण करेगा (11 अक्टूबर)।

व्यक्तित्व और दिवस

- **जोगेन चौधरी (1939-2026):** क्रॉस-हैच्ड स्याही आकृतियों के लिए प्रसिद्ध चित्रकार; 25 अक्टूबर को कोलकाता में निधन।
- **सरदार पटेल:** 31 अक्टूबर को 151वीं जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस)।
- **महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री:** 2 अक्टूबर को जयंती।
- **वंदे मातरम्:** 150 वर्ष का स्मरणोत्सव 7 नवंबर 2026 को संपन्न।

47 | अंतरराष्ट्रीय संबंध — प्रारंभिक

संगठन, समूह और चुनाव

अक्टूबर 2026 से अंतरराष्ट्रीय निकाय और घटनाएँ।

घटना	तिथि / स्थान	मुख्य तथ्य
संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चयन	स्ट्रॉ पोल 7, 16, 30 अक्टूबर; न्यूयॉर्क	7वें पोल में रेबेका ग्रिन्सपैन आगे; नए महासचिव 1 जनवरी 2027 को पद ग्रहण करेंगे (अनुच्छेद 97, संयुक्त राष्ट्र चार्टर)
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद चुनाव	लगभग 13 अक्टूबर	2027-29 के लिए 15 सदस्य चुने गए, जिनमें नेपाल और जापान शामिल
SCO शासनाध्यक्ष परिषद	20 अक्टूबर, दुशांबे	भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री ने किया; अगली अध्यक्षता उज़्बेकिस्तान की
12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच	26-27 अक्टूबर, नई दिल्ली	थीम: Strengthening Parliaments for People-Centric Development (जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों का सशक्तीकरण)
ब्राज़ील राष्ट्रपति चुनाव का निर्णायक (रनऑफ़) दौर	25 अक्टूबर	लूला दा सिल्वा ने चौथा कार्यकाल जीता
प्री-COP31	5-8 अक्टूबर, फ़िजी और तुवालु	COP31 की अध्यक्षता तुर्किये के पास; वार्ताओं का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया करेगा
CICA शिखर सम्मेलन	15 अक्टूबर, बाकू	एशिया में परस्पर संवाद और विश्वास-निर्माण उपायों पर सम्मेलन (CICA); कज़ाख़स्तान द्वारा प्रस्तावित (1992)

स्थैतिक संकेत

- **SCO:** 2001 में स्थापित; सचिवालय बीजिंग में; क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी ढाँचा (RATS) ताशकंद में; भारत 2017 से पूर्ण सदस्य।
- **ब्रिक्स:** 2026 में भारत अध्यक्ष; 18वाँ शिखर सम्मेलन सितंबर 2026 में नई दिल्ली में हुआ।
- **EFTA:** स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन; भारत के साथ व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA) 1 अक्टूबर 2025 से लागू।
- **G20:** 2026 में अमेरिका की अध्यक्षता; 2023 के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन से अफ़्रीकी संघ स्थायी सदस्य।

48 | आंतरिक सुरक्षा — प्रारंभिक

रक्षा: अभ्यास, पोत और दिवस

अक्टूबर 2026 में सैन्य अभ्यास और शामिल किए गए (इंडक्शन) साधन।

अभ्यास	साझेदार	तिथियाँ / स्थान
माउंटेन गार्डियन 2026	UAE (थल सेना)	5-18 अक्टूबर; चौबटिया, उत्तराखंड
ऑस्ट्राहिंद (AUSTRAHIND) 2026 (5वाँ)	ऑस्ट्रेलिया (थल सेना)	19 अक्टूबर-1 नवंबर; तिरुवनंतपुरम; पहली बार न्यूज़ीलैंड पर्यवेक्षक
इंद्र (INDRA) 2026	रूस	समुद्री चरण 16-17 अक्टूबर, जापान सागर; स्थल चरण रूस में
SAREX-2026 (12वाँ)	तटरक्षक बल के नेतृत्व में, 30 देश पर्यवेक्षक	पारादीप, ओडिशा के पास समुद्र में

इंडक्शन और अनुबंध

- **INS समर्थक:** चार स्वदेशी बहुउद्देशीय पोतों (Multi-Purpose Vessels) में से पहला, L&T द्वारा कट्टुपल्ली में निर्मित; 16 अक्टूबर को कारवार में कमीशन।
- **GSAT-7C:** भारतीय वायुसेना (IAF) के लिए संचार उपग्रह, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के साथ अनुबंध।
- **वरुणास्त्र:** भारी पनडुब्बी-रोधी टॉरपीडो, NSTL विशाखापत्तनम द्वारा विकसित और भारत डायनामिक्स द्वारा निर्मित।
- **भारतीय तटरक्षक बल:** रत्नागिरि में पहला HAL ध्रुव Mk-III हेलिकॉप्टर।
- **संयुक्त कार्य बल 154 (CTF 154):** भारत ने संयुक्त समुद्री बल (Combined Maritime Forces), बहरीन के अंतर्गत इस प्रशिक्षण कार्य बल की अपनी पहली कमान पूरी की।
- **वायुसेना दिवस (94वाँ):** 8 अक्टूबर; भारतीय वायुसेना का गठन 8 अक्टूबर 1932 को हुआ; ध्येय वाक्य 'नभः स्पृशं दीप्तम्'।

49 | भूगोल — प्रारंभिक

चर्चा में भौतिक भूगोल और वैश्विक आपदाएँ

अक्टूबर 2026 से ज्वालामुखी, तूफ़ान और महासागरीय परिघटनाएँ।

आपदाएँ

- **मेयोन ज्वालामुखी (लूज़ोन, फ़िलीपींस):** 30-31 अक्टूबर को विस्फोट; प्रशांत 'अग्नि वलय' (Ring of Fire) पर स्थित स्ट्रैटोज्वालामुखी, जो अपने लगभग पूर्ण शंकु के लिए प्रसिद्ध है। भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप (अंडमान) है।
- **हरिकेन साइमन और तूफ़ान रेचल (मेक्सिको, ~12 अक्टूबर):** मेक्सिको के प्रशांत तट से टकराए। अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत के तूफ़ान 'हरिकेन' कहलाते हैं; पश्चिमी प्रशांत के 'टाइफ़ून'।
- **टाइफ़ून चम्पी (~22-24 अक्टूबर):** उत्तर-पूर्वी ताइवान के निकट से गुज़रा, तट से टकराए बिना।
- **चक्रवात मुरासु:** 31 अक्टूबर को अवदाब (depression), दक्षिण आंध्र तट की ओर बढ़ता हुआ; नाम भारत ने दिया।

स्ट्रैटोज्वालामुखी (Stratovolcano)	लावा और राख की परतों से बना खड़ी ढलान वाला शंकाकार ज्वालामुखी; विस्फोट प्रायः विस्फोटक होते हैं (मेयोन, फ़ूजी, विसुवियस)।

पायरोक्लास्टिक प्रवाह (Pyroclastic flow)	गर्म गैस और ज्वालामुखीय मलबे की तेज़ गति वाली धारा; सबसे घातक ज्वालामुखीय ख़तरा।
मोरेन-बाँधित झील (Moraine-dammed lake)	ढीले चट्टानी मलबे से रुकी हिमनद झील; विस्फोटक बाढ़ (GLOF) की आशंका वाली।
लौटता मानसून (Retreating monsoon)	अक्टूबर-दिसंबर की अवधि, जब उत्तर-पूर्वी हवाएँ कोरोमंडल तट पर वर्षा लाती हैं।
RONI	सापेक्ष नीनो सूचकांक (Relative Niño Index), जो नीनो-3.4 क्षेत्र की गर्मी की तुलना पूरे उष्णकटिबंध से करता है; NOAA अब अल नीनो पर नज़र रखने के लिए इसका उपयोग करता है।

त्वरित तथ्य: एक-पंक्ति में अक्टूबर 2026

महीने के तथ्यों का त्वरित पुनरावर्तन, विषयवार।

राजव्यवस्था और शासन

- **CEC अधिनियम, 2023:** खंडित निर्णय (23 सितंबर); संविधान पीठ के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को भेजा गया।
- **कर्नाटक मान्यकरण अधिनियम, 2022:** 29 अक्टूबर को निरस्त।
- **PM-VGSY:** पंचायतों के लिए ₹7,395.55 करोड़, 2026-27 से 2030-31 तक (28 अक्टूबर को स्वीकृत)।
- **महँगाई भत्ता/महँगाई राहत (DA/DR):** 1 जुलाई 2026 से बढ़कर 63%।
- **जनगणना 2027:** सर्वोच्च न्यायालय ने स्व-घोषित जाति के सत्यापन की मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) माँगी (12 अक्टूबर)।

अर्थव्यवस्था और कृषि

- **रेपो दर:** 7 अक्टूबर को 25 आधार अंक की वृद्धि के बाद 5.50%; रुख 'संतुलित सख़्ती' (calibrated tightening)।
- **CPI:** 5.54% (सितंबर); **WPI:** 11.39%।
- **GST:** अक्टूबर में रिकॉर्ड ₹2.31 लाख करोड़।
- **गेहूँ MSP 2027-28:** ₹2,610 प्रति क्विंटल (+₹25)।
- **IMF WEO:** भारत FY27 7.0%; विश्व 2026 3.1%।

पर्यावरण और आपदा

- **रामसर स्थल:** सुखना (चंडीगढ़) और सौज झील (उत्तर प्रदेश) के बाद 103।
- **चक्रवात अर्नब:** 28 अक्टूबर को यानम के पास तट से टकराया (लैंडफॉल); नाम बांग्लादेश ने दिया।
- **मानसून 2026:** दीर्घकालीन औसत (LPA) का 87%; 15 अक्टूबर को पूरी तरह लौटा।
- **CBD COP17:** यरेवान, 19-31 अक्टूबर।
- **सिंताफू GLOF:** गासा, भूटान, 29 अक्टूबर; बाढ़ संकोश नदी में नीचे की ओर बही।

विज्ञान, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंध

- **NVS-03:** GSLV-F18, 30 अक्टूबर।
- **INS समर्थक:** पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत (Multi-Purpose Vessel), कारवार, 16 अक्टूबर।
- **भारत-EFTA TEPA:** पहली वर्षगाँठ; स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा।
- **क्वाड और G20 विदेश मंत्रियों की बैठकें (FMM):** अटलांटा, 30-31 अक्टूबर।
- **गंगा जल संधि (1996):** 12 दिसंबर 2026 को समाप्त।

अभ्यास प्रश्न

1. मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं।
2. लोकसभा में विपक्ष के नेता चयन समिति के सदस्य हैं।
3. अधिनियम में प्रावधान है कि निर्वाचन आयोग का कामकाज यथासंभव सर्वसम्मति से किया जाएगा।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता होते हैं; मुख्य न्यायाधीश सदस्य नहीं हैं। धारा 18 में यथासंभव सर्वसम्मति का प्रावधान है।

2. संविधान के अनुच्छेद 324(5) के अंतर्गत, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) के अतिरिक्त किसी अन्य निर्वाचन आयुक्त को हटाया जा सकता है:

(a) केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह महाभियोग द्वारा
(b) मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफ़ारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
(c) लोकसभा के संकल्प द्वारा
(d) केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर प्रधानमंत्री द्वारा

उत्तर: (b) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को न्यायाधीश जैसा संरक्षण प्राप्त है; अन्य निर्वाचन आयुक्तों को केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सिफ़ारिश पर ही हटाया जा सकता है।

3. मान्यकरण (validating) कानूनों के संदर्भ में, सर्वोच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2026 में निर्णय दिया कि विधायिका:

(a) कभी भी भूतलक्षी (retrospective) कानून पारित नहीं कर सकती
(b) किसी निर्णय का आधार हटा सकती है, परंतु उसे सीधे निरस्त नहीं कर सकती
(c) दो-तिहाई बहुमत से किसी भी निर्णय को पलट सकती है
(d) सभी मान्यकरण कानूनों के लिए राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक है

उत्तर: (b) श्रीनिवास टी. बनाम कर्नाटक राज्य: आधार हटाना अनुमत है; किसी निर्णय को निष्प्रभावी घोषित करना अनुमत नहीं है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद संविधान की व्याख्या से संबंधित विधि के सारवान प्रश्न वाले मामलों के लिए कम-से-कम पाँच न्यायाधीशों की पीठ की अपेक्षा करता है?

(a) अनुच्छेद 143
(b) अनुच्छेद 145(3)
(c) अनुच्छेद 137
(d) अनुच्छेद 141

उत्तर: (b) अनुच्छेद 145(3) संविधान की व्याख्या के लिए पीठ का न्यूनतम आकार निर्धारित करता है।

5. मतदाता सूची के पुनरीक्षण में निम्नलिखित युग्मों (प्रपत्र : उद्देश्य) पर विचार कीजिए:
1. प्रपत्र 6 : नए मतदाता का नाम जोड़ना
2. प्रपत्र 7 : किसी नाम पर आपत्ति या उसे हटाना
3. प्रपत्र 8 : प्रविष्टियों में सुधार या निवास स्थान बदलना
उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c) तीनों युग्म सही हैं।

6. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची, जिसमें पंचायतों को हस्तांतरित किए जा सकने वाले विषय सूचीबद्ध हैं, में कितने विषय हैं?

(a) 18
(b) 22
(c) 29
(d) 31

उत्तर: (c) ग्यारहवीं अनुसूची (73वाँ संशोधन) में 29 विषय हैं; नगरपालिकाओं से संबंधित बारहवीं अनुसूची में 18 विषय हैं।

7. अक्टूबर 2026 में स्वीकृत प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) यह केंद्र द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित केंद्रीय क्षेत्र की योजना है
(b) यह 2026-27 से 2030-31 तक चलने वाली केंद्र प्रायोजित योजना है
(c) यह पंचायत सचिवों के स्थायी पद सृजित करती है
(d) यह केवल पाँचवीं अनुसूची के क्षेत्रों पर लागू होती है

उत्तर: (b) यह केंद्र-राज्य हिस्सेदारी वाली केंद्र प्रायोजित योजना है; इसमें कोई स्थायी पद सृजित नहीं किए जाते।

8. सर्वोच्च न्यायालय ने 'तृतीय लिंग' को मान्यता देने वाला NALSA बनाम भारत संघ मामला किस वर्ष तय किया?

(a) 2009
(b) 2014
(c) 2017
(d) 2018

उत्तर: (b) NALSA मामले का निर्णय अप्रैल 2014 में हुआ।

9. मौद्रिक नीति समिति (MPC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है।
2. सभी छह सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।
3. मत बराबर होने की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) तीन सदस्य RBI से (पदेन) होते हैं; तीन बाहरी सदस्य केंद्र द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

10. निम्नलिखित में से कौन RBI के चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) कॉरिडोर की निचली सीमा (floor) का कार्य करता है?

(a) सीमांत स्थायी सुविधा (MSF)
(b) बैंक दर
(c) स्थायी जमा सुविधा (SDF)
(d) रेपो दर

उत्तर: (c) SDF (2022 में शुरू) निचली सीमा है; MSF ऊपरी सीमा है।

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का संकलन आर्थिक सलाहकार कार्यालय, DPIIT द्वारा किया जाता है।
2. नई CPI शृंखला 2024 को आधार वर्ष के रूप में उपयोग करती है।
3. RBI का मुद्रास्फीति लक्ष्य हेडलाइन CPI के रूप में परिभाषित है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) CPI का संकलन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO, MoSPI) करता है; WPI का संकलन आर्थिक सलाहकार कार्यालय करता है।

12. भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में निम्नलिखित में से कौन-से शामिल हैं?
1. विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ
2. स्वर्ण
3. विशेष आहरण अधिकार (SDR)
4. IMF में आरक्षित किस्त (रिज़र्व ट्रांश) की स्थिति
सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d) चारों भारत के भंडार के घटक हैं।

13. कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) कितनी फ़सलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की सिफ़ारिश करता है (गन्ने के FRP को छोड़कर)?

(a) 14
(b) 22
(c) 23
(d) 25

उत्तर: (b) CACP 22 फ़सलों के लिए MSP और गन्ने के लिए FRP की सिफ़ारिश करता है।

14. 2027-28 विपणन सत्र के लिए निम्नलिखित में से किस रबी फ़सल के MSP में सबसे अधिक निरपेक्ष वृद्धि हुई?

(a) गेहूँ
(b) चना
(c) कुसुम (सैफ्लावर)
(d) जौ

उत्तर: (c) कुसुम में ₹675 प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई; गेहूँ में केवल ₹25 की।

15. रणनीतिक विनिवेश के संदर्भ में, IDBI बैंक को निजी क्षेत्र के बैंक के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया था:

(a) 2004 में
(b) 2016 में
(c) 2019 में
(d) 2023 में

उत्तर: (c) 2019 में LIC द्वारा बहुमत हिस्सेदारी लेने के बाद RBI ने IDBI को निजी बैंक के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया।

16. पवन गति के बढ़ते क्रम में IMD की चक्रवात श्रेणियों का सही क्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है?

(a) प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - चक्रवाती तूफ़ान - अति प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - सुपर चक्रवाती तूफ़ान
(b) चक्रवाती तूफ़ान - प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - अति प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - अत्यंत प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान
(c) चक्रवाती तूफ़ान - अति प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - सुपर चक्रवाती तूफ़ान
(d) गहरा अवदाब - प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान - चक्रवाती तूफ़ान - अति प्रचंड चक्रवाती तूफ़ान

उत्तर: (b) क्रम है: CS, SCS, VSCS, ESCS, सुपर CS।

17. यानम, जिसके पास चक्रवात अर्नब तट से टकराया, किसका भाग है?

(a) आंध्र प्रदेश
(b) ओडिशा
(c) पुदुचेरी
(d) तमिलनाडु

उत्तर: (c) यानम केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी का एक ज़िला है, जो आंध्र प्रदेश से घिरा है।

18. निम्नलिखित युग्मों (रामसर स्थल : राज्य/केंद्रशासित प्रदेश) पर विचार कीजिए:
1. सुखना आर्द्रभूमि : चंडीगढ़
2. सौज झील : उत्तर प्रदेश
3. पोंग बाँध झील : पंजाब
उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b) पोंग बाँध झील (महाराणा प्रताप सागर) हिमाचल प्रदेश में है।

19. यरेवान में CBD COP17 में समीक्षित कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क में 2030 के लिए कितने वैश्विक लक्ष्य हैं?

(a) 17
(b) 20
(c) 23
(d) 30

उत्तर: (c) KMGBF में 23 लक्ष्य और 4 उद्देश्य (goals) हैं।

20. गंगा नदी डॉल्फ़िन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है।
2. यह IUCN रेड लिस्ट में 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' के रूप में सूचीबद्ध है।
3. विक्रमशिला गांगेय डॉल्फ़िन अभयारण्य बिहार में है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) यह प्रजाति 'संकटग्रस्त' (Endangered) है, 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' नहीं।

21. दिल्ली-NCR के लिए श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) के अंतर्गत चरण I तब लागू होता है जब AQI इस सीमा में हो:

(a) 101-200
(b) 201-300
(c) 301-400
(d) 401-450

उत्तर: (b) चरण I 'ख़राब' (Poor) वायु गुणवत्ता (AQI 201-300) से संबंधित है।

22. WMO ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन संख्या 22 में निम्नलिखित में से किस गैस ने अपने पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में सबसे अधिक प्रतिशत वृद्धि दिखाई?

(a) कार्बन डाइऑक्साइड
(b) मीथेन
(c) नाइट्रस ऑक्साइड
(d) सल्फ़र हेक्साफ़्लोराइड

उत्तर: (b) मीथेन अपने 1750 के स्तर से लगभग 167% अधिक थी, जबकि CO_2 53% और N_2O 26% अधिक थी।

23. अल नीनो के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का गर्म होना है।
2. यह वॉकर परिसंचरण को मज़बूत करता है।
3. एक धनात्मक हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) भारतीय मानसून पर इसके प्रभाव को संतुलित कर सकता है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) अल नीनो वॉकर परिसंचरण को कमज़ोर करता है।

24. संकोश नदी, जो अक्टूबर 2026 में भूटान में हिमनद झील के फटने से आई बाढ़ का जल लेकर बही, किसकी सहायक नदी है?

(a) तीस्ता
(b) गंगा
(c) ब्रह्मपुत्र
(d) बराक

उत्तर: (c) संकोश ब्रह्मपुत्र में मिलती है और असम-पश्चिम बंगाल सीमा के एक भाग को चिह्नित करती है।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग आधा भाग उत्तर-पूर्वी मानसून से प्राप्त करता है?

(a) केरल
(b) कर्नाटक
(c) तमिलनाडु
(d) ओडिशा

उत्तर: (c) तमिलनाडु को अपनी वर्षा का बड़ा हिस्सा अक्टूबर-दिसंबर में मिलता है।

26. मेयोन, जिसमें अक्टूबर 2026 में उद्गार हुआ, कहाँ स्थित है?

(a) इंडोनेशिया
(b) जापान
(c) फ़िलीपींस
(d) पापुआ न्यू गिनी

उत्तर: (c) मेयोन फ़िलीपींस के लूज़ोन द्वीप के अल्बे में स्थित एक स्ट्रैटोज्वालामुखी है।

27. 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार किस वेधशाला से जुड़े कार्य के लिए दिया गया?

(a) LIGO
(b) IceCube (आइसक्यूब)
(c) सुपर-कामिओकांडे
(d) जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरबीन

उत्तर: (b) फ़्रांसिस हाल्ज़ेन को दक्षिणी ध्रुव स्थित IceCube के लिए सम्मानित किया गया।

28. ऑप्टोजेनेटिक्स, जो 2026 के फ़िज़ियोलॉजी या चिकित्सा नोबेल पुरस्कार का विषय रहा, में शामिल है:

(a) DNA को सीधे संपादित करने के लिए प्रकाश का उपयोग
(b) चुनी हुई कोशिकाओं की गतिविधि को नियंत्रित करने के लिए प्रकाश-संवेदी प्रोटीनों का उपयोग
(c) केवल लेज़र से मस्तिष्क की इमेजिंग
(d) रेटिना को इलेक्ट्रॉनिक चिप से बदलना

उत्तर: (b) प्रकाश-नियंत्रित आयन चैनलों के जीन प्रकाश के माध्यम से चुने हुए न्यूरॉनों को चालू या बंद करने देते हैं।

29. ऐसे दो अणु जो एक-दूसरे के अध्यारोपित न किए जा सकने वाले दर्पण प्रतिबिंब हों, कहलाते हैं:

(a) समस्थानिक (आइसोटोप)
(b) अपररूप (एलोट्रोप)
(c) प्रतिबिंबरूपी (एनैन्टिओमर)
(d) समभारिक (आइसोबार)

उत्तर: (c) एनैन्टिओमर काइरल दर्पण-प्रतिबिंब रूप होते हैं; 2026 का रसायन विज्ञान नोबेल इनके चयनात्मक संश्लेषण से संबंधित था।

30. NavIC के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह GPS की तरह एक वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली है।
2. NVS-03 L1 आवृत्ति बैंड जोड़ता है।
3. यह अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए प्रतिबंधित सेवा (Restricted Service) प्रदान करता है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) NavIC क्षेत्रीय प्रणाली है, जो भारत और उसके चारों ओर लगभग 1,500 किमी क्षेत्र को कवर करती है।

31. भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का सही क्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है?

(a) फ़ास्ट ब्रीडर - PHWR - थोरियम
(b) PHWR - फ़ास्ट ब्रीडर - थोरियम-आधारित
(c) थोरियम - PHWR - फ़ास्ट ब्रीडर
(d) PHWR - थोरियम - फ़ास्ट ब्रीडर

उत्तर: (b) चरण I में दाबित भारी जल रिएक्टर (PHWR), चरण II में फ़ास्ट ब्रीडर (PFBR), चरण III में थोरियम-आधारित रिएक्टर।

32. ट्रोजन क्षुद्रग्रह, जो NASA के लूसी मिशन का लक्ष्य हैं, पाए जाते हैं:

(a) मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य पट्टी में
(b) बृहस्पति के L4 और L5 लैग्रेंज बिंदुओं पर
(c) काइपर बेल्ट में
(d) ऊर्ट बादल में

उत्तर: (b) ये सूर्य के चारों ओर बृहस्पति की कक्षा को साझा करते हैं।

33. CERT-In अपनी सांविधिक शक्तियाँ किस प्रावधान से प्राप्त करता है?

(a) सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम, 2000 की धारा 43A
(b) IT अधिनियम, 2000 की धारा 66A
(c) IT अधिनियम, 2000 की धारा 70B
(d) IT अधिनियम, 2000 की धारा 69A

उत्तर: (c) धारा 70B CERT-In को साइबर घटनाओं पर प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में नामित करती है।

34. अभ्यास AUSTRAHIND भारत और किसके बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास है?

(a) ऑस्ट्रिया
(b) ऑस्ट्रेलिया
(c) ऑस्ट्रिया और हंगरी
(d) ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड

उत्तर: (b) यह भारत-ऑस्ट्रेलिया सेना अभ्यास है; 2026 में न्यूज़ीलैंड ने पहली बार पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

35. अक्टूबर 2026 में कमीशन किया गया INS समर्थक है:

(a) एक परमाणु पनडुब्बी
(b) नौसेना का पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत
(c) एक विमानवाहक पोत
(d) एक स्टेल्थ फ्रिगेट

उत्तर: (b) L&T द्वारा निर्मित, यह चार बहुउद्देशीय पोतों में पहला है।

36. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए:
1. स्विट्ज़रलैंड
2. नॉर्वे
3. आइसलैंड
4. लिकटेंस्टाइन
5. डेनमार्क
उपर्युक्त में से कौन-से यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के सदस्य हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1, 2, 3 और 4
(c) केवल 2, 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b) डेनमार्क यूरोपीय संघ (EU) का सदस्य है, EFTA का नहीं।

37. भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि का केंद्र फ़रक्का बैराज कहाँ स्थित है?

(a) बिहार
(b) झारखंड
(c) पश्चिम बंगाल
(d) उत्तर प्रदेश

उत्तर: (c) फ़रक्का पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले में है।

38. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत महासचिव की नियुक्ति की जाती है:

(a) केवल सुरक्षा परिषद द्वारा
(b) सुरक्षा परिषद की सिफ़ारिश पर महासभा द्वारा
(c) अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा
(d) P5 के मतदान द्वारा

उत्तर: (b) संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 97।

39. होर्मुज़ जलडमरूमध्य जोड़ता है:

(a) लाल सागर और अदन की खाड़ी को
(b) फ़ारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को
(c) भूमध्य सागर और लाल सागर को
(d) अरब सागर और लाल सागर को

उत्तर: (b) बाब-अल-मंदेब लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है।

40. वैश्विक भुखमरी सूचकांक (GHI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह FAO द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
2. बाल ठिगनापन (stunting) और बाल दुबलापन (wasting) प्रत्येक का भार एक-छठा है।
3. 2026 में भारत 122 देशों में 100वें स्थान पर था।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) इसे वेल्टहुंगरहिल्फ़ (Welthungerhilfe) और कंसर्न वर्ल्डवाइड प्रकाशित करते हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास

प्रश्न 1. GS1: 'सरदार पटेल द्वारा रियासतों के एकीकरण में समझाने-बुझाने और दृढ़ता दोनों का मेल था।' उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 2. GS1: उत्तर-पूर्वी मानसून और दक्षिण-पूर्वी भारत के लिए इसके महत्व को समझाइए। 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमी ने देश को कैसे प्रभावित किया? (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 3. GS1: अल नीनो क्या है? 2026-27 में भारत पर इसके संभावित प्रभावों और आवश्यक तैयारी उपायों की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 4. GS1: हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (GLOF) हिमालय में एक उभरता हुआ सीमापारीय संकट है। अक्टूबर 2026 के सिंताफू GLOF के संदर्भ में परीक्षण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 5. GS1: बहुआयामी गरीबी में कमी के बावजूद, भारत में बाल अल्पपोषण ऊँचा बना हुआ है। कारणों का विश्लेषण कीजिए और उपाय सुझाइए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 6. GS2: मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की चयन समिति की संरचना पर चल रही बहस का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 7. GS2: मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण में शुद्धता और समावेशन के बीच संतुलन आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के आलोक में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 8. GS2: 'विधायिका किसी निर्णय का आधार हटा सकती है, परंतु उसे पलट नहीं सकती।' सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णयों के संदर्भ में समझाइए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 9. GS2: राज्य मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किए बिना राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित आचरण को किस सीमा तक निर्धारित कर सकता है? चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 10. GS2: प्रभावी विकेंद्रीकरण के लिए निधि, कार्य और कार्मिक (funds, functions and functionaries) आवश्यक हैं। इस आलोक में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना का मूल्यांकन कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 11. GS2: क्या 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी से हुए नुक़सान का दायित्व बैंकों को उठाना चाहिए? पक्ष और विपक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 12. GS2: यूरोपीय साझेदारों के साथ भारत का जुड़ाव संवाद से समझौतों की ओर बढ़ रहा है। TEPA और भारत-EU मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 13. GS2: महत्वपूर्ण खनिजों और समुद्री सुरक्षा पर क्वाड के कार्य के भारत के लिए महत्व की चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 14. GS2: 2026 में गंगा जल संधि की समाप्ति भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए चुनौती और अवसर दोनों है। टिप्पणी कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 15. GS3: क्या मौद्रिक सख़्ती आपूर्ति आघातों से उत्पन्न मुद्रास्फीति को नियंत्रित कर सकती है? RBI के अक्टूबर 2026 के निर्णय के संदर्भ में परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 16. GS3: समझाइए कि थोक और खुदरा मुद्रास्फीति में तीव्र अंतर क्यों आ सकता है। नीति के लिए इसका क्या निहितार्थ है? (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 17. GS3: MSP नीति फ़सल विविधीकरण का साधन हो सकती है। 2027-28 के रबी MSP के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 18. GS3: '1.5°C का लक्ष्य हाथ से निकलता जा रहा है।' उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट (Emissions Gap Report) 2026 के निष्कर्षों और भारत की स्थिति की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 19. GS3: हर सर्दी में दिल्ली की वायु गुणवत्ता क्यों बिगड़ जाती है? GRAP की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 20. GS3: चक्रवातों का तीव्र सघनीकरण (rapid intensification) क्या है? आपदा प्रबंधन को इसके अनुरूप कैसे ढलना चाहिए? (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 21. GS3: भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और नागरिक उपयोगों के लिए NavIC के महत्व को समझाइए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 22. GS3: भारत के ऊर्जा संक्रमण में लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (SMR) की भूमिका और उनसे जुड़ी चिंताओं की चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 23. GS3: वामपंथी उग्रवाद में गिरावट सुरक्षा और विकास को साथ जोड़ने के महत्व को दर्शाती है। परीक्षण कीजिए और शेष जोखिमों की पहचान कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

प्रश्न 24. GS3: स्वायत्त AI एजेंट नए साइबर सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। CERT-In की हालिया एडवाइज़रियों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 25. GS4: 'आपदाओं के दौरान दुर्लभ संसाधनों के आवंटन में निष्पक्षता प्रशासक की सत्यनिष्ठा की कसौटी है।' चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

52 | पुनरावृत्ति

पुनरावृत्ति

बुकमार्क करने योग्य आधिकारिक स्रोत

आगे पढ़ने के लिए आधिकारिक स्रोत खोलने हेतु स्कैन या क्लिक कीजिए।

- **पत्र सूचना कार्यालय (PIB)** https://pib.gov.in
- **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** https://rbi.org.in
- **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** https://mausam.imd.gov.in
- **विदेश मंत्रालय (MEA)** https://www.mea.gov.in
- **पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च (PRS)** https://prsindia.org
- **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** https://www.unep.org

53 | स्रोत

पुनरावृत्ति

स्रोत और टिप्पणियाँ

- **इतिहास और संस्कृति:** newsonair.gov.in (गांधी जयंती, 2 अक्टूबर); ETV Bharat लाइव अपडेट (एकता दिवस, 31 अक्टूबर); India TV और Organiser (द्रोणसागर उत्खनन); ThePrint (जोगेन चौधरी); Al Jazeera (साहित्य और शांति नोबेल)।
- **भूगोल:** ETV Bharat और The Week (IMD मानसून आँकड़े, मानसून की वापसी); watchers.news के माध्यम से NOAA CPC; weather.com (WMO अल नीनो अपडेट); ICIMOD प्रेस विज्ञप्ति, Kathmandu Post, Daily Bhutan (सिंताफू GLOF); GMA News और Philstar (मेयोन)।
- **समाज:** The South First (GHI 2026); द्वितीयक साइटों पर बताए अनुसार UNDP-OPHI MPI 2026।

- **राजव्यवस्था और शासन:** LiveLaw, SC Observer, Verdictum, LawBeat, Courtbook (सर्वोच्च न्यायालय के मामले); ANI (CEC पर खंडित निर्णय; ONOE संयुक्त संसदीय समिति); SabrangIndia और Newsgram (SIR आँकड़े); PIB (PM-VGSY, DA वृद्धि)।
- **अंतरराष्ट्रीय संबंध:** ANI (स्विट्ज़रलैंड और लिकटेंस्टाइन यात्राएँ; भारत-EU FTA ब्रीफ़िंग); Tribune और GMF (पोलैंड); अमेरिकी विदेश विभाग (क्वाड संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति, 31 अक्टूबर); KSAT के माध्यम से AP (G20 FMM); Malay Mail के माध्यम से AFP (गंगा संधि); OneIndia, India.com (LAC); Al Jazeera (होर्मुज़, ग़ाज़ा, ब्राज़ील चुनाव, UNHRC); PassBlue और The National (संयुक्त राष्ट्र महासचिव स्ट्रॉ पोल); SCO सचिवालय (दुशांबे)।
- **अर्थव्यवस्था:** PIB/MoSPI (CPI, 12 अक्टूबर); PIB/DPIIT (WPI, 14 अक्टूबर); newsonair और corplawupdates (RBI MPC); विश्व बैंक प्रेस विज्ञप्ति (6 अक्टूबर); Business Today और DD India (IMF WEO); Tribune (GST, राजकोषीय आँकड़े, SEBI); Business Today (व्यापार); Greater Kashmir (IDBI); NBER (अर्थशास्त्र नोबेल)।
- **कृषि:** global-agriculture.com और Manorama Yearbook (रबी MSP); Business Today (अनाज भंडार); Adda247 (PMDDKY)।
- **पर्यावरण और आपदा:** Down To Earth, AccuWeather, Vajiram (चक्रवात अर्नब); Insights और Time के माध्यम से UNEP (उत्सर्जन अंतराल); WMO (GHG बुलेटिन संख्या 22); Drishti और Vajiram (लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट); CBD प्रेस विज्ञप्ति, Carbon Brief, Down To Earth (COP17); Business Today, DTE, PIB (GRAP, पराली); ETV Bharat और Insights (रामसर); Gulf News और Insights (चीता)।
- **विज्ञान और सुरक्षा:** EPS और Britannica (भौतिकी नोबेल); Stanford Medicine (चिकित्सा नोबेल); रॉयल स्वीडिश अकादमी और ACS (रसायन नोबेल); Organiser और Vajiram (NVS-03); The Week (गगनयान); NASA ब्लॉग (आर्टेमिस, लूसी); NextIAS (परमाणु); DD News (INS समर्थक); Tribune, Vajiram (सैन्य अभ्यास); The Hacker News (CERT-In); ETV Bharat (जम्मू-कश्मीर, AFSPA); The Week और PMF IAS (वामपंथी उग्रवाद)।
- **मानचित्र:** भारत की सीमा DataMeet India-composite डेटासेट (CC BY 4.0) से, भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India) के चित्रण के अनुरूप; अन्य देश Natural Earth (सार्वजनिक डोमेन) से। चार्ट प्रत्येक कैप्शन में उद्धृत आँकड़ों से बनाए गए हैं।
- **नीतिशास्त्र:** चक्रवात वाली केस स्टडी एक काल्पनिक अभ्यास परिदृश्य है; किसी वास्तविक अधिकारी से कोई समानता अनजाने में है।

ⓘ कृपया उपयोग से पहले जाँच लें

- **सामान्य रिपोर्टों में सुधार:** कुछ स्रोत चक्रवात अर्नब का लैंडफॉल 'विशाखापत्तनम के पास' बताते हैं; IMD पर आधारित अधिकांश रिपोर्टें इसे यानम/काकीनाडा के पास बताती हैं। AccuWeather की एक रिपोर्ट तितली चक्रवात का वर्ष 2013 बताती है; तितली अक्टूबर 2018 में आया था। IMF का 2026 का विश्व वृद्धि आँकड़ा अधिकांश रिपोर्टों में 3.1% और एक द्वितीयक स्रोत में 3.3% है; हमने 3.1% लिया है।
- **कम पूर्णता से जाँचे गए (केवल द्वितीयक स्रोत):** नोबेल के सटीक प्रशस्ति-पत्र (nobelprize.org तक पहुँच नहीं हो सकी); अर्नब से मृतकों की संख्या; वैश्विक MPI जारी होने की तिथि; अंबाजी मोहनथाल का GI टैग (कोचिंग-साइट स्रोत); वन्यजीव सप्ताह की थीम; लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट का उपशीर्षक; संयुक्त राष्ट्र विश्व पुनर्स्थापन फ़्लैगशिप की संख्या; खेलो इंडिया खेल सामग्री योजना; RBI की नियामक घोषणाएँ; अक्टूबर की नियुक्तियों के बाद सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश संख्या।
- **अभी जारी घटनाक्रम:** CEC अधिनियम पर संविधान पीठ; पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में SIR से जुड़ी अपीलें; चक्रवात मुरासु (नवंबर की शुरुआत में लैंडफॉल अपेक्षित); भारत-अमेरिका व्यापार समझौता; भारत-EU FTA पर हस्ताक्षर (दिसंबर में अपेक्षित); गंगा संधि वार्ता; COP31 (9-20 नवंबर); गगनयान G1 प्रक्षेपण तिथि; संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चयन।

इस अंक का समस्त पाठ Next-Gen PSC के लिए तैयार किया गया मौलिक लेखन है। आइकन: Font Awesome Free (CC BY 4.0)।